शर्मा হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित
राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 09 | अंक : 306 | गुवाहाटी | सोमवार, 5 जून, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/

असम-मेघालय सीमा विवाद : छात्र संघों ने बनाई संयुक्त शांति समिति पेज 3
प्रधानमंत्री ने देश की साख को दी उड़ान : नितिन भाई पटेल पेज 4
प्रधानमंत्री के विजनरी नेतृत्व से विश्व में जमी भारत की धमक : योगी पेज 5
महिला पहलवानों से कृत्य करने वाले बृजभूषण को बचा रही भाजपा... पेज 8

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(অসমীয়া দৈনিক)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

फूलों की खुशबू हवा की दिशा में ही फैलती है, लेकिन एक व्यक्ति की अच्छाई चारों तरफ फैलती है।

– आचार्य चाणक्य

रेल हादसा : ड्राइवर को क्लीनचिट, रेल मंत्री ने की सीबीआई जांच की सिफारिश

भुवनेश्वर। रेलवे ने रविवार को ड्राइवर की गलती और सिस्टम में खराबी से एक तरह से इनकार किया और संकेत दिया कि ओडिशा में ट्रेन दुर्घटना के पीछे इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम में संभावित तोड़फोड़ और छेड़छाड़ हो सकती है। इस हादसे में कम से कम 288 लोगों की मौत हो गई। रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने हादसे की सीबीआई जांच कराने की सिफारिश की है। रेल मंत्री ने कहा कि दुर्घटना के मूल कारण और इसके लिए जिम्मेदार अपराधियों की पहचान कर ली गई है। उन्होंने बालासोर जिले में दुर्घटनास्थल पर मीडिया से बातचीत में कहा कि इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग और प्वाइंट मशीन में किए गए बदलाव के कारण ऐसा हुआ। इसे फेल सेफ सिस्टम कहा जाता है, इसलिए इसका मतलब है कि अगर यह फेल भी हो जाता है तो भी सारे सिग्नल लाल हो जाएंगे और सभी ट्रेनों का परिचालन रुक जाएगा। मंत्री ने कहा कि सिग्नल प्रणाली में समस्या थी। ऐसा हो सकता है कि किसी ने केबल देखे बिना कुछ खुदाई की हो। रेलवे बोर्ड के परिचालन एवं कारोबार विकास की सदस्य जया वर्मा सिन्हा ने कहा कि किसी भी मशीन के चलने से खराबी आने का खतरा रहता है। रेलवे के एक वरिष्ठ अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि एआई-आधारित इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम के साथ इस तरह की छेड़छाड़ केवल जानबूझकर की जा सकती है। अधिकारी ने सिस्टम में किसी भी खराबी से इनकार किया। मंत्री ने यह भी कहा कि रेलवे

सुरक्षा आयुक्त ने जांच पूरी कर ली है और रिपोर्ट का इंतजार है। उन्होंने कहा कि यह भीतर से या बाहर से छेड़छाड़ या तोड़फोड़ का मामला हो सकता है। हमने किसी भी संभावना से इनकार नहीं किया है। बेंगलुरु-हावड़ा सुपरफास्ट एक्सप्रेस और शालीमार-चेन्नई सेंट्रल कोरोमंडल एक्सप्रेस और एक मालगाड़ी शुक्रवार शाम करीब सात बजे बालासोर के बहानगा बाजार स्टेशन के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस हादसे में कम से कम 288 लोगों की मौत हो गई थी और करीब 1,175 लोग घायल हो गए थे। अधिकारियों ने रविवार को कोरोमंडल एक्सप्रेस (कोरोमंडल एक्सप्रेस) के ड्राइवर को यह कहते हुए क्लीन चिट दे दी कि उसे आगे बढ़ने के लिए हरी झंडी मिल गई थी और वह तेज गति से गाड़ी नहीं चला रहा था।

प्राथमिक कारणों में इंटरलॉकिंग सिस्टम जिम्मेदार : रेल मंत्रालय

नई दिल्ली/भुवनेश्वर (हि.स.)। ओडिशा के बालासोर जिले में हुए रेल हादसे के प्राथमिक कारणों का पता लगाया जा चुका है। यह रेल हादसा इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम की सिग्नलिंग से जुड़ा हो सकता है। रेल मंत्रालय ने कहा है कि रेलवे सुरक्षा आयुक्त की विस्तृत रिपोर्ट आने पर ही इसपर कुछ कहा जा सकता है। दुर्घटनास्थल पर पिछले 36 घंटे से रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव मौजूद हैं। उन्होंने बताया कि ट्रेन हादसे के कारणों और इसके लिए जिम्मेदार लोगों को पहचाना जा चुका है। हालांकि अभी इसपर जांच जारी है और रेलवे सुरक्षा आयुक्त विस्तृत जांच कर रहे हैं और वे इसकी विस्तार से जानकारी देंगे। उन्होंने कहा कि यह हादसा इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग में बदलाव की वजह से हुआ है। दूसरी ओर बचाव कार्य पूरा होने के बाद अब रेलवे ट्रैक को ठीक करने का काम जारी है। हादसे की वजह से रेलवे ट्रैक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुआ है। इसके चलते कई ट्रेनों को रद्द किया गया या उनके रूट में बदलाव किया गया है। रेल मंत्री ने कहा है कि पहले जैसी स्थिति लाने में बुधवार तक का समय लग सकता है। रेल मंत्री ने एक ट्वीट कर बताया कि दोपहर 12 बजे के आसपास डाउन लाइन को ठीक कर लिया गया है। इसी संबंध में आज रेलवे बोर्ड की ओर से भी पत्रकार वार्ता की गई। इसमें हादसे के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। बोर्ड का कहना है कि जल्द ही हादसों के कारणों की विस्तार -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर हिंसा : तीन सदस्यीय जांच आयोग का गठन

नई दिल्ली। भारत सरकार ने मणिपुर में हिंसा की घटनाओं की जांच के लिए गौहाटी उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति अजय लांबा की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय जांच आयोग का गठन किया। पूर्व आईएएस अधिकारी हिमांशु शेखर दास और पूर्व आईपीएस अधिकारी आलोक प्रभाकर भी आयोग में हैं। केंद्रीय गृहमंत्रालय ने अधिसूचना में कहा कि 3 मई 2023 को मणिपुर राज्य में बड़े पैमाने पर हिंसा भड़क उठी और हिंसा के परिणामस्वरूप राज्य के कई निवासियों ने अपनी जान गंवा दी और कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। आगजनी के परिणामस्वरूप उनके घरों और संपत्तियों को जला दिया गया और उनमें -शेष पृष्ठ दो पर

असम बोर्ड 12वीं का परीक्षाफल आज

गुवाहाटी। असम बोर्ड 12वीं के छात्रों के लिए बड़ी खबर है। असम उच्चतर माध्यमिक शिक्षा परिषद कल यानी 5 जून को कक्षा 12वीं का रिजल्ट जारी कर सकता है। बोर्ड के एक करीबी सूत्र ने बताया कि एएचएसईसी ने कल रिजल्ट जारी करने के लिए राज्य के शिक्षा मंत्री से समय मांगा है। हालांकि इस पर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। परीक्षा परिणाम घोषित होने के बाद आधिकारिक वेबसाइट ahsec.assam.gov.in, assamresult.com.in या assam.result.in -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

गुवाहाटी एयरपोर्ट पर विमान की इमरजेंसी लैंडिंग

गुवाहाटी (हि.स.)। गुवाहाटी से डिब्रूगढ़ जा रहा इंडिगो के एक विमान में यांत्रिक गड़बड़ी आने के बाद गुवाहाटी हवाई अड्डे पर उसकी इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। इस विमान में भारत के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री रामेश्वर तेली, विधायक तेरेस ग्वाला और विधायक प्रशांत फूकन समेत कुल 184 यात्री सवार थे। बताया गया कि इंडिगो की उड़ान संख्या 6ई-2652 ने रविवार सुबह आठ बजकर 40 मिनट पर गुवाहाटी से डिब्रूगढ़ -शेष पृष्ठ दो पर

राज्य में पेट्रोल 97.54 रुपए प्रति लीटर

गुवाहाटी। जल्द ही मूल्य वृद्धि का खामियाजा राज्य भुगतने वाला है क्योंकि तेल कंपनियों ने 3 जून से पेट्रोल और डीजल की कीमत में 50 पैसे की बढ़ोतरी की है। बढ़ोतरी के बाद असम में पेट्रोल की संशोधित दर 97.54 रुपए प्रति लीटर है जबकि डीजल की कीमत 90.23 रुपए प्रति लीटर होगी। इंडिया टुडेएनई ने गुवाहाटी के एक पेट्रोल पंप मालिक से बात करते हुए पाया कि कीमतों में आमतौर पर -शेष पृष्ठ दो पर

एनएच-2 की नाकेबंदी हटाएं ताकि भेजे जा सकें जरूरी सामान : अमित शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को मणिपुर के लोगों से राष्ट्रीय राजमार्ग-दो से नाकेबंदी हटाने की अपील की, ताकि राज्य में भोजन, दवा और ईंधन जैसी बुनियादी और जरूरी चीजें पहुंच सकें। शाह ने आधिकारिक ट्विटर हैंडल से ट्वीट कर नागरिक समाज के सदस्यों से इस संदर्भ में पहल करने को कहा है। उन्होंने कहा कि मणिपुर के लोगों से मेरी विनम्र अपील है कि इंफाल-डीमापुर, राष्ट्रीय राजमार्ग-दो पर लगाई गई नाकेबंदी को हटा लें, ताकि भोजन, दवाइयां, पेट्रोल/डीजल और अन्य आवश्यक वस्तुएं लोगों तक पहुंच सकें। शाह ने कहा कि मैं यह भी अनुरोध करता हूं कि नागरिक संगठन आम सहमति बनाने के लिए जरूरी कदम उठाएं। शाह ने ट्वीट में आगे कहा कि हम सब मिलकर ही इस खूबसूरत राज्य -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर में विभाजन की मांग, भाजपा विधायकों ने केंद्र के सामने उठाया मुद्दा

इंफाल। मणिपुर में बीते दिनों हुई जातीय हिंसा में करीब 100 लोगों की मौत हो गई, जबकि 315 से ज्यादा लोग घायल हुए। राज्य में जातीय के आधार पर हुई हिंसा ने मणिपुर को विभाजित कर दिया है। पहाड़ी क्षेत्रों में रहने वाले कुकी आदिवासियों को लगता है कि एक अलग राज्य ही इसका एकमात्र समाधान है। हालांकि, मेतेई समुदाय जो अनुसूचित जनजाति श्रेणी के दर्जा की मांग कर रहे, वह किसी भी प्रकार के विभाजन या किसी अलग व्यवस्था के सख्त खिलाफ हैं। बता दें कि मणिपुर में 3 मई को हुई जातीय हिंसा के कारण पहाड़ियों और घाटी दोनों में बड़े पैमाने पर लोगों का विस्थापन हुआ है। पहाड़ी क्षेत्रों पर रहने वाले गैर-जनजातीय मेइती लोग घाटी की ओर भाग गए हैं और घाटी में रहने वाले कुकी आदिवासियों ने पहाड़ियों की ओर पलायन कर लिया है। जो स्पष्ट रूप से दो समुदायों और विभिन्न भौगोलिक स्थानों के बीच विश्वास की कमी को दर्शाता है। पहाड़ी और घाटी क्षेत्रों के बीच विभाजन या विकास असमानता हमेशा मणिपुर में एक राजनीतिक बहस रही है। दरअसल, समग्र सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए पूर्वोत्तर के चार राज्यों असम, मेघालय और -शेष पृष्ठ दो पर

निर्माणाधीन फोरलेन पुल फिर गिरा

भागलपुर। बिहार के भागलपुर में सुलतानगंज-अगुवानी गंगा नदी पर बन रहे निर्माणाधीन फोरलेन पुल एक बार फिर जमींदोज हो गया। निर्माणाधीन पुल का सुपर स्ट्रक्चर नदी में गिर गया। अगुवानी के तरफ से पुल के पाया नंबर 10,11,12 के ऊपर का पूरा सुपर स्ट्रक्चर गिर गया है जो लगभग 100 मीटर का हिस्सा होगा। हालांकि, पुल के स्ट्रक्चर गिरने का कारण अभी स्पस्ट नहीं हो पाया है। इस महासेतु का निर्माण एसपी सिंगला कंपनी द्वारा किया जा रहा है। बता दें कि यह भागलपुर जिले के सुल्तानगंज में बन रहा यह पुल खगड़िया और भागलपुर जिलों को जोड़ने के लिए बनाया जा रहा है। अगुवानी -शेष पृष्ठ दो पर

रेल हादसा : बच्चों की पढ़ाई की जिम्मेदारी उठाएंगे अडानी

नई दिल्ली। गौतम अडानी ने कोरोमंडल ट्रेन हादसे पर बड़ा एलान किया है। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि हादसे में जिन बच्चों ने अपने माता-पिता को खोया है, उनकी पढ़ाई की जिम्मेदारी अब अडानी ग्रुप उठाएगा। बता दें, ओडिशा हादसे में करीब 288 लोगों की जान जा चुकी है। वहीं 1000 से ज्यादा लोग घायल हैं। इसमें बच्चे, बूढ़े समेत कई लोग शामिल हैं। ट्रेन हादसे ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। हालांकि, जिन लोगों की जान चली गई है उनको कोई वापस नहीं ला सकता है। लेकिन गौतम अडानी का ये बयान पीड़ित बच्चों के लिए बड़ी राहत ले कर आया है। बता दें, कोरोमंडल ट्रेन हादसे की जांच की जा रही है। प्रधानमंत्री से लेकर रेलवे मंत्रालय और अन्य राज्य सरकारें इस मुसीबत के समय में मृतकों के परिजन और पीड़ितों के साथ हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने भी घटनास्थल का जायजा लेने के बाद कहा था कि दोषियों को बक्शा नहीं जाएगा। अरबपति बिजनेसमैन गौतम अडानी ने रविवार -शेष पृष्ठ दो पर

बहू का हाथ काटने वाले ने किया थाने में आत्म-समर्पण

तिनसुकिया। असम के तिनसुकिया जिले में रविवार को एक चौंकाने वाली घटना में एक व्यक्ति ने कथित तौर पर अपनी बहू पर चाकू से हमला कर उसके हाथ काट दिए और पुलिस थाने में आत्मसमर्पण कर दिया। पीड़िता की पहचान संगीता कुमारी के रूप में हुई है, जिसे स्थानीय लोगों द्वारा तुरंत तिनसुकिया सिविल अस्पताल ले जाया गया, जो चीख-पुकार सुनकर मौके पर जमा हो गए थे। सूत्रों -शेष पृष्ठ दो पर

रेल हादसा : सांप्रदायिक पोस्ट करने पर होगी कड़ी कार्रवाई

नई दिल्ली। ओडिशा के बालासोर में शुक्रवार शाम तीन ट्रेनें दुर्घटनाग्रस्त हो गईं। इस भयानक रेल हादसे में 261 लोगों की मौत हो चुकी है, वहीं, 900 से ज्यादा लोग घायल हैं। इस हादसे के बाद लोगों ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मेस पर अपनी अलग-अलग प्रतिक्रियाएं दी है। वहीं, कुछ लोग सोशल मीडिया पर इस हादसे को *सांप्रदायिक रंग* देने की कोशिश में जुटे हैं। इस हादसे पर कई लोगों द्वारा सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट भी साझा किए जा रहे हैं। इस रेल हादसे को लेकर किए जा रहे साप्रंदायिक और हिंसक पोस्ट पर लगाम लगाने के लिए ओडिशा पुलिस ने कमर कस ली है। ओडिशा पुलिस ने चेतावनी दी है कि उन लोगों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी जो इस हादसे से जुड़ी साप्रंदायिक और हिंसक पोस्ट को सोशल मीडिया पर शेयर करेंगे। पुलिस ने लोगों से झूठे और दुर्भावनापूर्ण पोस्ट फैलाने से रोकने का आग्रह किया है। पुलिस ने आगे कहा कि ओडिशा में जीआरपी द्वारा दुर्घटना के कारणों -शेष पृष्ठ दो पर

हादसे में कई बांग्लादेशी घायल राजनयिक ने अस्पतालों का किया दौरा

बालेश्वर। ओडिशा के बालेश्वर में तीन ट्रेनों की भीषण भिड़ंत में अबतक 288 लोगों की मौत हो गई है, जबकि कई बांग्लादेशी यात्री समेत 1100 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। इस बीच, जानकारी मिली कि बांग्लादेश के एक वरिष्ठ राजनयिक ने रविवार को बालेश्वर जिले के सोरो अस्पताल का दौरा दिया। बता दें कि बांग्लादेशी राजनयिक शेख मारेफत अली इस्लाम ने घायल बांग्लादेशी यात्रियों को कांसुलर सहायता प्रदान करने के लिए सोरो अस्पताल का दौरा किया। उन्होंने बताया कि कुछ बांग्लादेशी यात्रियों का ओडिशा के विभिन्न अस्पतालों में इलाज चल रहा है। हालांकि, इस हादसे में बांग्लादेश के किसी भी नागरिक के मरने की सूचना नहीं है। उन्होंने कहा कि भद्रक अस्पताल में भर्ती एक बांग्लादेशी यात्री को इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई, जबकि एक अन्य को कटक के एससीबी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। मैंने शनिवार को बालेश्वर के एक अस्पताल का दौरा किया था। इसी बीच उन्होंने कहा कि अगर घायल बांग्लादेशी मरीजों के बारे में कोई भी -शेष पृष्ठ दो पर

शुक्रेश्वर घाट पर किशोर के डूबने की आशंका

गुवाहाटी। गुवाहाटी के शुक्रेश्वर घाट पर एक आउटिंग के दौरान ब्रह्मपुत्र नदी में 15 से 16 साल की उम्र के एक लड़के के शनिवार शाम डूबने की आशंका है। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, लड़के की पहचान गुवाहाटी के बिरुबाड़ी इलाके में रहने वाले 10वीं कक्षा के छात्र जाहिद अहमद के रूप में हुई है, जो अपने पांच दोस्तों के साथ भीषण गर्मी से बचने के लिए घाट पर गया था। जब वे नदी में नहा रहे थे, वे गहरे पानी में चले गए और दुर्भाग्य से, उनमें से एक लापता हो गया। सूचना -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc.
ARTCLE WORLD, S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01,
Ph. : 94350-48866, 94018-06952

तूफान ने गोहपुर के कुछ हिस्से हुए तबाह

गहपुर। असम के गोहपुर में भारी तूफान तबाही के निशान छोड़ गया। तूफान ने जिले के कई हिस्सों को तबाह कर दिया, घरों के दरवाजे तोड़ दिए, पेड़ उखड़ गए और बिजली के तार टूट गए। सूत्रों के अनुसार, मौसम में अचानक बदलाव के बाद तापमान में गिरावट के कारण रात में कई घरों की छतें उड़ गईं और कई लोग कांपने लगे। तूफान के कारण हुए नुकसान के बारे में बोलते हुए, एक निवासी ने कहा कि हम कल रात लगभग 11.30 बजे क्षेत्र में भारी बारिश के साथ आए तूफान के कारण हुए नुकसान से बेहद दुखी हैं। दरअसल, तूफान ने पूरे क्षेत्र को चपेट में ले लिया, कई बड़े पेड़ उखड़ गए, मकान क्षतिग्रस्त हो गए। जब तूफान की तीव्रता थम गई तब हम विनाश के निशान खोजने के लिए निकल पड़े, हमारे पड़ोसी के घर गिरे हुए पेड़ों से ढके हुए थे। साथ ही बिजली की लाइनें क्षतिग्रस्त हो गई हैं जिससे अब बिजली आपूर्ति में परेशानी होगी। घरों की छतों पर कई पेड़ पड़े हैं। ऐसा लगता है कि मलबा हटाने के लिए तत्काल कोई उपाय नहीं है। तूफान के कारण, कई लोग बेघर हो गए हैं, सड़कों को अवरुद्ध कर दिया गया है और बिजली कटौती भी कर दी गई है, जबकि लोक निर्माण विभाग वाहनों की मुक्त आवाजाही के लिए सड़कों को साफ करने के लिए उतर गया है।

तीन बेटियों और एक बेटे को अनाज के ड्रम में बंद कर खुद फंदे पर लटकी मां

बाड़मेर (हि.स.)। मंडली थाने के बानियावास गांव में एक महिला ने अपने चार बच्चों की हत्या कर खुद फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। महिला ने पहले चारों बच्चों को अनाज के ड्रम में बंद कर उनकी जान ले ली। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और पांचों शवों को हॉस्पिटल पहुंचाया। हत्या और सुसाइड करने वाली महिला गर्भवती थी। पुलिस के अनुसार मंडली थाने के बानियावास गांव की रहने वाली उर्मिला (27) ने शनिवार को अपने चार बच्चों भावना (8), विक्रम (5), विमला (3) और मनीषा (2) को अनाज के ड्रम में डाल कर बाहर से ढक्कन बंद कर दिया। इसके बाद खुद घर में फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के दौरान उसका पति जेठाराम मजदूरी के लिए बालेसर (जोधपुर) गया हुआ था। जब शाम के समय बच्चे व महिला नहीं दिखी तो पास में रह रहे रिश्तेदारों ने जाकर देखा। महिला फांसी के फंदे से झूल रही थी। जब बच्चों को इधर-उधर देखा तो बच्चे ड्रम के अंदर बंद थे। तब रिश्तेदारों व ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। मंडली थानाधिकारी कमलेश के मुताबिक प्रारंभिक जांच में मां का बच्चों की हत्या कर आत्महत्या करने की बात सामने आ रही है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि पति-पत्नी के बीच कुछ समय से अनबन चल रही थी। अब तक की जांच में बच्चों की मौत दम घुटने से हुई है। मृतका की शादी 2014 में हुई थी। मृतका के तीन बेटियां और एक बेटा था। सबसे बड़ी बेटी 8 साल की और सबसे छोटी बेटी मनीषा 2 साल की थी।

भ्रष्टाचार की रिपोर्ट को लेकर बोंगाईगांव में पत्रकार पर हमला

गुवाहाटी। असम के बोंगाईगांव में एक पत्रकार पर शनिवार को कथित तौर पर *हमलावरों* के एक समूह ने उस रिपोर्ट को लेकर हमला किया, जिसे उन्होंने कवर किया था। समूह बोंगाईगांव के वेस्ट कॉलोनी इलाके में एक समाचार एजेंसी से संबद्ध पत्रकार के आवास में जबरन घुस गया। लक्षित हमले ने न केवल भारत पासवान के रूप में पहचाने जाने वाले पत्रकार, बल्कि उनके परिवार के सदस्यों को भी पीड़ित किया। परिचित रिपोर्टों के अनुसार, भरत पासवान ने हाल ही में रेलवे विभाग को महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की थी, जिसमें कथित सड़क निर्माण परियोजना के भीतर भ्रष्टाचार का पर्दाफाश किया था। उक्त परियोजना रेलवे विभाग के अधिकार क्षेत्र में आती है और निष्पादन के लिए सुकुमार देव नाथ को दी गई थी। यह जानकारी मिलने पर, भरत पासवान ने रेलवे विभाग को भ्रष्टाचार के आरोपों की रिपोर्ट करने में शामिल होने के लिए प्रतिशोध के साधन के रूप में सुकुमार देव नाथ पर हमला करने का आरोप लगाया। हमले के बाद भरत पासवान और उनके घायल परिवार के सदस्यों को बोंगाईगांव के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

खेरनी में लगी आग किराने की दुकान जलकर राख

पश्चिम कार्बी आंग्लांग (हिंस)। पश्चिम कार्बी आंग्लांग जिलांतर्गत खेरनी के प्रीलो में अचानक लगी भीषण आग के चलते इलाके में अफरा-तफरी का माहौल उत्पन्न हो गया। आग में एक किराना की दुकान पूरी तरह से जलकर राख हो गई। आग में दो लाख से अधिक की संपत्ति जलकर राख हो गयी। पुलिस सूत्रों ने आज बताया है कि बीत रात लगी आग के दौरान किराना की दुकान में रखा चावल, दाल, आलू, बिस्कुट आदि समेत विभिन्न समान पूरी तरह जलकर राख हो गया। दुकान में मौजूद 10 हजार रुपए की नकदी भी जल गयी। गौरतलब है कि दुकान में आग कैसे लगी इसका पता नहीं चल पाया है, लेकिन लोगों ने आशंका व्यक्त किया है कि दुकान के ऊपर से गुजर रहे बिजली के तार के टूटकर गिरने से आग लगी होगी। फिलहाल पुलिस ने इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर लिया है।

कोकराझाड़ में केरिपुब की 129वीं वाहिनी ने आयोजित की बाइक रैली

कोकराझाड़ (हिंस)। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (केरिपुब) की 129वीं वाहिनी द्वारा आज कमांडेंट मनमदन कृष्णन के नेतृत्व में बटालियन परिसर से कोकराझाड़ जिला तक बाइक रैली निकाली गई। जिसमें बटालियन के अधिकारीगण, अधीनस्थ अधिकारी, जवान एवं स्थानीय नागरिकों ने भारी संख्या में हिस्सा लिया। इस दौरान लोगों को प्रतिदिन योग के हेतु प्रेरित किया गया। कमांडेंट द्वारा उपस्थित सभी को योग के महत्व के बारे में अवगत कराया गया। योग का मुख्य उद्देशय शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक व्यक्तित्व का विकास करना है। योग एक ओर स्नायु संस्थान की कार्यप्रणाली को अति कार्यात्मक बनाता है तथा दूसरी और भौतिक शरीर को रोग मुक्त रखता है। उन्होंने योग के आसन एवं अन्य फायदों के बारे में बताया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के अतिरिक्त द्वितीय कमान अधिकारी अनिल कुमार सिंह, उप कमांडेंट सौरभ कुमार, सहायक कमांडेंट गिरीश कुमार सिंह 129वीं बटालियन के जवान एवं भारी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

स्थानीय लोगों ने किया थाने का घेराव

कोकराझाड़ (हिंस)। स्थानीय लोगों ने कोकराझाड़ जिला के काजीगांव पुलिस थाने का आज घेराव किया। ज्ञात हो कि कुछ दिन पहले आलमगंज तृतीय खंड गांव के अनवर हुसैन और उनके परिवार ने थुरिया के पहाड़ी गांव के इनामुल हक की बुरी तरह पिटाई कर दी थी। इस घटना के मद्देनजर इनामुल हक के परिवार ने काजीगांव पुलिस स्टेशन में एक प्राथमिकी दर्ज कराई थी। आज आठ दिन बीत जाने के बाद भी एक भी आरोपित को पुलिस गिरफ्तार नहीं कर पाई है। जिसकी वजह से इनामुल हक के गांव के लोगों ने आज काजीगांव पुलिस थाने का घेराव कर जमकर नारेबाजी की। साथ ही ग्रामीणों ने सभी आरोपितों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने की मांग की है।

रेलवे विभाग ने सेरेपखाटी के 17 परिवारों को जमीन खाली करने का जारी किया नोटिस

शिवसागर (हिंस)। तिनसुकिया स्थित पूर्वोत्तर सीमा रेल (पूसीरे) विभाग ने मोरान के पास खोवांग सेरेपाखाटी के 17 परिवारों को बेदखली नोटिस जारी किए हैं। रंगालाओ बाजार के पास रेलवे लाइन के किनारे रहने वाले इन परिवारों को अगले 15 दिनों के भीतर अपना स्थान खाली किये संबंधी नोटिस के चलते परिवारों में दहशत व्याप्त है। ये परिवार रेल आली के पास रेलवे विभाग की सीमा से लगी पक्की पोस्ट के बाहर वर्षों से रह रहे हैं। लोगों ने अपने आरोप में कहा है कि इन 17 परिवारों में से कुछ परिवार सरकार से जमीन के पट्टे मिलने के बाद नियमित रूप से किराये का भुगतान कर रहे हैं। इसके बावजूद रेलवे विभाग की ओर से दिए गए बेदखली नोटिस से परिजन सकते में हैं। इस बीच, बेदखली का नोटिस आने के बाद ये परिवार गुस्से में हैं। उनका कहना है कि वे वर्षों से रेलवे विभाग की सीमा के बाहर घर बनाकर एक साथ रह रहे हैं। इनमें से दो परिवारों ने पक्के मकान भी बना लिए हैं। इन परिवारों का कहना है कि अचानक, रेलवे विभाग ने अपनी सीमा बढ़ा दी है। प्रभावित परिवारों ने बेदखली नोटिस को अस्वीकार करते हुए जमीन को खाली नहीं करने का ऐलान कर दिया है। इस बीच कृषक मुक्ति संग्राम समिति की नगर समिति और असम जातीयतावादी युवा छात्र परिषद की जिला समिति के नेतृत्व ने परिवारों के निष्कासन नोटिस को स्वीकार नहीं करने की सलाह दी है।

पृष्ठ एक का शेष

प्राथमिक कारणों में ...

से जानकारी दी जाएगी। रेलवे बोर्ड की ऑपरेशनल एंड बिजनेस डेवलपमेंट सदस्य जया वर्मा सिन्हा ने पत्रकार वार्ता में बताया कि प्रथम दृष्टया यह पता चला है कि सिग्नलिंग से जुड़ी कोई दिक्कत थी। हमें रेलवे सुरक्षा आयुक्त की विस्तृत रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं। जया वर्मा ने कहा कि हादसा केवल कोरोमंडल ट्रेन से ही जुड़ा हुआ है। ऐसा कहना कि तीन ट्रेनें आपस में टकरा गईं, गलत है। उन्होंने बताया कि कोरोमंडल एक्सप्रेस लौह अयस्क ले जाने वाली एक खड़ी मालगाड़ी से टकरा गई। मालगाड़ी के कारण सारा का सारा टकराव का प्रभाव यात्री ट्रेन पर आया जिसके चलते उसके कई डब्बे बेपटरी हो गए। वहीं दूसरी तरफ से आ रही ट्रेन के पिछले दो डब्बे इस ट्रेन के डिब्बों के पलटने के चलते क्षतिग्रस्त हुए। उन्होंने कहा कि दोनों गाड़ियां अपनी अधिकतम सीमा के भीतर थीं। कोरोमंडल एक्सप्रेस हादसे के समय 128 किलोमीटर प्रति घंटा की गति से चल रही थी। उन्होंने बताया कि रेलवे की ओर से यात्रियों के लिए 139 हेल्पलाइन नंबर मौजूद है। हादसा पीड़ितों को मुआवजा और स्वास्थ्य देखभाल प्रदान किया जा रहा है। साथ ही पीड़ितों के परिजनों के लिए भी वहां तक पहुंचने, ठहरने और अन्य तरह की व्यवस्थाएं भी रेलवे की ओर से की जा रहे हैं। रेस्टोरेशन की जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि हादसे की वजह से रेलवे ट्रैक बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हुआ है। इसे ठीक होने में समय लगेगा। आशा है कि शाम तक एक रेल लाइन शुरू कर दी जाए ताकि गाड़ियों का वहां से आना-जाना शुरू हो सके। इसी बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कल दुर्घटनास्थल का दौरा करने के बाद आज सुबह रेल मंत्री से टेलीफोन पर बात की। उन्होंने बचाव और रेस्टोरेशन कार्य की जानकारी ली।

मणिपुर हिंसा : तीन...

से कई बेघर हो गए। अधिसूचना में आगे कहा गया कि मणिपुर सरकार ने 29 मई, 2023 को न्यायिक जांच आयोग की स्थापना के लिए सिफारिश की, जो जांच आयोग अधिनियम, 1952 के प्रावधानों के तहत 3 मई, 2023 को और उसके बाद की दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं के कारणों और संबंधित कारकों की जांच करे। मणिपुर सरकार की सिफारिश पर केंद्र सरकार की राय है कि सार्वजनिक महत्व के एक निश्चित मामले अर्थात् मणिपुर में हिंसा की घटनाओं की जांच करने के उद्देश्य से जांच आयोग नियुक्त करना आवश्यक है। मंत्रालय ने तीन सदस्यीय आयोग में गौहाटी उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश अजय लांबा, 1982 बैच के आईएएस अधिकारी हिमांशु शेखर दास और 1986 बैच के आईपीएस अधिकारी आलोक प्रभाकर को नियुक्त किया है।

आयोग निम्नलिखित मामलों के संबंध में जांच करेगा-

1- विभिन्न समुदायों के सदस्यों को लक्षित करने वाली हिंसा और दंगों के कारण और प्रसार, जो 3 मई 2023 और उसके बाद मणिपुर राज्य में हुए थे।

2- हिंसा से संबंधित घटनाओं और सभी तथ्यों में समानता

3- क्या किसी जिम्मेदार प्राधिकारी/व्यक्ति की ओर से इस संबंध में कोई चूक या कर्तव्य में लापरवाही बरती गई थी।

4- हिंसा को रोकने और उससे निपटने के लिए किए गए प्रशासनिक उपायों की पर्याप्तता।

5- ऐसे मामलों पर विचार करना जो जांच के दौरान प्रासंगिक पाए जा सकते हैं।

असम बोर्ड 12वीं ...

पर उपलब्ध करवा दिया जाएगा। छात्र रोल नंबर वाइज यहां अपना परिणाम चेक कर सकेंगे। बता दें इस बार असम बोर्ड इंटरमीडिएट की परीक्षा का आयोजन 20 फरवरी से 20 मार्च तक दो पालियों में आयोजित किया गया था। पहली पाली की परीक्षा 09 बजे से 12 बजे तक निर्धारित थी, जबकि दूसरी पाली की परीक्षा दोपहर 1 बजकर 30 मिनट से शाम 04 बजकर 30 मिनट तक आयोजित की गई थी। इसके लिए कुल 2 लाख से अधिक छात्रों ने अपना रजिस्ट्रेशन करवाया था। रिजल्ट जारी होने के बाद नीचे दिए इस लिंक पर उपलब्ध करवा दिया जाएगा। छात्र दिए आसान स्टेप के जरिए अपना परिणाम चेक कर सकेंगे।

मणिपुर में विभाजन...

मिजोरम में तीन-तीन जनजातीय स्वायत्त जिला परिषदें मौजूद हैं। इसके अलावा त्रिपुरा में जिला परिषद मौजूद है, लेकिन मणिपुर में जनजातियों की बड़ी उपस्थिति के बावजूद संवैधानिक स्वायत्त निकाय नहीं हैं। जातीय हिंसा के बीच चुराचांदपुर मेडिकल कॉलेज के छात्रों ने ताजा हालातों को देखते हुए चिंता व्यक्त की है और उन्होंने अपनी पढ़ाई जारी रखने के लिए एक सुरक्षित स्थान की मांग की है। छात्रों का पहला बैच नव स्थापित मेडिकल कॉलेज में अपने एमबीबीएस प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रम का अध्ययन कर रहा है। इस साल 6 जनवरी को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा इसका उद्घाटन किया गया। कुल 100 छात्रों में से लगभग 60 छात्र मणिपुर के घाटी क्षेत्रों से हैं। हालांकि, राज्य में जातीय हिंसा के कारण तनावपूर्ण माहौल है। कुकी आदिवासी समुदाय से आने वाले 10 विधायकों ने मणिपुर में आदिवासियों के लिए एक अलग राज्य के बराबर एक अलग प्रशासन की मांग की है। इनमें भाजपा के सात विधायक भी शामिल हैं। कुकी समुदाय आने से वाले विधायकों ने आरोप लगाया कि हिंसा बहुसंख्यक मेइती समुदाय द्वारा की गई थी और भाजपा द्वारा संचालित राज्य सरकार द्वारा मौन धारण किया गया। केंद्रीय विदेश और शिक्षा राज्य मंत्री राजकुमार रंजन सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लिखे पत्र में कहा कि उनके 10 विधायकों सहित कुकी नेताओं ने आदिवासियों के लिए अलग राजनीतिक प्रशासन (एक अलग राज्य के बराबर) की मांग की है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से अनुरोध करते हुए सुझाव दिया कि पूरे राज्य में हिमाचल प्रदेश की तर्ज पर पहाड़ी निवासियों और घाटी के लोगों के बीच किसी भी अंतर के बिना पूरी तरह से लोगों का होना चाहिए। यदि आवश्यक हो तो अनुच्छेद 371सी में संशोधन किया जा सकता है। बता दें कि अनुच्छेद 371सी मणिपुर के पहाड़ी क्षेत्रों के लिए विशेष प्रावधानों से संबंधित है। राज्य के 90 प्रतिशत और 10 प्रतिशत आबादी पहाड़ी क्षेत्र में है। 60 विधानसभा सीटों में से घाटी में 40 विधानसभा सीटें हैं। घाटी में हिंदू, गैर-जनजातीय मक्का समुदाय हैं, जबकि पहाड़ियों में ईसाई नगा और कुकी समुदाय जैसी कई जनजातियों के लोग रहते हैं। मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने पहाड़ी क्षेत्रों के विकास के उपायों में तेजी लाने के लिए *गो टू हिल्स* और *गांवों में जाओ* अभियान लॉन्च किया था। साथ ही मुख्यमंत्री ने राज्य को नशा मुक्त क्षेत्र बनाने के लिए ड्रग्स के खिलाफ भी अभियान शुरू किया था। हालांकि, राज्य सरकार के अभियान और अवैध अफीम की खेती को नष्ट करने से कुकी आदिवासी नाराज हो गए, जिन्होंने 10 मार्च को इसके खिलाफ आंदोलन चलाया था। आदिवासी राज्य की कुल 2.72 मिलियन आबादी (2011 की जनगणना) का लगभग 37 से 40 प्रतिशत हिस्सा हैं। पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र में आदिवासियों और गैर-आदिवासियों के बीच कई मुद्दों पर धारणाओं में अंतर है, जहां 45.58 मिलियन आबादी में से 27-28 प्रतिशत आदिवासी हैं। हालांकि, कई पूर्वोत्तर राज्यों में आदिवासियों के लिए एक अलग राज्य की मांग सक्रिय है, जिनमें नगालैंड, त्रिपुरा और मेघालय सहित कई पूर्वोत्तर राज्य शामिल हैं।

निर्माणाधीन फोरलेन...

के तरफ से पुल के पाया नंबर 10,11,12 के ऊपर का पूरा स्ट्रक्चर गिर गया है जो लगभग 200 मीटर का हिस्सा होगा। घटना रविवार शाम की है। वहीं इस घटना के बाद बिहार का यह महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट अब और भी विलंब हो गया है। हालांकि, पुल के स्ट्रक्चर गिरने का कारण अभी स्पस्ट नहीं हो पाया है। इस महासेतु का निर्माण एसपी सिंगला कंपनी द्वारा किया जा रहा है। बता दें पिछले साल 27 अप्रैल को इस निर्माणाधीन पुल का सुपर स्ट्रक्चर नदी में गिर गया था। तेज आंधी और बारिश में करीब 100 फीट लंबा हिस्सा भरभराकर जमीन में गिर गया था। हालांकि, उस वक्त जानमाल को क्षति नहीं पहुंची थी। इसके बाद पुल निर्माण का काम फिर शुरू हुआ। इस बार करीब 80 प्रतिशत काम सुपर स्ट्रक्चर का पूरा हो गया था। इतना ही नहीं अप्रोच रोड का काम भी 45 फीसदी पूरा कर लिया गया है। वहीं इस हादसे के पहले पुल निर्माण एजेंसी दावा कर रही थी कि अगले दो माह में सुपर स्ट्रक्चर और अप्रोच रोड तैयार हो जाएगा। बता दें कि पुल का निर्माण 2015 से चल रहा है। इसकी लागत 1710.77 करोड़ रुपए है। एसपी सिंगला कंस्ट्रक्शन लिमिटेड कंपनी इसे बना रही है। महज एक साल के बाद अगुवानी - सुल्तानगंज पुल का हिस्सा गिर जाने से लोगों ने पूल निर्माण के गुणवत्ता पर सवाल उठना शुरू कर दिया है। कोई एसपी सिंगला ग्रुप पर घटिया निर्माण करने का आरोप लगा रहा है तो कोई बिहार में निर्माण योजनाओं में भ्रष्टाचार की बात कर रहा है। वहीं परबत्ता के विधायक डां. संजीव ने कहा गुणवत्ता पर पहले भी सवाल उठाया था और अब भी उठा रहा हू। यह पुल बगैर किसी कारण के कैसे गिर सकता है। इसकी गहनता से जांच होनी चाहिए।

रेल हादसा : बच्चों ...

को ट्वीट कर कहा कि ओडिशा में हुए ट्रेन हादसे से उनका मन काफी दुखी है। लोगों का दुख कुछ हद तक कम करने के लिए अडानी ग्रुप ने फैसला किया है कि वो हादसे में अपने माता-पिता को खोने वाले बच्चों की स्कूली पढ़ाई की जिम्मेदारी उठाएगा। उन्होंने आगे कहा कि पीड़ितों और उनके परिजनों को हिम्मत और बच्चों का फ्यूचर अच्छा बने ये हम सबकी जिम्मेदारी है। कोरोमंडल ट्रेन एक्सीडेंट में मृतकों के परिजनों और घायलों के लिए प्रधानमंत्री मोदी ने पीएम राहत कोष से मृतकों के परिजनों के लिए 2 लाख और घायलों के लिए 50-50 हजार रुपए मुआवजा देने का एलान किया है। उधर, रेल मंत्रालय ने भी मृतकों के परिजनों के 10 लाख रुपए देने का एलान किया है। इसके अलावा तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन और वेस्ट बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने भी अपने राज्यों के पीड़ितों के परिजनों के लिए मुआवजे का एलान किया है।

बहू का हाथ काटने...

के मुताबिक, उसकी हालत गंभीर है और उसे डिब्रूगढ़ के असम मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में रेफर किया गया है। हरिंदर के घर के किरायेदारों में से एक साहनी ने बताया कि मैं किराए के कमरे में अपना सामान पैक कर रहा था जब मैंने किसी को मदद के लिए चिल्लाते हुए सुना। जैसे ही मैंने कमरे से बाहर कदम रखा, मैंने हरिंदर प्रसाद (आरोपी) को परिसर से बाहर निकलते देखा। मैं घर के अंदर गया और ट्यूबवेल क्षेत्र के पास उसकी बहू को खून से लथपथ पड़ा देखा। साहनी ने कहा कि पीड़िता के पति ने मुझे उसे बाहर ले जाने में मदद करने के लिए कहा। जिसके बाद दोनों ने उसे उठाया और परिसर के गेट के पास ले गए। घटना के तुरंत बाद मौके पर एकत्र हुए पड़ोसियों में से एक राजीव अग्रवाल ने कहा कि उन्हें पीड़िता के पति रजत प्रसाद का फोन आया कि उनके पिता ने उनकी पत्नी पर चाकू से हमला किया है। जब मैं उसके घर पहुंचा, तो मैंने देखा कि पीड़िता जमीन पर पड़ी थी और उसके चारों ओर खून के धब्बे थे। मैंने तुरंत एंबुलेंस सेवा के लिए फोन किया। अग्रवाल ने कहा कि जब एंबुलेंस समय पर नहीं पहुंची, तो हम उसे पड़ोसी के एक वाहन में सिविल अस्पताल ले गए।

रेल हादसा : सांप्रदायिक ...

और अन्य सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। ओडिशा पुलिस ने रविवार को ट्वीट करते हुए कहा कि कुछ मामले सामने आए हैं, जहां इस बात का पता चला है कि कुछ लोग सोशल मीडिया पर बालासोर रेल हादसे से जुड़ी आपत्तिजनक पोस्ट साझा कर रहे हैं। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। आरपी, ओडिशा द्वारा दुर्घटना के कारण और अन्य सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। ओडिशा पुलिस ने आगे कहा कि हम सभी संबंधितों से अपील करते हैं कि वे इस तरह के झूठे और दुर्भावनापूर्ण पोस्ट को प्रसारित करने से बचें। अफवाह फैलाकर सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश करने वालों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। बता दें कि सोशल मीडिया पर कुछ ट्रेन हादसे स्थल की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है, जिसमें यह दावा किया गया है कि दुर्घटना स्थल के पास मस्जिद है। द रैंडम इंडियन नाम के एक ट्विटर यूजर ने ड्रोन द्वारा खींची गई एक तस्वीर साझा की, जिसमें ऐसा लगता है कि दुर्घटना स्थल के नजदीक एक मस्जिद है। इस पोस्ट को शेयर करते हुए यूजर ने लिखा, जस्ट सेइंग, यस्टरडे वाज फ्राइडे यानी इसका हिंदी में मतलब है कि मैं बस इतना कहना चाहूंगा कि कल शुक्रवार था।

हादसे में कई ...

जानकारी है तो कृपया कोलकाता में हमारे उप उच्चायोग (9038353533) को जानकारी दें। दरअसल, भुवनेश्वर के कई अस्पतालों में कई लावारिस शव मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि लावारिस शवों में से क्या कोई बांग्लादेशी है? यह पता लगाना होगा। शेख मारेफत ने विभिन्न अस्पतालों में घायल और मृत बांग्लादेशी नागरिकों का पता लगाने में सहायता प्रदान करने के लिए ओडिशा सरकार को धन्यवाद दिया। लगभग 20 लाख बांग्लादेशी हर साल इलाज के लिए भारत आते हैं, जिनमें से कई दक्षिणी राज्यों में चिकित्सा संस्थानों को तरजीह देते हैं। बंगाल के शालीमार से चेन्नई जा रही कोरोमंडल एक्सप्रेस शुक्रवार शाम 6:35 बजे बालेश्वर के बाहानगा बाजार स्टेशन से निकली थी। 6:54 बजे तक यह ट्रेन मेन लाइन पर थी, जबकि कुछ ही दूरी पर बगल की लूप लाइन पर एक मालगाड़ी खड़ी थी। सिग्नल वापस लेने के कारण 6:55 बजे कोरोमंडल एक्सप्रेस अचानक लूप लाइन पर चली गई और मालगाड़ी से टकरा गई। उस समय ट्रेन की रफ्तार 128 किलोमीटर प्रतिघंटे थी। ट्रेन का इंजन मालगाड़ी के ऊपर चढ़ गया, जबकि पीछे के सभी डिब्बे बगल की डाउन लाइन की पटरी पर गिर गए। ठीक उसी समय उस डाउन लाइन से होकर बेंगलुरु से हावड़ा जानेवाली सुपरफास्ट एक्सप्रेस गुजर रही थी, जिसकी रफ्तार 117 किलोमीटर प्रतिघंटा थी। ट्रेन के ज्यादातर डिब्बे दुर्घटनास्थल से आगे बढ़ चुके थे, लेकिन पीछे के तीन डिब्बों से कोरोमंडल एक्सप्रेस के डिब्बे से टकरा गए।

शुक्रेश्वर घाट पर ...

मिलने पर, नदी पुलिस और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) की एक संयुक्त टीम ने लापता लड़के का पता लगाने के लिए रविवार सुबह तलाशी अभियान शुरू किया। एसडीआरएफ के जवानों ने कहा कि पिछली शाम को अंधेरा होने के कारण वे तुरंत तलाशी अभियान शुरू नहीं कर पाए। हालांकि, उन्होंने अगले दिन सुबह 6 बजे अपना प्रयास फिर से शुरू कर दिया। विशेष रूप से, गुवाहाटी के कासोमारी घाट के पास पिछले दिन डूबने की एक और घटना की सूचना मिली थी। अपने दोस्त के साथ नदी में नहाने गए गीतानगर इलाके के एक युवक को बचा लिया गया, जबकि दूसरे की डूबने से दर्दनाक मौत हो गई, जिसकी पुष्टि एसडीआरएफ कर्मियों ने की।

गुवाहाटी एयरपोर्ट ...

के लिए उड़ान भरी थी, लेकिन टेक ऑफ के करीब 10 से 12 मिनट बाद पता चला कि विमान में कुछ यांत्रिक खराबी आ गई है। जिसके चलते विमान को वापस आना पड़ा और स्थानीय बोरझार हवाई अड्डे पर विमान की इमरजेंसी लैंडिग करायी गई। विमान फिलहाल बोरझार हवाई अड्डे पर रनवे नंबर 8 पर खड़ा किया गया। विमान से सभी यात्रियों को उतार लिया गया। इस विमान में केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री रामेश्वर तेली के अलावा भाजपा के दो विधायक तेरेस ग्वाला और विधायक प्रशांत फूकन समेत कुल 184 यात्री सवार थे। एविएशन इंजीनियर की टीम विमान में इस तरह की मैकेनिकल खराबी के कारणों की जांच की। दोपहर बाद तक विमान की मरम्मत नहीं हो सकी। खबर लिखे जाने तक इंडिगो की ओर से यात्रियों के लिए कोई अतिरिक्त व्यवस्था नहीं की गई, जिसके चलते यात्री काफी देर तक इंतजार करने के बाद अपनी व्यवस्था से आगे की यात्रा के लिए रवाना हो गए।

राज्य में पेट्रोल...

उतार-चढ़ाव होता रहता है। ईंधन की कीमतें गतिशील ईंधन मूल्य निर्धारण प्रणाली पर आधारित होती हैं और इन्हें नियमित रूप से संशोधित किया जाता है। असम में डीजल की कीमतें पिछले महीने 31 मई, 2023 को औसतन 89.84 रुपए प्रति लीटर पर बंद हुईं, जो महीने में 0.57 प्रतिशत की वृद्धि थी। जबकि पेट्रोल 97.04 रुपए प्रति लीटर की अपनी पिछली दर से 97.54 रुपए के उच्च स्तर के साथ मूल्य रडार पर हावी है।

एनएच-2 की ...

में सामान्य स्थिति बहाल कर सकते हैं। मेइती समुदाय द्वारा अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने की मांग के विरोध में तीन मई को पर्वतीय जिलों में *आदिवासी एकजुटता मार्च* के आयोजन के बाद मणिपुर में जातीय हिंसा भड़क उठी।

स्वर्वेद भाष्य

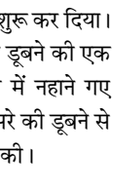

चतुर्थ मंडल **त्रयोदश अध्याय**

(गुरु-वंदना)

दुख सागर मैं बूढ़ता, सुधि लीजे जन आय।
अब विलम्ब नहिं कीजिये, बाह पकड़ जन धाय॥ 15॥

शब्दार्थ : (सुधि) ध्यान, ख्याल (विलम्ब) देर (धाय) दौड़कर।

भाष्य : हे गुरुदेव! मैं दुखसागर में बूढ़ रहा हूं। आप आ कर मेरी सुधि लीजिए, अब विलंब न करें, बल्कि दौड़ कर मेरी वांह पकड़ लें।

अज अत्रिय ज्योतीय भने, सन्त अमानव देव।
कवि मुनिन्द्र करुणामय, नित्य गुरु सुकृतदेव॥ 16॥

शब्दार्थ : (अज) नित्य (अत्रिय) अत्रि, तीन भूमियों में गमन करने वाला (कवि) सर्वद्रष्टा (मुनिन्द्र) मुनियों का स्वामी (करुणामय) दयासागर।

भाष्य : नित्य अनादि सद्गुरु सुकृतदेव को अज, अत्रि, ज्योति, संत, अमानव, देव, कवि, मुनीन्द्र तथा करुणामय नाम से कहा जाता है।

असम-मेघालय सीमा विवाद : छात्र संघों ने बनाई संयुक्त शांति समिति

डिफू। पश्चिम कार्बी आंग्लांग और मेघालय के सीमावर्ती क्षेत्र में अमन-चैन पर चर्चा के लिए कार्बी स्टूडेंट्स एसोसिएशन (केएसए) और जयंतिया स्टूडेंट्स मूवमेंट (जेएसएम) ने शनिवार को गुवाहाटी के कार्बी हेमदुन में एक संयुक्त बैठक की। केएसए-केंद्रीय समिति के अध्यक्ष जेमसन तिमुंग की अध्यक्षता में, संयुक्त बैठक में पूर्व अध्यक्ष रोबिंद्र रोंगपी और स्टालिन इंगती, महासचिव रामसिंग टोकबी और सहायक महासचिव मोहिम टिस्सो ने भी भाग लिया। मेघालय का प्रतिनिधित्व जेएसएम-केंद्रीय निकाय के अध्यक्ष लेनिंगस्टार रिंबाई, कार्यकारी अध्यक्ष जिमी राउल खरमुती और सहायक महासचिव हेबोगमे थायरफेट ने किया। बैठक में, दोनों समूहों ने असम-मेघालय सीमा से लगे क्षेत्रों में व्याप्त तनाव को कम करने के लिए केएसए और केएसएम के नेताओं के प्रयासों और पहल की सराहना की और अंतर-राज्यीय क्षेत्रों में शांति बनाए रखने पर भी अपनी राय व्यक्त की। छात्र निकायों के सदस्यों ने कहा कि हालांकि समय के साथ सीमा पर स्थित गांवों के निवासियों के बीच आपसी विश्वास कम हो सकता है, लेकिन इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि कार्बी और जयंतिया समुदायों में सौहार्दपूर्ण पड़ोसियों के रूप में एक साथ रहने की लंबी परंपरा रही है। दोनों छात्र संगठनों ने एक साथ काम करने और सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति बहाल करने और बनाए रखने में मदद करने के साथ-साथ सीमा तनाव से संबंधित समाधान खोजने के लिए एक समिति बनाने का फैसला किया। बैठक के दौरान, कार्बी और जयंतिया दोनों छात्र निकायों के सदस्यों के साथ पनार और कार्बी शांति समिति का गठन किया गया था। समिति के सदस्यों में जेएसएम से लेनिंगस्टार रिंबाई और हेबोग्मे थायरफेट और केएसए से जेम्सन तिमुंग और सर-इम बे शामिल हैं।

खुमटाई विस क्षेत्र में पौधरोपण प्रतियोगिता

गोलाघाट (हिंस)। विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर गोलाघाट जिले के खुमटाई विधानसभा क्षेत्र में वृक्षारोपण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। यह जानकारी खुमटाई क्षेत्र के विधायक मृणाल सैकिया ने रविवार को एक संवाददाता सम्मेलन में दी। इस मौके पर विधायक सैकिया ने कहा कि खुमटाई विधानसभा क्षेत्र को हरा-भरा बनाने के लिए लोगों को पौधारोपण के लिए जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जार, फाइबर सहित स्वदेशी पौधे लगाए जाने चाहिए और उनका पालन-पोषण किया जाना चाहिए। पौधारोपण की तस्वीरें सोशल मीडिया पर पोस्ट करनी होंगी। इस प्रतियोगिता में समूह और व्यक्तिगत रूप में भाग लिया जा सकता है। प्रतियोगिता में एक से अधिक लोग अब तक हिस्सा ले चुके हैं। इनाम केवल तभी दिया जाएगा, जब पौधे लगाए जाएंगे और उन्हें पोषित किया जाएगा। प्रतियोगिता के विजेताओं को समूह के रूप में प्रथम को 51 हजार, दूसरे को 41 हजार, तीसरे को 31 हजार और चौथे स्थान पर रहने वाले को 21 हजार रुपए दिए जाएंगे।

जेसीआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने किया विभिन्न सामाजिक परियोजनाओं का शुभारंभ

गुवाहाटी। अपने तीन दिवसीय दौरे पर गुवाहाटी पहुंचे जेसीआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष एमके कार्थिकेयन ने जोन 25 के अंतर्गत जेसीआई की विभिन्न शाखाओं की परियोजनाओं का शुभारंभ किया। इस मौके पर उनके साथ क्षेत्रीय जोन अध्यक्ष विजय कुमार अग्रवाल, प्रोटोकॉल अधिकारी राहुल चमड़िया सहित जेसीआई के कई अन्य पदाधिकारी मौजूद थे। दौरे के दूसरे दिन पत्रकार सम्मेलन को संबोधित करते हुए श्री कार्थिकेयन ने बताया कि मानव सेवा के लिए समर्पित भाव से कार्य करते हुए जेसीआई आर्थिक रूप से कमजोर लोगों की मदद के लिए हर समय तत्पर रहता है। इसी कड़ी में आज सोनापुर में जेसीआई गुवाहाटी हुनर के तत्वावधान में एक गांव में वाटर बोरिंग सिस्टम, वाटर टैंक, चिल्ड्रन पार्क व एक टी स्टॉल की स्थापना की गई। तत्पश्चात जेसीआई गुवाहाटी पाथफाइंडर्स द्वारा नूनमाटी में गोद लिए गए विद्यालय में कौशल विकास केंद्र का उद्घाटन, वाटर फिल्टर, वाटर टैंक व वाटर पंप लगाया गया। इसके पश्चात राष्ट्रीय अध्यक्ष ने *कॉफी विद कार्तिकेयन* नामक कार्यक्रम के माध्यम से सभी एलओ व पूर्व पदाधिकारियों के साथ सामाजिक कार्यों के लिए मंथन किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री कार्थिकेयन ने कहा कि सबसे सक्रिय गैर सरकारी संगठनों में से एक जूनियर चैंबर इंटरनेशनल जिसे आमतौर पर जेसीआई व जेसीस के रूप में जाना जाता है, युवा सक्रिय नागरिकों का एक 100 साल पुराना अंतर्राष्ट्रीय संगठन है। जेसीआई का उद्देश्य देश के युवाओं को उनके विभिन्न युवा अधिकारिता कार्यक्रमों, जेसी प्रमाणित प्रशिक्षण, व्यवसाय प्रबंधन प्रशिक्षण, सामुदायिक विकास परियोजनाओं और कौशल विकास प्रशिक्षणों द्वारा भविष्य के नेता बनने में सक्षम बनाना है। आज आयोजित पत्रकार सम्मेलन में जेसीआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष एमके कार्थिकेयन, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अंकुर झुनझुनवाला, जोन 25 के अध्यक्ष विजय कुमार अग्रवाल, राष्ट्रीय अध्यक्ष के टू कोऑर्डिनेटर राहुल चमडिया, जोन 25 की निर्देशक मैनेजमेंट ईशा गंगवाल, जॉन 25 के जनसंपर्क कोऑर्डिनेटर राहुल वर्मा सहित कई अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

विधायक भट्टाचार्य ने किया केजीएफ चैप्टर 1 का उद्घाटन

गुवाहाटी (विभास)। महानगर के कुमारपाड़ा के केआरसी रोड स्थित केजीएफ (किंग ऑफ गुड फूड) चैप्टर 1 नामक फाइन-डाइन रेस्तरां का उद्घाटन आज पूर्व गुवाहाटी के विधायक सिद्धार्थ भट्टाचार्य ने किया। इस मौके पर प्रसिद्ध असमिया लेखक व आईएएस अधिकारी तनेश्वर मालाकार, जीएमसी वार्ड 15 के पार्षद सौरव झुनझुनवाला, सामाजिक कार्यकर्ता बिष्णु डिडवानिया, अजय वर्मा, केजीएफ की मालिक स्वाति अग्रवाल व राकेश शर्मा सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे। उद्घाटन के मौके पर विधायक श्री भट्टाचार्य ने कहा कि गुवाहाटी खासकर कुमारपाड़ा इलाके में तेजी से रेस्टोरेंट खुलना इस बात पर जोर देता है कि यहां के लोग खाने के काफी शौकीन हैं। ऐसे में लंबे समय से इस इलाके में मल्टी कुजीन फाइन डाइन रेस्त्रां की कमी थी, जो आज केजीएफ चैप्टर 1 के खुलने से पूरी हो गई है। इस मौके पर स्वाती अग्रवाल ने कहा कि 1000 वर्गफूट में फैले केजीएफ चैप्टर 1 रेस्टोरेंट में एक समय पर 30 लोगों के बैठने की व्यवस्था है। रेस्त्रां की खास बात यह है कि यहां भारतीय खाने का पूरा स्वाद मिलता है, जैसे कि डिलाइटेड इंडियन, चाइनीज, साउथ इंडियन आदि शामिल हैं। रेस्त्रां में ब्रेकफास्ट से लेकर डिनर तक लजीज व्यंजनों का लुत्फ उठाया जा सकता है। इस मौके पर राकेश शर्मा ने कहा कि हमारे रेस्टोरेंट में जन्मदिन, सालगिरह, किटी पार्टी आदि जैसे छोटे-छोटे सेलिब्रेशन के लिए प्री-बुकिंग की भी सुविधा है।

बिलासीपाड़ा प्रेस क्लब की नई समिति का गठन

धुबड़ी (हिंस)। धुबड़ी जिले के बिलासपाड़ा प्रेस क्लब की आज नई समिति का गठन हुआ। ज्ञात हो की शनिवार को बिलासीपाड़ा प्रेस क्लब के अध्यक्ष ने अचानक इस्तीफा दे दिया था। बिलासीपाड़ा प्रेस क्लब के अध्यक्ष द्वारा इस्तीफा देने के कारण आज बिलासीपाड़ा प्रेस क्लब के पूर्व अध्यक्ष मोस्लेम उद्दीन अहमद की अध्यक्षता में एक आमसभा का आयोजन हुआ। जिसमें सर्व सम्मति से बप्पा सरकार को अध्यक्ष और संजय शर्मा को सचिव नियुक्त कर 11 सदस्यीय समिति का गठन किया गया।

रंगिया पुलिस को मिली बड़ी सफलता

रंगिया (विभास)। रंगिया तामुलपुर सीमा क्षेत्र के पास रंगिया पुलिस द्वारा काउरबाहा आउट पोस्ट पुलिस के साथ एक संयुक्त अभियान चलाया गया और इस अभियान में तायाबुर रहमान (उम्र-23) वर्ष, पुत्र- अमीर हुसैन को गिरफ्तार किया, जोकि रंगिया के वार्ड नंबर 05 का रहने वाला है। पुलिस द्वारा गिरफ्तार युवक के कब्जे से 13 ग्राम संदिग्ध हेरोइन बरामद की गयी है। वहीं रंगिया पुलिस ने दूसरा अभियान रंगिया के वार्ड नं 1 स्थित स्वस्ति चौक पर चलाया जिसमें जियाउल हक (उम्र 33 वर्ष) पुत्र- मोशिन अली को एक पल्सर 220 एम/साइकिल, रजिस्ट्रेशन नंबर एएस01ईजेड 1649 के साथ गिरफ्तार किया और उसके कब्जे से 3.510 किलो अफीम बरामद की। पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए दोनों युवकों से मामले की पूछताछ की जा रही है।

फकीराग्राम में हर्षोल्लास के साथ बाबा लोकनाथ की पूजा-अर्चना

कोकराझाड़ (हिंस)। कोकराझाड़ जिला के फकीराग्राम थाना अंतर्गत रेलवे कॉलोनी में स्थित बाबा लोकनाथ के मंदिर में फकीराग्राम रेलवे कॉलोनी लोकनाथ मिशन के सौजन्य से दो दिवसीय कार्यक्रमों के तहत बाबा लोकनाथ की पूजा-अर्चना हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। आज दूसरे शाम को भी सांस्कृतिक कार्यक्रम का आोजन किया गया। उल्लेखनीय है कि शनिवार की सुबह सर्वप्रथम बाबा लोकनाथ की पूजा-अर्चना और आरती किया गया और शाम को प्रसाद वितरण और संस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। पूजा के दौरान फकीराग्राम के विभिन्न अंचलों के श्रद्धालु शामिल हुए। इसी तरह शाम को प्रसाद वितरण के समय प्रसाद ग्रहण करने और संस्कृतिक कार्यक्रम के लिए भक्तों की काफी भीड़ देखी। आज बाबा लोकनाथ की पूजा के अवसर पर देर शाम से पुन: एक संस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। जिसमें स्थानीय कलाकारों के साथ-साथ पक्षिम बंगाल के सिलीगुड़ी और धुबड़ी के कई गायकों ने अपनी प्रस्तुतित दी। ज्ञात हो की गत 3 जून 1999 को फकीराग्राम में फकीराग्राम रेलवे कॉलोनी लोकनाथ मिशन नामक एक समिति का गठन कर बाबा लोकनाथ मंदिर स्थापित किया गया था। तब से प्रत्येक वर्ष 3 जून को हर्षोल्लास के साथ बाबा लोकनाथ की पूजा अर्चना के साथ प्रसाद वितरण भी किया जा रहा है।

यूक्लिड सीनियर सेकेंडरी स्कूल का पुरस्कार वितरण समारोह

रंगिया (विभास)। यूक्लिड सीनियर सेकेंडरी स्कूल के पुरस्कार वितरण समारोह में उपस्थित रहे शंकरदेव संघ के पदाधिकारी डॉ. भवेंद्र नाथ शर्मा रंगिया का एक प्रमुख जूनियर कॉलेज यूक्लिड सीनियर सेकेंडरी स्कूल, उच्चतर माध्यमिक के छात्रों की लंबे समय से चली आ रही आवश्यकता को पूरा करेगा। यह कॉलेज, जो अपनी स्थापना के बाद से सफल रहा है, आने वाले दिनों में और भी बेहतर दिखेगा। यह बात शंकर संघ के पदाधिकारी व रंगिया कॉलेज के पूर्व प्राचार्य डॉ. भबेंद्र नाथ डेका ने शनिवार को यूक्लिड सीनियर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित पुरस्कार समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहकर कही। कार्यक्रम का मंच संचालन पंकज पल्लव शर्मा ने किया जिसमें शिक्षाविद मानव भराली, प्रमुख पत्रकार और लेखक तपन कलिता, प्रमुख पत्रकार नसिउर रहमान और फारूक हुसैन मुख्य अतिथि के रूप में शामिल उपस्थित रहे। अध्यक्ष अब्दुर रहीम की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में छात्र विशाल बर्मन और आसिक अली ने गीतों की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम के दौरान स्कूल द्वारा आयोजित ईयेटी परीक्षा में उत्तीर्ण होने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया।

होजाई : अपना मंच ने हर्षोल्लास के साथ मनाया पर्यावरण दिवस

होजाई (निसं)। विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य पर अपना मंच के बैनर तले स्थानीय शिवबाड़ी रोड स्थित शिव मंदिर परिसर में आज सुबह हर्षोल्लास के साथ वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस अवसर पर नीम, बेल, अमरुद, जामुन, कनेर फूल और केले के पौधे लगाए गए। उक्त अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में अपना मंच के मुख्य सलाहकार व होजाई गर्ल्स कॉलेज के बांग्ला विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. पियूष नंदी, अतिथि के रूप में अपना मंच के सलाहकार व रवींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. मनोज कुमार स्वामी उपस्थित थे। इसके अलावा विश्व हिंदू परिषद के कार्यकारी अध्यक्ष व अपना मंच के सलाहकार अशोक केजड़ीवाल, समाजसेवी - शिवशंकर बोरा, विकास चौधरी, वरिष्ठ पत्रकार रमेश मुंदड़ा, राष्ट्रभाषा हिंदी हाईस्कूल के प्रधानाध्यापक शिवदयाल सिंह भी सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ पंडित राजेश तिवारी ने मंत्रोच्चार के साथ करवाया। तत्पश्चात सभी अतिथियों व अपना मंच के सदस्यों ने अपने हाथों से एक-एक पौधा लगाया। इस अवसर पर अपना मंच के संस्थापक निखिल कुमार मुंदड़ा ने सभी अतिथियों का असमिया पुलावम गमछे से सम्मान करवाया। इस दौरान मुंदड़ा ने अपने संबोधन से सभी को अवगत कराया कि अपना मंच विगत दो-तीन सालों से छोटे रूप में लगातार विविध प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन करता आ रहा है। जिसमें वृक्षारोपण, पर्यावरण के प्रति जागरूकता, स्वच्छ परिवेश व साइकिलिंग के फायदे आदि प्रमुख है। उन्होंने बताया कि आगे कई प्रकल्प हाथ में लिए जाएंगे व सभी के सहयोग की कामना की। इस दौरान उपस्थित सभी अतिथियों ने कहा वर्तमान समय में वृक्षारोपण अति आवश्यक व समय की मांग है। डॉ. पियूष नंदी ने अपने संक्षिप्त वक्तव्य में वृक्षों को पर्यावरण का महत्त्वपूर्ण हिस्सा बताते हुए कहा कि असुरक्षित पर्यावरण धरती पर रहने वाले सभी जीवों के लिए हानिकारक है। अत: आवश्यक है कि पर्यावरण को संतुलित और सुरक्षित बनाने के लिए अधिक-से-अधिक वृक्ष लगाए जाएं। डॉ. मनोज कुमार स्वामी ने अपने संबोधन में कहा कि जीवन की दृष्टि से पर्यावरण मानव के लिए सर्वोच्च जरुरत है। जल, जंगल और जमीन तीनों उसके प्रमुख आधार हैं। पर विकास के आधुनिक मॉडल ने जीवन के इन तीनों आधारों को लील कर सब कुछ उजाड़ दिया है। जंगल जलवायु परिवर्तन के कुप्रभावों को कम करने की क्षमता रखते हैं। इसलिए जलवायु में सुधार के लिए वृक्षारोपण आवश्यक है। अशोक केजड़ीवाल ने पर्यावरण संरक्षण के लिए वृक्षारोपण को अहम बताते हुए कहा कि जीवनदायनी ऑक्सीजन का एकमात्र स्त्रोत वृक्ष ही हैं। मानव जीवन वृक्षों पर ही निर्भर है। यदि वृक्ष नहीं रहेंगे तो धरती पर जीवन संकट में पड़ जाएगा। इसके अलावा श्री शिवशंकर बोड़ा और शिवदयाल सिंह ने भी सभा को संबोधित किया। दोनों वक्ताओं ने एक स्वर में बढ़ते प्रदूषण व बदलते वातावरण को देखते हुए वृक्षारोपण को ही एकमात्र विकल्प बताया जिससे हम खुशहाल जिंदगी जी सकते हैं व आने वाली पीढ़ी के लिए एक स्वच्छ वातावरण तैयार कर सकते हैं। कार्यक्रम में उपस्थित सभी वक्ताओं ने अपना मंच के उक्त कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए अपना मंच के साथ सदैव खड़े रहने का आश्वासन दिया।

बाल सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित

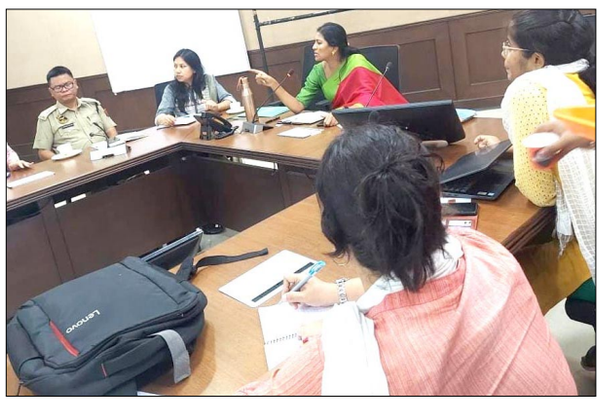

रंगिया (विभास)। कामरूप जिला बाल सुरक्षा समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक एकीकृत जिला उपायुक्त कार्यालय के बैठक कक्ष में जिला उपायुक्त कीर्ति जल्ली की अध्यक्षता में आयोजित की गयी। बैठक में जिले में बाल सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए कई अहम फैसले लिए गए, जिला उपायुक्त कीर्ति जल्ली ने गैर-संस्थागत बच्चों के कल्याण पर जोर देने का आह्वान किया और अनाथालयों में पात्र बच्चों के गोद लेने, पालन-पोषण, देखभाल के सम्बंध में व्यापक प्रचार पर जोर दिया। उन्होंने यह सुनिश्चित करने पर जोर दिया कि देखभाल की आवश्यकता वाला कोई भी बच्चा अपने अधिकारों से वंचित न रहे और उनके स्वास्थ्य और शिक्षा पर ध्यान देने का आग्रह किया। साथ ही उन्होंने वृतिगत शिक्षा प्रदान करने पर भी जोर दिया ताकि बच्चे भविष्य में समाज में सकारात्मक योगदान दे सकें। उन्होंने कहा कि 18 वर्ष से अधिक आयु के लोग अपने नाम पर राशन कार्ड प्राप्त कर सकते हैं। बैठक में अतिरिक्त उपायुक्त सुजाता गोगोई, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एस चांगचान, शिक्षा, श्रम, स्वास्थ्य विभाग, जिला परिषद, चाइल्ड लाइन और चाइल्ड केयर के प्रतिनिधियों सहित कई अधिकारियों ने भाग लिया।

कोकराझाड़ : जिला बीपीएफ बंगाली सेल का गठन

कोकराझाड़ (विभास)। कोकराझाड़ के बीपीएफ कार्यालय में जिला बीपीएफ बंगाली सेल का गठन गिया गया। इस मौके पर एक सभा आयोजित की गई। जिसमें विभिन्न इलाकों से काफी संख्या में बंगाली समुदाय से लोग जुड़े। सभा का संबोधन जिला बीपीएफ के अध्यक्ष देरहासात बसुमतारी ने किया। इस सभा में बीटीसी के एमसीएलए प्रकाश बसुमतारी, पूर्व बीटीसी के कार्यकारी सदस्य जगदीश सरकार सहित बीपीएफ के की नेतागण उपस्थित थे। नई गठित जिला बीपीएफ बंगाली सेल में कनक दे को अध्यक्ष, महासचिव सातम सरकार चुना गया।

डॉ. जाकिर हुसैन एचएस स्कूल में पूर्व छात्र सम्मेलन 10 को

नगरबेड़ा (विभास)। बरपेटा जिले के बाघबर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आलोपति में डॉ. जाकिर हुसैन हायर सेकेंडरी स्कूल में पूर्व छात्र सम्मेलन का आयोजन 10 जुन को किया जाएगा। सुबह 10 बजे स्कूल परिसर में आयोजित इस सम्मेलन में विद्यालय के साथ-साथ आलोपति निसानर चार एमई स्कूल और आलोपति प्राथमिक विद्यालय क्रमांक 767/2 के सभी पूर्व छात्र, जो पूर्व में विद्यालय से जुड़े हुए हैं सभी को सम्मेलन के प्रत्येक कार्यक्रम में उपस्थिति और सहायता के लिए सौहार्दपूर्ण रूप से मौजूद रहने की अपील की गई है। विद्यालय के अध्यक्ष रफीकुल हासान और स्कूल समिति के सभापति आफील उद्दीन अहमद, सचिव साहाब उद्दीन ने मौजूद रहने की अपील की है।

युगे-युगे शक्ति अपरूपा का विमोचन व काव्य-गोष्ठी संपन्न

गुवाहाटी। मेलाराम वफा साहित्य अकादमी के तत्वावधान में 03-06-2023 दिन शनिवार को गुवाहाटी के असम साहित्य सभा हाल में मेलाराम वफा साहित्य अकादमी की दूसरी मासिक गोष्ठी समारोह पूर्वक सम्पन्न हुई! कार्यक्रम का प्रारम्भ सरस्वती वंदना तथा अतिथि गण द्वारा दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। प्रसिद्ध शायर, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और पत्रकार स्व. पंडित मेलाराम वड़ा को श्रद्धापूर्वक याद किया गया। मेलाराम वफा साहित्य अकादमी के सौजन्य से डॉ. चंद्रकांता शर्मा की पुस्तक *युगे- युगे शक्ति अपरूपा* का विमोचन भी हुआ। गोष्ठी के मुख्य अतिथि डॉ. दयानंद पाठक, अति विशिष्ट अतिथि डॉ. मुक्ता विश्वास, एवं विशिष्ट अतिथि मंजरी शर्मा रहीं। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता नंदा शर्मा, सौमित्रम और ब्रह्मपुत्र साहित्य सभा के अध्यक्ष किशोर जैन रहे। श्री जैन ने पुस्तक से जुड़ी नारी शक्ति के कई उदाहरण दिए और बताया कि वर्तमान युग में महिलाओं ने अपनी शक्ति और मजबूती का परिचय भी समय-समय पर दिया है। वक्ताओं ने अपने वक्तव्य में नारी की सहनशीलता, समरसता और धैर्य को पुरुष से बढ़कर बताया। पुस्तक विमोचन सत्र का संचालन कांता अग्रवाल ने बहुत कुशलता के साथ किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. दया नंद पाठक ने साहित्य के प्रति आदर दर्शाते हुए डॉ. चंद्रकांता शर्मा को इस पुस्तक के लिए ढेरों बधाइयां देते हुए अपने भावों को हम सभी के बीच दीप्तिमान किया। सभी महानुभावों के भाषण के साथ काव्य गोष्ठी भी चलती रही। कार्यक्रम में विराजमान अति विशिष्ट अतिथि डॉ. मुक्ता विश्वास ने सबको बधाइयां देते हुए इस कार्यक्रम की भूरि-भूरि प्रशंसा की। मंजरी शर्मा ने एक कविता के साथ अपने मन के भावों को मंच पर रखा। काव्य गोष्ठी के संपन्न होने के बाद मंच की अध्यक्षता कर रहीं डॉ. चंद्रकांता शर्मा ने अद्भुत काव्य पाठ के साथ मंच की प्रशंसा करते हुए मंच के साथ जुड़े रहने के अपने भावों के साथ धन्यवाद ज्ञापन और कार्यक्रम का समापन किया। कार्यक्रम में 40 से अधिक कलमकार शामिल थे। कार्यक्रम की संयोजक डॉ. गीता दत्त सहरिया ने काव्य पाठ कर सभी का धन्यवाद करते हुए कार्यक्रम का समापन किया !कार्यक्रम का कार्यभार एवं संचालन का दायित्व अवनीत कौर दीपाली ने निभाया।

प्रधानमंत्री ने देश की साख को दी उड़ान : नितिन भाई पटेल

-देश की आर्थिक प्रगति को मिल रही है गति, देश में सुरक्षा का भाव बढ़ा
-सांसद माला राज्य लक्ष्मी शाह ने टिहरी के विकास कामों को गिनाया

नई टिहरी, (हि.स.)। महा जनसंपर्क अभियान के तहत टिहरी पहुंचे गुजरात के पूर्व उप मुख्यमंत्री नितिन भाई पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने नौ साल के कार्यकाल में देश में अभूतपूर्व कामों को अंजाम दिया है। देश की सीमाओं को सुरक्षित करने के साथ विदेशों में देश की साख को मजबूत किया है। उनके नेतृत्व में देश मजबूत अर्थ व्यवस्था की ओर कदम बढ़ा रहा है। नितिन भाई पटेल एक निजी होटल में महा जनसंपर्क अभियान को लेकर रविवार को पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। इसमें उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने देश में लंबे समय तक देश में राज किया, लेकिन इस दौरान मात्र परिवारवाद को बढ़ाने का काम किया। देश को जिस तेजी से विकास करना चाहिए था, वहीं नहीं हुआ। जबकि प्रधानमंत्री मोदी के 9 साल के छोटे से कार्यकाल में देश में टेक्नालाजी से लेकर आर्थिक विस्तार को गति दी गई है। आज देश में ऐसे उद्योग स्थापित हुए हैं, जिनसे विदेशों पर निर्भरता घटी है। कोविड काल में वैक्सीन का समय पर उत्पादन कर देश में करोड़ों लोगों के जीवन को बचाने का काम किया। इस दौरान देश में स्वास्थ्य सेवाओं को तेजी से बढ़ाने काम किया गया। देश में लगातार एम्स की संख्या बढ़ाकर देश वासियों को स्वास्थ्य सेवायें मुहैया करवाकर पीएम जन आरोग्य योजना के तहत फ्री इलाज मुहैया करवाया है। देश निरंतर प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में नये आयामों को गढ़ रहा है, जिसका बखान किया नहीं जा सकता है। टिहरी सांसद माला राज्य लक्ष्मी शाह ने उपलब्धियों को गिनाते हुए बताया कि केंद्र सरकार का अब तक का 9 वर्ष क कार्यकाल सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण का काल रहा है। जिसमें टिहरी लोकसभा के तहत में बेहतर कार्य हुए हैं। इनमें उत्तरकाशी के सीमांत हर्षिल क्षेत्र की नेलांग वैली को इनर लाइन से मुक्त करवाने का काम किया गया। यमुनोत्री-गंगोत्री धाम को रेलवे लाइन से जोड़ने के लिए रेलवे लाइन का सर्वे करवाकर डीपीआर तैयार करवाई गई है। आल वेदर रोड का कार्य तेजी से करवाया जा रहा है। टिहरी-उत्तरकाशी व देहरादून की कई सड़कों का जीर्णोद्धार केंद्रीय सड़क निधि से करवाया गया है। सुदूरवर्ती क्षेत्रों में मोबाइल सेवाओं का विस्तार तेजी से किया जा रहा है। देहरादून से कालसी रेलवे लाइन का सर्वे कार्य करवा कर डीपीआर की कार्यवाही की जा रही है। डोबरा-चांठी पुल निर्माण के लिए एक मुश्त राशि प्रदान की गई। टिहरी झील को विकसित करने के लिए भारत सरकार से 1200 करोड़ की धनराशि स्वीकृत करवाई गई है। कोविड के दौरान सांसद निधि से कार्य करवाये गये। जन औषधि केंद्रों को स्वीकृति दिलाई। लौहारी बांध को स्वीकृति दिलाई। विद्यालयों में पुस्तकालय के लिए पुस्तकें उपलब्ध करवाई। इस मौके पर टिहरी विधायक किशोर, घनसाली विधायक शक्ति लाल शाह, धनोल्टी विधायक प्रीतम पंवार, गंगोत्री विधायक सुरेश चौहान, पुरोला विधायक, जिला पंचायत अध्यक्ष सोना सजवाण, पूर्व विधायक विजय पंवार, भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश नौटियाल, उत्तरकाशी भाजपा जिलाध्यक्ष सत्येंद्र राणा, प्रदेश प्रवक्ता भाजपा विनोद सुयाल, माणिक निधि शर्मा सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

रक्षा मंत्री 5-6 जून को अमेरिकी और जर्मन समकक्षों से द्विपक्षीय वार्ता करेंगे

- बैठकों में दोनों देशों के साथ रक्षा सहयोग बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा
- जून में प्रधानमंत्री मोदी की अमेरिकी यात्रा से पहले ऑस्टिन की भारत यात्रा अहम

नई दिल्ली, (हि.स.)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ द्विपक्षीय वार्ता के लिए अमेरिका के रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन और जर्मनी के रक्षा मंत्री बोरिस पिस्टोरियस नई दिल्ली आ रहे हैं। रक्षा मंत्री 05 जून को अमेरिकी रक्षा मंत्री और 06 जून को जर्मनी के रक्षा मंत्री के साथ बैठक कर बातचीत करेंगे। दोनों बैठकों के दौरान औद्योगिक सहयोग पर ध्यान देने के साथ द्विपक्षीय रक्षा सहयोग के कई मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है। अमेरिकी रक्षा सचिव 04 जून को सिंगापुर से दो दिवसीय दौरे को पूरा करके भारत आएंगे। यह ऑस्टिन की दूसरी भारत यात्रा होगी। वह पहली बार मार्च, 2021 में भारत की यात्रा पर आए थे। जून में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अमेरिकी राजकीय यात्रा को देखते हुए ऑस्टिन की इस यात्रा को अहम माना जा रहा है। ऑस्टिन की नई दिल्ली यात्रा प्रमुख रूप से भारत-अमेरिका के नए रक्षा नवाचार और औद्योगिक सहयोग की पहल को आगे बढ़ाने और अमेरिका एवं भारतीय सेनाओं के बीच परिचालन सहयोग का विस्तार करने के प्रयासों को जारी रखने पर केंद्रित होगी। जर्मनी के रक्षा मंत्री 05 जून से भारत की चार दिवसीय यात्रा पर आएंगे। वह इंडोनेशिया से भारत आएंगे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ बैठक करने के अलावा बोरिस पिस्टोरियस नई दिल्ली में इनोवेशन फॉर डिफेंस एक्सीलेंस (आईडीईएक्स) की ओर से आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान कुछ रक्षा स्टार्टअप से भी मुलाकात करेंगे। वह 07 जून को मुंबई जाएंगे, जहां वह पश्चिमी नौसेना कमान और माझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड के मुख्यालयों का दौरा करेंगे।

केन्द्र सरकार रेल सुरक्षा की कर रही अनदेखी : खड़गे

अजय कुमार

नई दिल्ली। कांग्रेस ने ओडिशा के बालासोर में हुई रेल दुर्घटना के दो दिन बाद इस मुद्दे पर केंद्र सरकार को घेरना शुरू कर दिया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सरकार पर रेलवे सुरक्षा की अनदेखी करने का आरोप लगाया है। कांग्रेस अध्यक्ष ने एक बयान में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आए दिन ट्रेनों को हरी झंडी दिखाने में व्यस्त रहते हैं और उनका रेलवे सुरक्षा पर कोई ध्यान नहीं है। रेलवे में ऊपर से लेकर नीचे तक सबकी जवाबदेही तय करनी जरूरी है। इसी से भविष्य में इस तरह के हादसे रुकेंगे और पीड़ितों को न्याय मिलेगा। खड़गे ने कहा कि यह आजाद भारत का सबसे बड़ा और दर्दनाक रेल हादसा है। मोदी सरकार पीआर पर ज्यादा ध्यान दे रही है। उन्होंने पूछा कि रेलवे में 3 लाख से अधिक पद खाली हैं और उन्हें अभी तक क्यों नहीं भरा गया। खड़गे ने रेलवे बोर्ड की मानव संसाधन की कमी को स्वीकारने और सिग्नल व्यवस्था को लेकर पूछा कि रेल मंत्रालय ने इन पर अमल क्यों नहीं किया। इसके अलावा कांग्रेस अध्यक्ष ने संसदीय समिति की रिपोर्ट और नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की रिपोर्ट का हवाला देते हुए भी आरोप लगाया कि कई खामियों को समय रहते दूर नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि रेलवे सुरक्षा आयोग केवल 8 से 10 प्रतिशत हादसों की ही जांच क्यों करता है। 2017-18 से 2020-21 के बीच 10 में से लगभग 7 रेल दुर्घटनाएं रेलगाड़ी के पटरी से उतरने की वजह से हुई। रेलवे राष्ट्रीय रेल सुरक्षा कोष की फंडिंग में 79 प्रतिशत की कमी क्यों की गई है। उन्होंने कहा कि भारत के रिसर्च डिजाइन और स्टैंडर्ड ऑर्गेनाइजेशन की ओर से विकसित प्रणाली को मोदी सरकार ने कवच नाम दिया है, लेकिन इसे अभी तक केवल 4 प्रतिशत रूटों पर ही क्यों लगाया गया है।

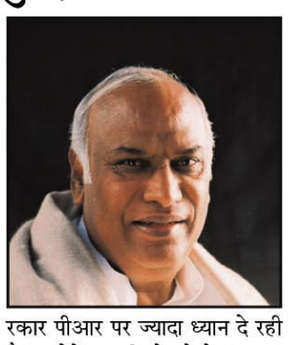

मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल व जहांगीरपुरी झुग्गियों में लगी आग

अजय त्यागी

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में रविवार सुबह दो अलग-अलग जगहों में भीषण आग लगी। मामले की सूचना मिलते ही दोनों ही घटनाओं में मौके पर पहुंची दमकल विभाग टीम आग पर काबू पाने का काम कर रही है। दोनों ही घटनाओं में किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। फिलहाल पुलिस दोनों मामलों में आग लगने के कारणों की जांच कर रही है। दमकल विभाग के निदेशक अतुल गर्ग ने बताया कि आग की पहली घटना मध्य जिले के आईटीओ स्थित मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल की है। यहां दमकल विभाग को सूचना मिली कि सुबह छह बजे हॉस्टल में आग लग गई है। सूचना मिलते ही दमकल की एक-एक कर करीब सात गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। आग रूम नंबर एक के एसी, फर्नीचर और कपड़ों में लगी थी। दमकल विभाग ने एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। घटना में किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। वहीं आग की दूसरी घटना जहांगीरपुरी की है। दमकल विभाग के अनुसार रविवार सुबह करीब 10.23 बजे सूचना मिली कि जहांगीरपुरी थाना क्षेत्र स्थित झुग्गियों के अंदर आग लग गई है। सूचना मिलते ही दमकल की एक-एक कर करीब 11 गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। आग बुझाने के दौरान तीन सिलेंडर भी ब्लास्ट हुए। स्थानीय निवासियों ने बताया कि झुग्गियों में कूड़ा बीन कर इकट्ठा किया जा रहा था। गनीमत रही कि आग लगते ही झुग्गियों में रहने वाले सभी लोग बाहर आ गए। फिलहाल बुझाने का कार्य जारी है।

जेजे अस्पताल में रेजिडेंट डॉक्टरों की हड़ताल खत्म

- डॉ. रागिनी पारेख और डॉ. तात्याराव लहाने का इस्तीफा मंजूर

मुंबई, (हि.स.)। जेजे अस्पताल में पिछले चार दिनों से चल रही रेजिडेंट डॉक्टरों की हड़ताल खत्म हो गई है। महाराष्ट्र असोसिएशन आफ रेजिडेंट डॉक्टर्स (मार्ड) के अध्यक्ष अभिजीत हेलगे ने रविवार को हड़ताल खत्म करने की घोषणा की है।

अभिजीत हेलगे ने बताया कि मेडिकल शिक्षा मंत्री गिरीश महाजन ने रेजिडेंट डॉक्टरों की मांगें मान ली है। साथ ही उनकी सबसे बड़ी मांग जेजे अस्पताल के नेत्र विभाग की प्रमुख रागिनी पारेख और वरिष्ठ डॉक्टर तात्याराव लहाने को पदमुक्त करने की थी। इन दोनों डॉक्टरों का इस्तीफा मंजूर हो गया है। अभिजीत हेलगे ने बताया कि अस्पताल में रिक्त पदों को चिकित्सा आयोग के नियमानुसार भरे जाने का भी उन्हें आश्वासन मिला है। साथ ही रेजिडेंट चिकित्सकों के प्रथम वर्ष के तीन माह के शिक्षण शुल्क का बकाया भुगतान भी करने का आश्वासन मिला है। जेजे अस्पताल के नौ डॉक्टरों ने रेजिडेंट डॉक्टरों की मनमानी का कारण बताते हुए अपने पद का इस्तीफा दिया था। इसके ठीक बाद जेजे अस्पताल ने 750 डॉक्टरों ने अनिश्चितकालीन हड़ताल की थी। साथ ही मार्ड ने महाराष्ट्र के सभी अस्पतालों में सोमवार से अनिश्चितकालीन हड़ताल की धमकी भी दी थी। इसी वजह से जेजे अस्पताल समूह ने रागिनी पारेख और तात्याराव लहाने का इस्तीफा मंजूर कर लिया। इसके बाद रेजिडेंट डॉक्टरों ने अपनी हड़ताल खत्म कर दी है।

जामनगर के बोरवेल में गिरी ढाई साल की बच्ची की मौत

- आर्मी और एनडीआरएफ की मौजूदगी में 21 घंटे चला रेस्क्यू ऑपरेशन

जामनगर/अहमदाबाद, (हि.स.)। गुजरात के जामनगर जिले के ग्राम तमाचण में शनिवार सुबह बोरवेल में गिरी ढाई साल की बच्ची की मौत हो गई। बच्ची को करीब 21 घंटे बाद रविवार सुबह बोरवेल से निकाला जा सका। इसके बाद उसे जामनगर के जीजी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। ग्राम तमाचण के खेत मालिक गोविंदभाई ने बताया कि खेत में बोरवेल खुला नहीं था। इस पर एक पत्थर रखा था, जिसे वहां खेल रहे 5-6 बच्चों ने हटा दिया था। चीफ फायर ऑफिसर केके बिश्नोई ने बताया कि घटना की जानकारी के बाद जामनगर नगर निगम की फायर टीम और कालवड की फायर टीम सुबह 11.30 बजे से राहत एवं बचाव कार्य में जुट गई थी। इसके बाद आर्मी और एनडीआरएफ की टीम भी बचाव कार्य में जुट गई थीं। एक निजी पार्टी का रोबोट भी लाया गया था। पूरी रात ऑपरेशन चलाया गया। बच्ची करीब 35 फुट अंदर थी। इसके बाद इसे बाहर निकाला गया। ऊपर आने के दौरान वह 5 फुट की दूरी पर फंस गई। इसके बाद बगल में खुदाई कर उसे बाहर निकाला गया। ग्राम तमाचण में शनिवार सुबह साढ़े 09 बजे ढाई साल की बच्ची बोरवेल में गिर गई। बोरवेल 250 फुट गहरा है। बोरवेल में 20 फुट की गहराई में उसके फंसे होने की जानकारी के बाद बचाव कार्य शुरू किया गया। मौके पर फायर ब्रिगेड की दो टीम समेत एनडीआरएफ की टीम भी बच्ची को सकुशल निकालने के प्रयास में करीब 21 घंटे जुटी रही, लेकिन आखिरकार बच्ची को नहीं बचाया जा सका। तमाचण के खेती वाले क्षेत्र में कुछ श्रमिक परिवार काम में जुटे थे। इसी दौरान वहां कुछ बच्चे भी खेल रहे थे। तभी एक खुले बोरवेल में ढाई साल की बच्ची गिर गई। श्रमिकों समेत आसपास के लोगों ने इसकी सूचना दमकल और प्रशासन को दी। इसके बाद यहां बच्ची को निकालने का कार्य शुरू किया गया। दमकल टीम के अनुसार बोरवेल से 5 फीट की दूरी पर गहरा गड्ढा तैयार किया गया। बोरवेल में बच्ची को ऑक्सीजन आदि देने की व्यवस्था की गई। कैमरे की मदद से बच्ची की स्थिति का पता लगाया गया जिसमें उसका हाथ दिख रहा था।

दरगाह को बदनाम करने के उद्देश्य से बनाई गई फिल्म 'अजमेर 92' पर प्रतिबंध लगाने की मांग

नई दिल्ली, (हि.स.)। जमीअत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद असद मदनी ने अजमेर 92 के नाम से रिलीज होने वाली फिल्म को समाज में दरार पैदा करने का एक कुत्सित प्रयास बताया है। उन्होंने कहा कि ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती अजमेरी हिंदू-मुस्लिम एकता के प्रतीक और लोगों के दिलों पर राज करने वाले ह्यसच्चे सुल्तानह्ल थे। एक हजार वर्षों से आप इस देश की पहचान हैं और आपका व्यक्तित्व शांतिदूत के रूप में जाना जाता है। उनके व्यक्तित्व का अपमान या अनादर करने वाले स्वयं अपमानित हुए हैं। मौलाना मदनी ने कहा कि वर्तमान समय में समाज को विभाजित के बहाने खोजे जा रहे हैं और आपराधिक घटनाओं को धर्म से जोड़ने के लिए फिल्मों एवं सोशल मीडिया का सहारा लिया जा रहा है, जो निश्चित रूप से निराशाजनक है और हमारी साझी विरासत के लिए गंभीर रूप से हानिकारक है। मौलाना मदनी ने कहा कि अजमेर में घटित हुई घटना का जो रूप बताया जा रहा है, वह पूरे समाज के लिए बेहद दुखद और घिनौनी हरकत है। इसके विरुद्ध बिना किसी धर्म और संप्रदाय के सामूहिक संघर्ष की आवश्यकता है, लेकिन यहां तो समाज को विभाजित कर इस दुखद घटना की गंभीरता को समाप्त करने की कोशिश की जा रही है। इसलिए मेरी केंद्र सरकार से अपील है कि ऐसी फिल्म पर प्रतिबंध लगाया जाए और जो लोग समाज को बांटने की कोशिश कर रहे हैं, उन्हें हतोत्साहित किया जाए। मौलाना मदनी ने कहा कि अभिव्यक्ति की आजादी एक बहुत बड़ा वरदान है और किसी भी लोकतंत्र की मूल शक्ति है, लेकिन इसकी आड़ में देश को तोड़ने वाले विचारों और धारणाओं को बढ़ावा नहीं दिया जा सकता है और न ही यह हमारे देश के लिए लाभकारी है। वर्तमान समय में जिस तरह से विभिन्न धर्मों के अनुयायियों को निशाना बनाने के लिए फिल्मों, डाक्यूमेंट्री आदि का सहारा लिया जा रहा है, वह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के बिलकुल विरुद्ध है और एक स्थिर राज्य के संकल्प को कमजोर करने वाला है।

मोदी के खिलाफ विपक्षी एकता बैठक में राहुल, खड़गे नहीं होंगे शामिल

-कर्नाटक चुनाव नतीजों के बाद सीएम नीतीश कुमार को कांग्रेस ने दे दिया बड़ा झटका

नई दिल्ली (ईएमएस)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को कांग्रेस ने बड़ा झटका दिया है। 12 जून को पटना में आयोजित विपक्ष की बड़ी बैठक में राहुल गांधी व मल्लिकार्जुन खड़गे ने शामिल होने से इंकार कर दिया है। गौरतलब है कि नीतीश कुमार इन दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ विपक्षी एकता के लिए निकले हैं। उन्होंने हाल के दिनों में कांग्रेस पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी, वर्तमान अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सहित विपक्ष के तमाम नेताओं के साथ मुलाकात की थी और एक सीट, एक उम्मीदवार पर बात की थी। तमाम नेताओं से मुलाकात के बाद उन्होंने 12 जून को पटना में विपक्ष की एक बड़ी बैठक बुलाई है, जिसमें कांग्रेस के दोनों कद्दावर नेताओं के शामिल होने की चर्चा थी। हालांकि, कांग्रेस पार्टी ने आधिकारिक तौर पर ऐसी किसी भी संभावना को खारिज कर दिया है। कर्नाटक में मिली जीत से उत्साहित कांग्रेस पार्टी ने साफ-साफ कहा है कि पटना में होने वाली इस बैठक में ना तो राहुल गांधी जाएंगे और ना ही वर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे। हालांकि कांग्रेस शासित राज्य के किसी मुख्यमंत्री को इस बैठक में शामिल होने के लिए पटना भेजा जा सकता है। देश की सबसे पुरानी पार्टी के इस कदम को सियासी गलियारों में नीतीश कुमार के लिए एक झटके की तरह देखा जा रहा है। नीतीश कुमार ने जब राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे से मुलाकात की थी, तब कर्नाटक चुनाव के नतीजे सामने नहीं आए थे। इस चुनाव में मिली शानदार जीत के बाद कांग्रेस के तेवर अचानक बदल गए हैं। पार्टी के अधिकांश नेता फिर एकबार राहुल गांधी के प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बनाना चाहते हैं। उनकी दलील है कि भारत जोड़ो यात्रा के कारण राहुल गांधी की लोकप्रियता में इजाफा हुआ है और कर्नाटक में मिली जीत इसी का परिणाम है।

3 साल की कानूनी लड़ाई के बाद महबूबा मुफ्ती को मिला 10 साल वैधता वाला पासपोर्ट

श्रीनगर (ईएमएस)। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी यानी पीडीपी की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती को 3 साल की कानूनी लड़ाई के बाद 10 वर्ष की वैधता वाला पासपोर्ट जारी किया गया है। सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी। दिल्ली उच्च न्यायालय में लंबी कानूनी लड़ाई के बाद महबूबा को पासपोर्ट मिल गया है। उनके पासपोर्ट की वैधता 2019 में समाप्त हो गई थी और वह तभी से इसके नवीनीकरण की मांग कर रही थीं। महबूबा को ऐसे समय में पासपोर्ट जारी किया गया है, जब दो दिन बाद जम्मू-कश्मीर उच्च न्यायालय में उनकी बेटी इल्तिजा की याचिका पर सुनवाई होनी है, जिसमें उन्होंने खुद को देश विशिष्ट पासपोर्ट देने के पासपोर्ट कार्यालय के फैसले को चुनौती दी है। महबूबा को दिए पासपोर्ट की वैधता एक जून 2023 से 31 मई 2033 तक है। दिल्ली उच्च न्यायालय ने इस साल मार्च में पासपोर्ट प्राधिकरण से पीडीपी प्रमुख को नया यात्रा दस्तावेज जारी करने के लिए तीन महीने के भीतर फैसला लेने को कहा था। न्यायमूर्ति प्रतिभा एम सिंह ने अपने आदेश में कहा था कि यह देखते हुए कि मामला पासपोर्ट अधिकारी को वापस भेज दिया गया है और प्रारंभिक अस्वीकृति दो साल पहले हुई थी। संबंधित पासपोर्ट अधिकारी को शीघ्रता से और किसी भी स्थिति में तीन महीने के भीतर निर्णय लेने दें। अदालत का यह आदेश मुफ्ती की उस याचिका पर आया था, जिसमें उन्होंने नया पासपोर्ट जारी करने के संबंध में उनकी अपील पर अधिकारियों को जल्द निर्णय लेने का निर्देश देने का अनुरोध किया था। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री ने याचिका में कहा था कि कई बार स्मरण-पत्र भेजे जाने के बावजूद उन्हें नया पासपोर्ट जारी करने में काफी देरी हुई। उन्होंने कहा था कि उनकी अपील पर कोई फैसला नहीं लिया जा रहा है।

मेट्रो के जनकपुरी पश्चिम, आर के आश्रम मार्ग कॉरिडोर पर चार किमी वायाडक्ट का निर्माण कार्य पूरा किया

आशीष वर्मा

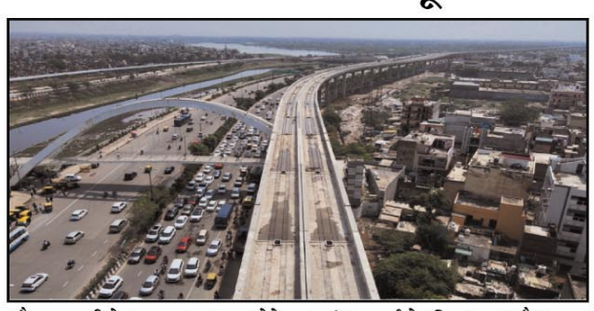

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) ने मजलिस पार्क से शुरू होकर मुकरबा चौक तक चार किलोमीटर के वायाडक्ट के संरचनात्मक कार्य को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। यह फेज-4 के आगामी जनकपुरी पश्चिम झ्र आर के आश्रम मार्ग कॉरिडोर पर मजलिस पार्क और भलस्वा मेट्रो स्टेशनों को जोड़ता है। डीएमआरसी के प्रवक्ता अनुज दयाल ने रविवार को जानकारी दते हुए बताया कि एलिवेटेड वायाडक्ट का यह विशेष रूप से पूरा किया गया हिस्सा अब ट्रैक बिछाने और कर्षण कार्य के लिए संबंधित ठेकेदारों को सौंपा जा रहा है। जिसमें ओवरहेड इलेक्ट्रिफिकेशन (ओएचई) मास्ट आदि का निर्माण शामिल है। हैदरपुर बादली तक वायाडक्ट का स्ट्रक्चलर कार्य भी जल्द ही पूरा कर लिया जाएगा, क्योंकि रेलवे ट्रैक के ऊपर बस एक क्रॉसिंग बची है। प्रवक्ता ने बताया कि डीएमआरसी के इंजीनियरों के लिए यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है क्योंकि इस कॉरिडोर पर कोविड संकट के बीच कार्य शुरू हुआ था और महामारी के कारण बार-बार होने वाली देरी और पेड़ काटने की मंजूरी प्राप्त करने संबंधी मुद्दों का सामना करना पड़ा था।

इस कॉरिडोर का निर्माण कार्य मार्च 2026 तक पूरा कर लिया जाएगा। यह कार्य नीचे यातायात के प्रवाह में कोई बड़ा व्यवधान पैदा किए बिना पूरा किया गया। प्रवक्ता ने बताया कि जनकपुरी पश्चिम झ्र आर के आश्रम मार्ग मेट्रो कॉरिडोर का कार्य अब पूरी रफ्तार से चल रहा है। डीएमआरसी ने पिछले वर्ष इस कॉरिडोर पर जनकपुरी पश्चिम और कृष्णा पार्क एक्सटेंशन के बीच 2.2 किमी भूमिगत सुरंगों को पूरा किया। इस सप्ताह की शुरूआत में दो जून को डेरावल नगर से पुलबंगश के बीच सुरंग खुदाई के लिए एक और टनल बोरिंग मशीन उतारी गई थी। यह टीबीएम ड्राइव नजफगढ़ नाले के पास 25.9 मीटर तक गहराई हासिल करेगी और जिसका व्यास 5800 मीटर होगा। डीएमआरसी द्वारा टीबीएम की कार्रवाई पर चौबीसों घंटे डिजिटल रूप से निगरानी की जा रही है क्योंकि सतह के ऊपर बहुत सारी पुरानी इमारतें हैं। वहीं अपने फेज-4 के विस्तार के एक भाग के रूप में, डीएमआरसी वर्तमान में तीन अलग-अलग कॉरिडोर में 65 कि.मी. की नई लाइनों के निर्माण में लगी हुई है। इनमें से 28 कि.मी. लाइनें भूमिगत होंगी और शेष एलिवेटेड। 11 नए इंटरचेंज स्टेशन इस नए विस्तार का हिस्सा होंगे।

सुक्खू सरकार अपनी नाकामियों का ठीकरा केंद्र सरकार पर फोड़ना बंद करें : भाजपा

शिमला, (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी ने रविवार को कहा कि हिमाचल की जनता को धोखा देकर सत्ता में आई सुक्खू सरकार अब अपनी ही पार्टी द्वारा दी गई गारंटियों से भाग रही है। सुक्खू सरकार को अब अपनी नाकामियों का ठीकरा केंद्र सरकार पर फोड़ना बंद करना चाहिए। भाजपा के प्रमुख प्रवक्ता रणधीर शर्मा, प्रदेश महामंत्री त्रिलोक जम्वाल, त्रिलोक कपूर और राकेश जम्वाल ने एक संयुक्त बयान में यह बात कही। राज्य के मुख्यमंत्री एवं मंत्रियों के बयानों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए भाजपा नेताओं ने कहा कि सत्ता में आने के लिए घर-घर जाकर पहली कैबिनेट में प्रदेश की 22 लाख बहनों को 1500 रुपये प्रतिमाह देने की गारंटी दी, उसके फॉर्म भरे, 15 लाख बेरोजगारों को रोजगार देने की गारंटी दी और बेरोजगारों से कहा कि एक लाख रोजगार पहली कैबिनेट में दिए जाएंगे। आम जनता को कहा कि भाजपा सरकार ने 125 यूनिट बिजली मुफ्त दी है, कांग्रेस की सरकार लाओ और पहली कैबिनेट में 300 यूनिट बिजली मुफ्त पाओ। इसी प्रकार सात और बड़ी-बड़ी गारंटियां पूरे प्रदेश की दीवारों पर लिख कर दी गई। आज भी वो दीवारें जनता को मुंह चिढ़ाती हुई दिखाई देती हैं। भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया कि अब तो 10-15 कैबिनेट बैठकें हो चुकी हैं, सरकार को बने सात माह का समय भी बीत गया है, वाहवाही लूटी जा रही है लेकिन मिला किसी को कुछ भी नहीं है। भाजपा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार गारंटियां पूरी करने में पूरी तरह विफल हुई है। मुख्यमंत्री ने आते ही शोर मचाना शुरू कर दिया कि खजाना खाली है, कर्ज बढ़ गया है और कर्ज के नाम पर तथा खजाने के नाम पर हाथ झाड़ने शुरू कर दिए। ऐसा लगा कि अब यह कर्ज लेना बंद कर देंगे परन्तु सुक्खू सरकार ने पहली तिमाही में कर्जों का ढेर लगा किया और पिछले कल सारे मंत्रियों ने चिल्लाना शुरू कर दिया कि कर्ज पर रोक लग रही है और इसका ठीकरा केंद्र सरकार पर फोड़ने में जुट गए हैं। भाजपा नेताओं ने कहा कि बढ़े हुए कर्ज का रोना रोने वाली सरकार आज कर्ज लेने के लिए क्यों भाग रही है और केंद्र सरकार पर दोषारोपण करना बंद करे। कांग्रेस सरकार में बैठे हुए नेतागण 5-6 बार से विधानसभा के सदस्य हैं, क्या उन्हें हिमाचल प्रदेश की आर्थिक स्थिति की जानकारी नहीं थी? जो उन्होंने लाखों-करोड़ रुपये की गारंटियां केवल झूठ के आधार पर सत्ता प्राप्त करने के लिए दे दी। भाजपा नेताओं ने कहा कि गारंटियां पूरा करना सुक्खू सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी है और अब जनता से यह कहना कि चरणबद्ध तरीके से गारंटियां पूरी की जाएंगी, यह जनता के साथ धोखा है। भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया कि 2024 के लोकसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए एक बार फिर जनता का ध्यान भटकाने के लिए केंद्र सरकार पर दोषारोपण किया जा रहा है जबकि प्रदेश में इस समय जारी सभी योजनाएं सिर्फ केंद्रीय निधि से संचालित हो रही हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने नौ साल में असंभव को संभव कर दिखाया : रविकिशन

गोरखपुर, (हि.स.)। रविवार को मोदी सरकार के नौ वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भाजपा द्वारा चलाए जा रहे महासंपर्क महाभियान के तहत गोरखपुर शहर विधानसभा की वरिष्ठ कार्यकर्ता बैठक को सांसद रविकिशन शुक्ल ने सम्बोधित किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नौ साल में असंभव को संभव कर दिखाया है। दो स्वदेशी कोविड वैक्सीन इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 से पहले भारत क्या था, और आज क्या है, यह पूरी दुनिया जान रही है। देश में प्रधानमंत्री मोदी और यूपी में मुख्यमंत्री योगी ने विकास और जनकल्याण का कीर्तिमान स्थापित किया है। कहा कि मोदी व योगी निःस्वार्थ त्यागी व संत हैं। उनमें जनहित में दृढ़ निर्णय लेने की क्षमता है। भाजपा के महानगर अध्यक्ष राजेश गुप्ता ने कार्यक्रम की रूपरेखा पर प्रकाश डाला, जबकि संचालन कार्यक्रम संयोजक शशिकांत सिंह व आभार ज्ञापन प्रदेश उपाध्यक्ष एवं महानगर प्रभारी नीलम सोनकर ने किया। इस अवसर पर महापौर डॉ मंगलेश श्रीवास्तव, विधायक विपिन सिंह, भाजपा के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष एवं एमएलसी डॉ धर्मेंद्र सिंह, सत्येंद्र सिन्हा, पूर्व राष्ट्रीय सचिव विनोद पांडेय, पूर्व महापौर सीताराम जयसवाल, अंजू चौधरी, सत्या पांडेय, राधेश्याम श्रीवास्तव, पुष्पदंत जैन, चिरंजीव चौरसिया, रमेश सिंह समेत बड़ी संख्या में पदाधिकारी, पार्षद व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री के विजनरी नेतृत्व से विश्व में जमी भारत की धमक : योगी

गोरखपुर, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नौ वर्ष के कार्यकाल में भारत की धमक पूरे विश्व में जमी है। यह देशहित में प्रधानमंत्री मोदी के विजनरी नेतृत्व और परिश्रम का परिणाम है। हालत यह है कि अब संकट के समय दुनिया, भारत और पीएम मोदी की ओर आशा भरी निगाहों से देखती है। मुख्यमंत्री योगी रविवार को मोदी सरकार के 09 वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भाजपा द्वारा चलाए जा रहे महासंपर्क महाभियान के तहत गोरखपुर शहर विधानसभा की वरिष्ठ कार्यकर्ता बैठक को सम्बोधित कर रहे थे। 'टिफिन पर चर्चा' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जब हम अपनी बात व उपलब्धियों को स्वयं बताते हैं तो इसका उतना महत्व नहीं होता। पर, जब दुनिया हमारी उपलब्धियों को मानती है और सम्मान देती है तो यह वास्तविक सम्मान होता है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अनेक सकारात्मक बदलाव आये हैं। यह भी देश ही नहीं पूरी दुनिया देख रही है।

चमत्कारिक नेतृत्व ने बढ़ाई वैश्विक मंच पर भारत की प्रतिष्ठा – मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि 2014 के पहले भारत के नागरिकों, प्रवासियों, भारतवंशियों को वह सम्मान नहीं मिलता था, जिसके वह हकदार थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 09 वर्ष के कार्यकाल में इनका पूरे विश्व में सम्मान बढ़ा है। मुख्यमंत्री ने पीएम मोदी के तीन देशों की यात्रा के अभूतपूर्व क्षणों का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत और प्रधानमंत्री के प्रति बढ़े आकर्षण से हर भारतीय को गर्व है। पापुआ न्यू गिनी के प्रधानमंत्री ने प्रोटोकॉल तोड़कर सूर्यास्त के बाद पीएम मोदी की न केवल अगवानी की बल्कि पैर छूकर उनका अभिवादन भी किया। फिजी व पापुआ न्यू गिनी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अपने देश का सर्वोच्च सम्मान प्रदान किया। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री ने पीएम मोदी इज बॉस कहकर देश का सम्मान बढ़ाया तो अमेरिका के राष्ट्रपति उनका ऑटोग्राफ लेने को लालायित दिखे। यह सब देश के नेतृत्व के सामर्थ्य का परिचायक है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि संकट की हर परिस्थिति में 140 करोड़ देशवासियों के साथ खड़े होकर, सबके दिलों में राज करने का चमत्कारिक नेतृत्व देकर प्रधानमंत्री ने वैश्विक मंच पर भारत की प्रतिष्ठा बढ़ाई है।

उग्रवाद, अलगाववाद व नक्सलवाद पर लगाम – मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सीमा सुरक्षा के मामले में भी भारत बेहद मजबूत हुआ है। आज भारत की सीमाओं पर कोई टेढ़ी नजरों से नहीं देख सकता। सीमाओं पर कब्जा करने या आतंकी गतिविधियों का दुस्साहस नहीं कर सकता। यदि कहीं कोई घटना हो गई तो दुनिया के देश सफाई देने लगते हैं।

कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश ने स्वाभिमान व सम्मान की रक्षा करना सीखा है। उन्होंने कहा कि 2014 के पहले कश्मीर में उग्रवाद, पूर्वोत्तर के राज्यों में अलगाववाद व देश के 12 से 15 राज्यों में नक्सलवाद की समस्या चरम पर थी। आज कश्मीर में धारा 370 समाप्त होने से शांति, सौहार्द व विकास का माहौल है। वहां हुए पंचायत चुनाव में लोगों ने बढ़-चढ़कर भागीदारी की और भारतीय जनता पार्टी को भी बड़ा समर्थन मिला। पहले यह सिर्फ कल्पना थी अब वास्तविकता है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि वर्तमान समय में पूर्वोत्तर के राज्यों अरुणाचल प्रदेश, त्रिपुरा, मणिपुर व असम में भाजपा की सरकार है। नागालैंड व मेघालय में भी भाजपा के सहयोग से सरकार चल रही है। जबकि पहले पूर्वोत्तर के राज्यों में परमिट लेकर जाना पड़ता था। नक्सल प्रभावित राज्यों में नक्सली घटनाओं पर लगाम लगा है और वहां विकास की प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ी है।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में स्थापित हो रहे विकास के प्रतिमान – मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में इंफ्रास्ट्रक्चर, हाईवे रेलवे, एयरपोर्ट आदि सभी क्षेत्रों में अभूतपूर्व विकास हो रहा है। पीएम मोदी की परिकल्पना है कि हवाई चप्पल पहनने वाला नागरिक भी हवाई यात्रा कर सके। यह परिकल्पना पूरी होती नजर आ रही है। 1947 से 2014 तक देश में कुल 74 एयरपोर्ट थे, जबकि 2014 से 2022 के बीच 74 नए एयरपोर्ट बनाए गए हैं। 1947 से 2014 तक देश में सिर्फ 05 एम्स थे, जबकि 2014 से 2022 तक 15 नए बनाए गए हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से एक जिला एक मेडिकल कॉलेज की परिकल्पना को भी साकार किया जा रहा है। देश में प्रतिदिन 35 किलोमीटर हाईवे का विस्तार हो रहा है। रेलवे की नई परियोजनाएं आगे बढ़ रही हैं। वाटरवेज बनाए जा रहे हैं।

सम्मानजनक जीवन का आधार बनीं कल्याणकारी योजना – मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि विकास के साथ ही जन कल्याणकारी योजनाओं से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के हर व्यक्ति को सम्मानजनक जीवन जीने का आधार प्रदान किया है। उनका कार्यकाल सेवा, सुशासन व गरीब कल्याण को समर्पित है। कोरोना काल से ही देश के 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन की सुविधा दी जा रही है। गरीब महिला को उज्जवला योजना से निशुल्क रसोई गैस कनेक्शन मिला है। प्रधानमंत्री आवास योजना से 3.5 करोड़ गरीबों को पक्के मकान बना कर दिए गए हैं। 48 करोड़ गरीबों के बैंक खाते खोले गए। योजनाओं की धनराशि सीधे बैंक खाते में भेजी जाती है। इलाज की सुविधा के लिए 50 करोड़ लोगों को आयुष्मान योजना से पांच लाख स्वास्थ्य बीमा से कवर किया गया है। समाज के हर वर्ग किसान, महिला, नौजवान, बुजुर्ग, निराश्रित, श्रमिक आदि सभी के लिए कल्याणकारी योजनाएं संचालित हैं।

गोरखपुर को मिली सौगातों से किया कार्यकताओं को प्रेरित – मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक माह तक चलने वाले 14 प्रकार के कार्यक्रमों से सभी कार्यकताओं को जुड़ने का आह्वान किया। इसके लिए उन्होंने गोरखपुर को मिली विशेष सौगातों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि गोरखपुर में खाद कारखाना, एम्स और इंसेफेलाइटिस उन्मूलन सपना था। प्रधानमंत्री की प्रेरणा से यहां 110 फीसद क्षमता से खाद कारखाना चल रहा है, एम्स भी खुल चुका है, इंसेफेलाइटिस भी नियंत्रण में है। उन्होंने कहा कि भाजपा भारतीय मूल्यों, आदर्शों के प्रति समर्पित आमजन व कार्यकताओं की पार्टी है। आमजन के हित में किए गए कार्यों का श्रेय भी पार्टी को मिलना चाहिए, इसके लिए ही माहभर के विशेष कार्यक्रम तय किए गए हैं। कार्यकताओं को संबोधित करने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने साथ लाए टिफिन से सबके साथ भोजन किया।

पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा रेल हादसा पीड़ितों से मिले

-पीड़ितों को केन्द्र सरकार की ओर से मिलने वाली सहायता तत्काल उपलब्ध कराना भी सुनिश्चित किया

वीरभूमि, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा ने वीरभूमि पहुंचकर उड़ीसा में हुए रेल हादसे में प्रभावित हुए लोगों के परिजनों से मुलाकात कर उनके आंसू पोछे। अस्पातल जाकर घायलों का हाल जाना और पीड़ितों को केन्द्र सरकार की ओर से मिलने वाली सहायता तत्काल उपलब्ध हो, इसके लिए केंद्र सरकार एवं रेलवे विभाग के कई अधिकारियों से वार्ता की। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. दिनेश शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा स्वयं पहुंचकर सहायता कार्यों की समीक्षा करना पीड़ितों के लिए त्वरित राहत देने वाला है। इस घटना को दुखद बताते हुए उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार की ओर से प्रभावितों को मदद पहुंचाने में कोई कोर कसर नहीं रखी जाएगी। भाजपा के महासम्पर्क अभियान में भाग लेने वर्धमान पहुंचे डॉ. शर्मा ने हादसे की खबर के बाद आज का कार्यक्रम निरस्त करने के साथ ही रेल हादसे में जिन लोगों की दुखद मृत्यु हुई है, उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद सीधे वीरभूमि पहुंचकर उन्होंने घायलों से भेंट की और केन्द्र सरकार की ओर से प्रदान की जाने वाली सहायता व बेहतर उपचार दिलाना सुनिश्चित किया। उन्होंने सिवडी सदर अस्पताल पहुंचकर घायलों से मुलाकत की और चिकित्सा व्यवस्था को भी देखा। उपचार के लिए प्रशासन व चिकित्सकों को निर्देश भी दिए। डॉ. शर्मा ने दुर्घटना में दिवंगत वीरभूमि के पलाशवन गांव के रीता बागडी के परिजनों से भेंट कर संवेदना प्रकट की। रीता बागडी की रेल हादसे में दुखद मृत्यु हो गई है। उन्होंने दुर्घटना में घायल उड़ीसा अस्पताल में भर्ती झोरो गांव के मोहित

डोम के परिजनों से भेंट की और केन्द्र सरकार की ओर से मदद का भरोसा दिया। साथ ही कटक जिला प्रशासन एवं उड़ीसा भाजपा कार्यकताओं से बात कर उन्हें सहायता के लिए कहा। इसके साथ ही झोरो गांव के दुर्घटना में लापता लाबलूमल्ल के परिजनों से मुलाकात कर उनका पता लगाने के लिये उड़ीसा के अधिकारियों से वार्ता की। उत्तर प्रदेश के पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा ने बीरभूम जनपद के अस्पताल व जिला प्रशासन के अधिकारियों से बात कर कहा कि पीड़ितों को तत्काल हर संभव मदद उपलब्ध कराने में कोई कोताही नहीं बरती जानी चाहिए। उनके साथ विधायक अनूप शाह, प्रदेश उपाध्यक्ष सुमित दास, वीरभूमि भाजपा अध्यक्ष ध्रुव शाह, महामंत्री विश्वजीत शाह, विस्तारक विकास मंडल आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

महासम्पर्क अभियान के लिए पहुंचे पश्चिम बंगाल – उल्लेखनीय है कि डॉ.शर्मा भाजपा के महासम्पर्क अभियान के तहत वीरभूमि, डायमंड हार्बर, मथुरापुर व जयानगर लोकसभा क्षेत्र में केन्द्र सरकार के 09 साल पूरे होने पर आयोजित होने वाले महासंपर्क अभियान के कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए 03 जून से 10 जून तक पश्चिम बंगाल के प्रवास पर हैं। उड़ीसा में ट्रेन दुर्घटना के कारण उन्होंने पार्टी के सभी कार्यक्रमों को निरस्त कर दिया है। उन्होंने दुख प्रकट करते हुए कहा कि ट्रेन दुर्घटना में दिवंगत और घायलों में बंगाल के अधिकांश वह लोग थे जो बंगाल में कार्य न होने के कारण चेन्नई तथा अन्य स्थानों पर मजदूरी के लिए गए थे। उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने तथा दिवंगतो के परिजनों की सरकार द्वारा यथोचित सहायता की कामना की है।

संघ शिक्षा वर्ग के समापन समारोह में शामिल होंगे सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले

-उत्तर प्रदेश के सुलतानपुर जिले में चल रहा उप्र क्षेत्र का संघ शिक्षा वर्ग

लखनऊ, (हि.स.)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले संघ शिक्षा वर्ग द्वितीय वर्ष के समापन समारोह में 10 जून को उत्तर प्रदेश के सुलतानपुर जनपद आयेंगे। पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र का संघ शिक्षा वर्ग द्वितीय वर्ष सरस्वती विद्या मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय (विवेकानन्द नगर) शास्त्रीनगर सुलतानपुर में चल रहा है। यह जानकारी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र प्रचार प्रमुख नरेन्द्र सिंह ने दी। संघ शिक्षा वर्ग द्वितीय वर्ष (सामान्य) में 190 और संघ शिक्षा वर्ग द्वितीय वर्ष (विशेष) में 175 कार्यकर्ता प्रशिक्षण ग्रहण कर रहे हैं। दोनों वर्ग एक ही परिसर में चल रहे हैं।

संघ कार्य विस्तार के लिए लगाये जातें हैं वर्ग – संघ कार्य विस्तार व कार्यकताओं के प्रशिक्षण के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रशिक्षण वर्ग लगाता है। संघ समाज में परिवर्तन के लिए नई-नई गतिविधियां संचालित कर रहा है।

प्रौढ़ शाखाओं के संचालन, जागरण श्रेणी, गतिविधि तथा सेवा कार्यों के संचालन के लिए कार्यकर्ता निर्माण करने के लिए वर्ग लगाये जाते हैं। द्वितीय वर्ष सामान्य के वर्ग में 18 से 40 वर्ष की आयु के कार्यकर्ता प्रशिक्षण के लिए जाते हैं। वहीं जिनकी आयु 40 वर्ष से ऊपर होती है, उन्हें द्वितीय वर्ष विशेष के वर्ग में भेजा जाता है। सामान्य व विशेष के वर्ग में शारीरिक कार्यक्रम अलग-अलग होते हैं। अन्य कार्यक्रम एक जैसे होते हैं। विशेष वर्ग में अधिक आयु के कार्यकर्ता होने के कारण उनसे शारीरिक कार्यक्रम कम कराया जाता है।

स्नान करने के बाद बीमार पड़े भगवान जगन्नाथ, 15 दिन एकांतवास में रहेंगे

रांची, (हि.स.)। राजधानी रांची के धुर्वा में 10 दिनों तक चलने वाले ऐतिहासिक जगन्नाथपुर मेला 20 जून से शुरू होगा। इस मेले का समापन 29 जून को घूरती रथ यात्रा के साथ होगा। रथ यात्रा की तैयारी अब अंतिम चरण में पहुंच चुकी है। इस यात्रा को लेकर पुलिस तथा प्रशासन भी इसकी तैयारियों में जुट गई है। रांची के जगन्नाथपुर मंदिर में रविवार को भगवान जगन्नाथ के साथ उनके भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा कि सहस्त्रधारा स्नान विधि की गई। जगन्नाथपुर मंदिर परिसर में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। ज्येष्ठ पूर्णिमा को भगवान जगन्नाथ को 108 घड़ों के ठंडे पानी से स्नान स्नान कराया गया। इसके बाद भगवान को बुखार आ गया। 15 दिनों तक भगवान जगन्नाथ को एकांत में एक विशेष कक्ष में रखा जाता है, जहां केवल उनके वैद्य और निजी सेवक ही उनके दर्शन कर सकते हैं। भगवान जगन्नाथ के मंदिर के कपाट भी बंद रहेंगे। इसके बाद 15वें दिन मंदिर के कपाट खुलेंगे और भगवान जगन्नाथ अपने भक्तों को दर्शन देंगे। फिर जगन्नाथ रथ यात्रा का प्रारंभ होगा। रथ यात्रा के आरंभिक चरण में भगवान जगन्नाथ को स्नान

कराया जाता है, उसके बाद रथ यात्रा निकाली जाती है। हर साल एक बार भगवान जगन्नाथ को स्नान कराया जाता है, जिसे स्नान यात्रा भी कहते हैं। स्नान यात्रा करने के बाद 15 दिन के लिए भगवान जगन्नाथ बीमार पड़ जाते हैं। 15 दिन के लिए मंदिर को बंद कर दिया जाता है। यहां तक भगवान जगन्नाथ की रसोई भी बंद कर दी जाती है। भगवान को 56 भोग भी नहीं खिलाया जाता।56 भोग की जगह भगवान को 15 दिनों तक काढ़ा का भोग लगाया जाता है। इस दौरान भगवान को आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों का भी भोग लगाया जाता है। इस दौरान भगवान जगन्नाथ की बीमारी की जांच करने के लिए रोजाना वैद्य भी आते हैं। भगवान को काढ़े के अलावा फलों का रस भी दिया जाता है। साथ में शीतल लेप भी रोज लगाया जाता है।

ये है जगन्नाथपुर मंदिर रथ यात्रा कार्यक्रम

19-जून को शाम 4 बजे से नेत्रदान के साथ रथ यात्रा शुरू
20-जून, सुबह 5 बजे से सुलभ दर्शन
20-जून, दोपहर 2 बजे से रथयात्रा के लिए सामूहिक पूजन
शाम 4:30 बजे रथ यात्रा की शुरूआत
शाम 6:30 बजे मौसी बाड़ी आगमन
29-जून को घूरती रथ यात्रा के साथ कार्यक्रम का समापन

रांची और पटना के बीच जल्द दौड़ेगी वंदे भारत, नया रूट तैयार

रांची, (हि.स.)। रांची से पटना के बीच चलने वाली वंदे भारत ट्रेन के जल्द दौड़ने की उम्मीद बढ़ गई है। रांची से बरकाकाना, हजारीबाग टाउन और कोडरमा होकर पटना तक चलने वाली ट्रेन के लिए बरकाकाना- रांची के बीच नया रेल रूट तैयार हो गया है। रांची-पटना वंदे भारत ट्रेन के चलने की तारीखों में बार-बार कई कारणों से परिवर्तन होता रहा है। इसी बीच रांची से पटना के बीच चलने वाली वन्दे भारत ट्रेन को लेकर नई सूचना आई है कि ट्रेन के लिए नया रेल रूट तैयार हो चुका है और अब इसका परिचालन जल्द ही शुरू हो जाएगा। नया रूट तैयार हो जाने से रांची से बरकाकाना तक का घुमावदार सफर खत्म होगा। 63 किमी लंबी नई रेल लाइन तैयार होने से रांची से बरकाकाना तक की दूरी 46 किमी कम हो जाएगी। जल्द ही इस रूट पर वन्दे भारत ट्रेन की सेवा शुरू कर दी जाएगी। ये ट्रेन बरकाकाना, हजारीबाग टाउन, कोडरमा होकर पटना तक जाएगी। इसके लिए नया रेल रूट बनकर तैयार हो गया है। इस नए रूट

के बीच सिधवर, हेहल, दरिदाग, संकी, झांझीटोली, हुंडूर और मेसरा स्टेशन नए स्टेशन बनाये गए हैं। हालांकि, अभी तक रेलवे की ओर से इस ट्रेन के परिचालन का तारीख की घोषणा नहीं हुई है। रांची-बरकाकाना रूट तैयार हो जाने से सबसे पहले इस मार्ग पर वंदे भारत एक्सप्रेस चलेगी। इसके साथ रांची पहुंचने के लिए वैकल्पिक कनेक्टिविटी मिल जाएगी, जिससे दूसरी ट्रेनें भी चलाई जा सकेंगी। मौजूदा रूट पर ट्रेनों का दबाव कम होगा। रेलवे के अनुसार, नई ट्रेनों के लिए रांची-पटना रूट तैयार है। बरकाकाना-रांची नए रूट के साथ ही जारंगडीह से पतरातू तक 85 किमी रेल मार्ग का दोहरीकरण भी पूरा हो चुका है। इससे धर्मल पावर प्लांटों को कोल परिवहन के लिए भी बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी।

मुफस्सिल में पहाड़ पर मजे कर रहा दाहू, डीजीपी लें संज्ञान : बाबूलाल मरांडी

रांची, (हि.स.)। भाजपा विधायक दल के नेता बाबूलाल मरांडी ने कहा कि साहेबगंज में एक हजार करोड़ रुपये के खनन घोटाले का प्रमुख अभियुक्त दाहू यादव महीनों से झारखंड पुलिस की नजर में फरार है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है जबकि वह मुफस्सिल थाना के पहाड़ पर भारी संख्या में हथियारबंद लोगों के साथ मजे से रह रहा है। गैंग्स ऑफ साहिबगंज का नामी अपराधी है दाहू यादव। उन्होंने रविवार को अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म में लिखा है कि वहां की पुलिस को सब

पता है कि दाहू यादव कहां है लेकिन उसे गिरफ्तार करने की बजाय पुलिस कुर्की जब्ती के नाम पर खाना पूर्ति कर अपना काम पूरा समझ ली है। मरांडी ने लिखा है कि साहिबगंज पुलिस और प्रशासन के लोग यह जानते हैं कि दाहू मुफसिल थाना के पहाड़ पर भारी संख्या में हथियारबंद लोगों के साथ मजे से रह रहा है। लोगों से मिलता-जुलता है। अब तो वह ईडी के गवाहों को बंदूक के बल पर डरा रहा है। फिर भी उसको पकड़ने से कौन रोक रहा है? उन्होंने आरोप लगाया है पुलिस की सुरक्षा में उसे इस पहाड़ से उस पहाड़ पहुंचाया जा रहा है। पुलिस प्रशासन पर उसकी गिरफ्तारी से बचाने का आरोप लग रहा है। झारखंड के डीजीपी इसका संज्ञान लें। रांची से विशेष पुलिस दल गठित कर भेजें और दाहू की गिरफ्तारी सुनिश्चित करा कर वहां आतंक राज की समाप्ति करें।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष से मिले संजय लाल पासवान और जयशंकर पाठक

रांची, (हि.स.)। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर से रविवार को नवनियुक्त आवासीय बोर्ड के अध्यक्ष संजय लाल पासवान और हिंदू धार्मिक न्यास बोर्ड के अध्यक्ष जयशंकर पाठक ने मुलाकात की। सभी ने प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर को गुलदस्ता देकर आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि बोर्ड निगम का गठन प्रदेश नेतृत्व की मजबूती और सरकार से बेहतर संबंध का परिणाम है। प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने नवनियुक्त अध्यक्षों एवं सदस्यों

को बधाई देते हुए कहा कि आप सभी लोग अनुभवी है। मुझे पूरी उम्मीद है की ईमानदारी पूर्वक आप सभी लोग अपने कार्यों का निर्वहन करेंगे। इस दौरान नवनियुक्त सदस्य राकेश सिन्हा भी मौजूद थे।

राजनीति की एक निर्णायक भूमिका में दिखेगा राष्ट्रीय लोक जनता दल : जिलाध्यक्ष

बेगूसराय, (हि.स.)। उपेन्द्र कुशवाहा की पार्टी राष्ट्रीय लोक जनता दल बिहार को जंगलराज से मुक्त कराने के लिए सशक्त होकर के साथ आगे बढ़ेगी। वहीं, आने वाले समय में बेगूसराय जिले की राजनीति में भी एक निर्णायक भूमिका में नजर आएगी। रविवार को बेगूसराय में आयोजित प्रेसवार्ता में यह बातें नव मनोनीत जिला अध्यक्ष अनिल कुमार सिंह ने कही।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय लोक जनता दल ने अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व केंद्रीय मंत्री उपेन्द्र कुशवाहा के संदेश को घर-घर पहुंचाने का संकल्प लिया है। विगत 28 एवं 29 मई को पटना में संपन्न प्रदेश पदाधिकारियों एवं जिला अध्यक्षों की दो दिवसीय बैठक में इसके लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। इस निर्णय के आलोक में 15 जून से सदस्यता अभियान शुरू किया जाएगा। इसके बाद जुलाई में पार्टी का कार्यकर्ता सम्मेलन होगा जिसमें राष्ट्रीय और प्रदेश स्तर के नेता भाग लेंगे। जिला अध्यक्ष ने कहा कि जिले में पार्टी सभी वर्ग और धर्म के लोगों को अपने साथ जोड़ कर सामाजिक न्याय के परिकल्पना को साकार करेगी। उपेन्द्र कुशवाहा ने जिस तरह से राज्य हित के लिए जदयू से अलग होने का निर्णय लिया, वह अत्यंत प्रासंगिक और प्रशंसनीय है। जिसका राज्य की जनता ने जोरदार स्वागत किया है। प्रेसवार्ता में प्रदेश उपाध्यक्ष श्याम बिहारी वर्मा एवं युवा जिलाध्यक्ष तरुण कुमार रौशन सहित अन्य प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बालासोर ट्रेन एक्सीडेंट ने केन्द्र सरकार के सभी दावों की पोल खोल दी : तेजस्वी यादव

-सारी जानकारी जुटाने के बाद बिहार सरकार निर्णय लेगी

पटना, (हि.स.)। बालासोर ट्रेन एक्सीडेंट को लेकर बिहार के उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने केन्द्र सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने कहा है कि इस ट्रेन हादसे ने केन्द्र सरकार के सभी दावों की पोल खोल दी है। पटना में रविवार को आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे तेजस्वी यादव ने बालासोर ट्रेन एक्सीडेंट के लिए जिम्मेदार केंद्र सरकार और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को ठहराते हुए हादसे में मारे गए लोगों के प्रति संवेदनाएं जतायी। तेजस्वी यादव ने कहा कि हादसे की जो तस्वीरें सामने आई हैं, वह देखकर कलेजा फटने लगता है। बच्चों, महिलाओं, जवान और बुजुर्ग यात्रियों की मौत हुई है। केंद्र सरकार लगातार यह दावे करती रही है कि उन्होंने

रेलवे में सेफ्टी को लेकर बहुत काम किया है लेकिन इस हादसे में यह सारे दावे पूरी तरह से गलत साबित हो गये हैं। हमें इसका बहुत दुख है। इस घटना में लापरवाही हुई है। इसकी जिम्मेवारी तय होनी चाहिए और जल्द से जल्द इसकी जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा इस घटना में बिहार के कई लोग घायल हुए हैं। सारी जानकारी ली जा रही है और इसके बाद बिहार सरकार निर्णय लेगी कि आगे क्या करना है। तेजस्वी यादव ने बिहार से जुड़े रेल मंत्रियों का जिक्र करते हुए कहा कि रामविलास पासवान रेल मंत्री रहे। लालू और नीतीश भी रेल मंत्री रह चुके हैं। उस समय इतना प्राइवेटाइजेशन नहीं था। आज रेलवे का प्राइवेटाइजेशन पर इतना जोर है कि बाकी चीजों को दरकिनार कर दिया गया है।

बिहार में चल रहा है जंगलराज, जनता के मन में बसा है मोदी का विकासवाद : सांसद

बेगूसराय, (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी के राज्यसभा सदस्य बाबूराम निषाद ने कहा है कि बिहार में एक बार फिर जंगलराज आ गया है। यहां अताताई, जातिवादी, तुष्टीकरण की राजनीति करने वाले, गरीब जनता के विकास के पैसे की लूट मचा कर घर भरने वालों की सरकार है। बेगूसराय प्रवास के दौरान रविवार को पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार सुशासन के प्रति काफी संजीदा थे। माफिया, गुंडे और भ्रष्टाचारी के खिलाफ थे लेकिन अब उन्होंने यह सब भूलकर एकमात्र लक्ष्य बना लिया है सत्ता प्राप्ति। इसके लिए विभिन्न विचारधाराओं का मोबिलाइजेशन कर रहे हैं। भाजपा गांव-गरीब जनता की सेवा कर उनके साथ खड़ी है। इसलिए कोई गठबंधन काम नहीं आने वाला है। जनता नीतीश कुमार को मुंहतोड़ जवाब देगी। उन्होंने बार-बार विश्वास और भरोसा तोड़ कर सत्ता में बने रहने का प्रयास किया। महागठबंधन से कोई खुश नहीं है। महागठबंधन की नीतियां समाज के लिए ठीक नहीं है। उत्तर प्रदेश और बिहार में बहुत ऐसे लोग हैं जो तुष्टीकरण और जातिवाद को आधार बनाकर सत्ता में बने रहना चाहते हैं। लेकिन यह नहीं चलेगा, लोग जागरूक हो चुके हैं। जातिवाद और तुष्टीकरण की राजनीति नहीं, लोगों को मोदी का विकासवाद चाहिए। बिहार में सत्ताधारी लोग शराब बेचकर मलाई खा रहे हैं। नीतीश कुमार की शराब नीति

विफल हो गई है, यहां बराबर शराब पीकर लोग मर रहे हैं। बिहार में कौन बनेगा मुख्यमंत्री के सवाल पर बाबूराम निषाद ने कहा कि भाजपा में किसी व्यक्ति विशेष का कोई निर्णय या आदेश नहीं चलता है। हमारे पार्ट में फोरम है केंद्रीय संसदीय बोर्ड। केंद्रीय संसदीय बोर्ड निर्णय लेती है कि कौन प्रदेश अध्यक्ष, मुख्यमंत्री, सांसद होगा, विधायक बनेगा। यह सब ऊपर लेवल पर तय होता, यहां बैठक कर सामूहिक निर्णय लिए जाते हैं।

संपादकीय

लौटी संबंधों में गर्मजोशी

नेपाल के पीएम पुष्प कमल दहाल 'प्रचंड' की गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से हुई मुलाकात द्विपक्षीय रिश्तों को मजबूती देने के लिहाज से खासी अहम रही। दोनों के बीच एनर्जी, कनेक्टिविटी और व्यापार के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने को लेकर विस्तृत बातचीत हुई और कई क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाओं को रेखांकित किया गया, लेकिन इस यात्रा की सबसे बड़ी बात यह है कि दोनों देशों के संबंधों में पिछले कुछ समय से गर्मजोशी की जो कमी दिख रही थी, वह दूर होती महसूस हुई। दोनों निकटतम पड़ोसी देशों के बीच सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक संबंधों की पुरानी और समृद्ध परंपरा रही है। इनके बीच पांच राज्यों- सिक्किम, पश्चिम बंगाल, बिहार, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड- से लगती 1850 किलोमीटर लंबी सीमा है। सीमा के आर पार रोटी-बेटी का रिश्ता सदियों से बना हुआ है। इन सबके बावजूद पिछले वर्षों में दोनों देशों के रिश्तों में असाधारण गिरावट देखी गई थी। जहां नेपाल में ऐसा माहौल बना कि भारत उस पर हावी होना चाहता है और उसके क्षेत्रों को हड़पना चाहता है, वहीं भारत में यह धारणा मजबूत हुई कि नेपाल के कुछ नेता चीन के इशारे पर भारत के लिए परेशानी खड़े करने वाली नीति अपनाने पर तुले हुए हैं। बहरहाल, अच्छा है कि वह दौर बीता और अनावश्यक टकराव के बजाय आपसी सौहार्द और सहयोग के जरिए विकास की गति तेज करने की इच्छा नीति निर्माण के केंद्र में आई। पिछले साल दिसंबर में पद ग्रहण करने के बाद से ही प्रचंड इस बात को लेकर सतर्क दिखे कि उनके किसी कदम से भारत में गलतफहमी न बने। संभवतः इसीलिए यहां आने से पहले उन्होंने चीन के 'बोआओ फोरम फॉर एशिया' का निमंत्रण ठुकरा दिया। भारत के लिए नेपाल की अहमियत द्विपक्षीय रिश्तों के संदर्भ में तो है ही, पूरे दक्षिण एशियाई क्षेत्र में शांति और सहयोग का माहौल बनाए रखने के लिहाज से भी है। प्रचंड की इस यात्रा में यह बात रेखांकित हुई कि परस्पर सहयोग, सम्मान और विश्वास का रिश्ता न केवल इन दोनों देशों के लिए बल्कि इस पूरे क्षेत्र में शांति और समृद्धि सुनिश्चित करने के लिए जरूरी है। उदाहरण के लिए, बिजली को ही लें तो भारत तो नेपाल से बिजली खरीद ही रहा है, नेपाल भारत के रास्ते बांग्लादेश को भी बिजली की सप्लाई करना चाहता है। बांग्लादेश की भी दिलचस्पी इस प्रॉजेक्ट में है। यह प्रॉजेक्ट आगे बढ़ता है तो तीनों देश लाभान्वित होंगे। ऐसे अन्य मामले भी हैं। बेशक दोनों देशों में सीमा विवाद भी हैं, जो कुछ समय पहले उग्र रूप में सामने आए थे, लेकिन ऐसे विवाद शांति, सहयोग और विश्वास के माहौल में बातचीत के जरिए बेहतर ढंग से सुलझाए जा सकते हैं। इसीलिए दोनों पक्षों ने उन पर जोर देने के बजाय सहयोग और सामंजस्य बढ़ाने की नीति अपनाई है। उम्मीद है कि दोनों देश आपसी समझदारी से अपने पारंपरिक रिश्तों को पीएम मोदी के शब्दों में 'हिमालय सी ऊंचाई' देने में कामयाब होंगे।

> भारत में यह धारणा मजबूत हुई कि नेपाल के कुछ नेता चीन के इशारे पर भारत के लिए परेशानी खड़े करने वाली नीति अपनाने पर तुले हुए हैं। बहरहाल, अच्छा है कि वह दौर बीता और अनावश्यक टकराव के बजाय आपसी सौहार्द और सहयोग के जरिए विकास की गति तेज करने की इच्छा नीति निर्माण के केंद्र में आई। पिछले साल दिसंबर में पद ग्रहण करने के बाद से ही प्रचंड इस बात को लेकर सतर्क दिखे कि उनके किसी कदम से भारत में गलतफहमी न बने। संभवत: इसीलिए यहां आने से पहले उन्होंने चीन के 'बोआओ फोरम फॉर एशिया' का निमंत्रण ठुकरा दिया। भारत के लिए नेपाल की अहमियत द्विपक्षीय रिश्तों के संदर्भ में तो है ही, पूरे दक्षिण एशियाई क्षेत्र में शांति और सहयोग का माहौल बनाए रखने के लिहाज से भी है। प्रचंड की इस यात्रा में यह बात रेखांकित हुई कि परस्पर सहयोग, सम्मान और विश्वास का रिश्ता न केवल इन दोनों देशों के लिए बल्कि इस पूरे क्षेत्र में शांति और समृद्धि सुनिश्चित करने के लिए जरूरी है। उदाहरण के लिए, बिजली को ही लें तो भारत तो नेपाल से बिजली खरीद ही रहा है, नेपाल भारत के रास्ते बांग्लादेश को भी बिजली की सप्लाई करना चाहता है। बांग्लादेश की भी दिलचस्पी इस प्रॉजेक्ट में है। यह प्रॉजेक्ट आगे बढ़ता है तो तीनों देश लाभान्वित होंगे। ऐसे अन्य मामले भी हैं।

कुछ अलग

विकास और मानवता का संगम बना देश

आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार के नौ वर्ष पूरे हो रहे हैं। इस दौरान भारत के हर क्षेत्र में विकास की दृष्टि से क्रांतिकारी बदलाव हुए हैं। मैं इस बदलते भारत का साक्षी रहा हूं। पहले एक सामान्य नागरिक के रूप में, फिर एक राज्यपाल के रूप में, बाद में देश के राष्ट्रपति के रूप में और अब पूर्व राष्ट्रपति के रूप में मैंने इन परिवर्तनकारी बदलावों को बहुत ही नजदीक से अनुभव किया है। देश के एक नागरिक के रूप में मैं इतना निश्चित रूप से कहना चाहता हूं कि मेरा देश बदल रहा है। यह अनुभव आज देश का हर नागरिक कर रहा है। साथ ही, पूरी दुनिया भी भारत में बीते नौ सालों में आए बदलाव से आश्चर्यचकित है और भारत को सलाम कर रही है। बीते नौ वर्षों में वैश्विक मंचों पर निरंतर भारत की ताकत का आभास होना सुखद संकेत है। यह ताकत इसलिए भी बढ़ रही है, क्योंकि दुनिया अब युद्ध नहीं, शांति चाहती है। भारत अपनी शांति, मानवतावादी सोच एवं हिंसा-युद्ध विरोधी नीतियों से सभी महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय मंचों पर जिस तरह वैश्विक समुदाय का ध्यान अपनी ओर खींच रहा है, उससे यही पता चलता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अंतरराष्ट्रीय मामलों में भारत की भूमिका बढ़ रही है एवं मजबूत हो रही है। इसका एक प्रमाण अभी हाल ही में हमने जापान, फिजी और ऑस्ट्रेलिया में भी देखा। भारत में जी-20 बैठक का जिस तरह से सफल आयोजन हुआ, वह पूरे देश को गौरवान्वित करने वाला है। श्रीनगर में जी-20 की बैठक का सफल आयोजन वैश्विक पटल पर भारत के बढ़ते कदम का मजबूत हस्ताक्षर है। श्रीनगर के साथ लद्दाख और अरुणाचल प्रदेश में जी-20 की बैठकों का आयोजन 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' के दर्शन को चरितार्थ करता है। मुझे बीते नौ वर्षों में जिस बात से सबसे अधिक प्रसन्नता हुई है, वह यह है कि इस कालखंड में देश के गांव, गरीब, किसान, दलित, पीड़ति, शोषित, वंचित, पिछड़े, महिलाएं एवं युवा, सभी सशक्त हुए हैं। आज भारत की बेटियां हर क्षेत्र में अपना परचम लहरा रही हैं। देश के युवा वैश्विक पटल पर अपनी छाप छोड़ रहे हैं। सामाजिक न्याय के लिए नरेंद्र मोदी सरकार समर्पित रही है, क्योंकि सरकार की कार्य-संस्कृति का आधार ही 'सबका साथ, सबका विकास' रहा है। बीते नौ साल में लगभग 48 करोड़ लोगों के लिए बैंक के द्वार खुले, बिजली से वंचित 18 हजार से अधिक गांवों और लगभग चार करोड़ घरों में बिजली पहुंची, लगभग तीन करोड़ गरीबों के घर बने, लगभग 11 करोड़ शौचालय बनाए गए, 9.5 करोड़ गैस कनेक्शन वितरित किए गए, देश के 55 करोड़ लोगों को आयुष्मान भारत का कवच दिया गया, करोड़ों एलईडी बल्ब वितरित किए गए, लाखों गांवों को ऑप्टिकल फाइबर से जोड़ा गया, किसानों और मजदूरों के लिए मासिक पेंशन की व्यवस्था की गई और 10 करोड़ से अधिक किसानों को किसान सम्मान निधि के तहत सशक्त बनाया जा रहा है। देश के लगभग 80 करोड़ लोगों को जरूरी राशन मुफ्त में दिया जा रहा है। यही तो वे बुनियादी आयाम हैं, जिनकी भारत वर्षों से बाट जोह रहा था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी न केवल देश को हर मोर्चे पर आगे बढ़ाने का काम कर रहे हैं, बल्कि वह इतिहास की कई गलतियों को भी सुधार रहे हैं और 'न्यू इंडिया' के मजबूत संकल्प को साकार कर रहे हैं। अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर बन रहा है, जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को समाप्त किया गया है, आतंकवाद पर निर्णायक प्रहार हुआ है और मुस्लिम महिलाओं को तीन तलाक से आजादी मिली है। बीते नौ वर्षों में देश गुलामी की हर सोच से मुक्ति पाने की राह पर चल पड़ा है।

नरेंद्र मोदी ने भारतीय जनता पार्टी को राष्ट्रीय स्तर पर खड़ा करने में अद्भुत परिश्रम किया

सेवा, सुशासन और विकास को समर्पित मोदी सरकार

सौरभ मालवीय

> नरेंद्र मोदी जब प्रथम बार प्रधानमंत्री बने थे, तब देश के केवल सात राज्यों में भाजपा की सरकार थी। गुजरात, राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं गोवा में भाजपा के मुख्यमंत्री थे, जबकि पंजाब में शिरोमणि अकाली दल एवं आंध्र प्रदेश में टीडीपी के साथ भाजपा सत्ता में भागीदार थी। वर्ष 2018 में भाजपा अपने शीर्ष पर थी। उस समय 21 राज्यों में भाजपा और उसकी सहयोगी पार्टियां सत्ता में थीं। इससे यह बात सिद्ध होती है कि मोदी जी के विराट एवं प्रभावशाली व्यक्तित्व एवं कुशलता के कारण ही आज भाजपा सत्ता के केंद्र में बनी हुई है। वास्तव में राज्यों में भाजपा को सत्ता में लाने में भी मोदी जी ने अथक परिश्रम किया है।

भारतीय राजनीति में सबका साथ सबका विकास का नारा देकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत की राजनीति में अपनी विशेष पहचान बनाने में सफल रहे हैं। पार्टी की मजबूती की बात करें, तो नरेंद्र मोदी ने भारतीय जनता पार्टी को राष्ट्रीय स्तर पर खड़ा करने में अद्भुत परिश्रम किया है। पूरे देश में सभी स्तर के चुनावों का संचालन करने में नरेंद्र मोदी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मोदी जी ने भारतीय जनता पार्टी के पितृ पुरुषों की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए पार्टी का विस्तार किया तथा इसका जनाधार बढ़ाया। भारतीय जनता पार्टी आज देश में प्रथम स्थान की पार्टी है। साथ ही यह विश्व में सबसे अधिक सदस्यता वाली राजनीतिक पार्टी के रूप में जानी जाती है। मोदी सरकार ने अपने 9 साल के कार्यकाल में गौरवशाली भारत से आधुनिक भारत तक की यात्रा को मजबूती प्रदान की है।

चरैवेति चरैवेति भाजपा का यात्रा मंत्र

उल्लेखनीय है कि वर्ष 1984 में भाजपा के लोकसभा में केवल दो ही सदस्य थे। वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने 282 सीटों पर विजय प्राप्त की थी। इस चुनाव की विशेषता यह थी कि तीन दशक के पश्चात किसी पार्टी को पूर्ण बहुमत प्राप्त हुआ था। इसके पश्चात वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने 303 सीटों पर विजय प्राप्त की, जो किसी पार्टी द्वारा जीती गईं सर्वाधिक सीटें थीं। नरेंद्र मोदी जब प्रथम बार प्रधानमंत्री बने थे, तब देश के केवल सात राज्यों में भाजपा की सरकार थी। गुजरात, राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं गोवा में भाजपा के मुख्यमंत्री थे, जबकि पंजाब में शिरोमणि अकाली दल एवं आंध्र प्रदेश में टीडीपी के साथ भाजपा सत्ता में भागीदार थी। वर्ष 2018 में भाजपा अपने शीर्ष पर थी। उस समय 21 राज्यों में भाजपा और उसकी सहयोगी पार्टियां सत्ता में थीं। इससे यह बात सिद्ध होती है कि मोदी जी के विराट एवं प्रभावशाली व्यक्तित्व एवं कुशलता के कारण ही आज भाजपा सत्ता के केंद्र में बनी हुई है। वास्तव में राज्यों में भाजपा को सत्ता में लाने में भी मोदी जी ने अथक परिश्रम किया है। यह बात भी उल्लेख करने के योग्य है कि नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के पश्चात से देश में विपक्ष नाम की वस्तु भी प्रायः लुप्त हो गई। देश में सबसे अधिक समय तक शासन करने वाली कांग्रेस भी सिकुड़ती गई। देश ही नहीं, अपितु उन सभी राज्यों की यही स्थिति है जहां भाजपा सत्ता में है। कोई भी पार्टी भाजपा के समक्ष

खड़ा होने में सक्षम प्रतीत नहीं हो रही है। मोदी जी के सुशासन एवं कौशल्य के समक्ष सभी पार्टियां धराशायी हुई पड़ी हैं। विपक्ष के पास ऐसा कोई मुद्दा नहीं है, जिससे वह सत्ताधारी पार्टी को घेर सके। वामपंथी पार्टियां भी लुप्त सी हो चुकी हैं।

ऐतिहासिक निर्णय लेने वाले प्रधानमंत्री

नरेंद्र मोदी देश के ऐसे प्रधानमंत्री हैं, जिन्होंने बिना किसी भय के ऐतिहासिक निर्णय लेकर सबको चकित कर दिया। यह उनके निर्भीक व्यक्तित्व का ही प्रमाण है कि उनकी सरकार ने अनुच्छेद-370 और अनुच्छेद-35A को निरस्त कर दिया। इसके कारण जम्मू और कश्मीर का देश के शेष भागों के साथ पूर्ण एकीकरण हो गया। लगभग 70 वर्षों तक इस अस्थायी अनुच्छेद ने जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के लोगों को उनके मूलभूत अधिकारों से वंचित कर दिया था। ये दोनों अनुच्छेद क्षेत्र के विकास में बड़ी बाधा थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्र को संबोधित करते हुए कहा था कि अनुच्छेद-370 ने जम्मू-कश्मीर को दशकों तक केवल आतंकवाद, अलगाववाद, भ्रष्टाचार और परिवारवाद दिया। यह अनुच्छेद हटने के पश्चात पूर्ण विश्वास है कि केंद्र शासित जम्मू-कश्मीर और लद्दाख विकास की राह पर तेजी से आगे बढ़ेंगे।

मोदी की राम मंदिर निर्माण में भूमिका

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भगवान श्रीराम की जन्मस्थली अयोध्या में राम मंदिर निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने अयोध्या में राम जन्मभूमि पर राम मंदिर का शिलान्यास किया था। राम मंदिर के निर्माण के लिए भूमि पूजन के पश्चात यह प्रथम अवसर था, जब मोदी जी अयोध्या आए थे। उन्होंने राम मंदिर के निर्माण कार्यों में विशेष रुचि ली तथा कार्यों का निरीक्षण भी किया। वह कार्य की प्रगति की समय- समय पर जानकारी लेते रहे। उल्लेखनीय है कि नरेंद्र मोदी ने लालकृष्ण आडवाणी द्वारा प्रारम्भ की गई रथयात्रा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उन्होंरने गुजरात में रथ यात्रा का नेतृत्व किया था। उन्होंने राम जन्मभूमि आन्दोलन के समय गांव-गांव घूमकर आन्दोलन के लिए समर्थन जुटाया था। उन्होंने हस्ताक्षर अभियान में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उनके प्रयासों के कारण ही अयोध्या में राम मन्दिर निर्माण का कार्य प्रारम्भ हो सका।

धर्म-संस्कृति का संरक्षण एवं प्रोत्साहन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व की ऐतिहासिक धरोहरों के सौन्दर्यीकरण का संकलप लिया है। इस कड़ी में उन्होंने भगवान शंकर की नगरी काशी को भव्यता प्रदान करने के लिए अनेक महत्वपूर्ण कार्य किए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कहना है कि काशी के बाबा विश्वनाथ मंदिर में श्रद्धालुओं का स्वागत इस प्रकार हो कि वे बार-बार यहां आने के लिए उत्साहित हों तथा वे अन्य लोगों को भी प्रोत्साहित करें। उन्होंने काशी में बाबा विश्वनाथ मंदिर कॉरिडोर की नींव रखकर इसका कार्य प्रारंभ करवाया। वे देशभर के ऐतिहासिक एवं धार्मिक महत्त्व वाले स्थलों का जीर्णोद्धार करवा रहे हैं तथा इसके साथ ही धार्मिक स्थलों के विकास एवं सौन्दर्यीकरण पर विशेष ध्यान दे रहे है। केदारनाथ का पुनर्निर्माण कार्य तीव्र गति से चल रहा है। बद्रीनाथ में भी नए मास्टर प्लान के अंतर्गत कार्य चल रहा है। ये धार्मिक स्थल हमारे देश की गौरवशाली संस्कृति के प्रतीक हैं। ये भविष्य में हमारी संस्कृति को जीवित रखने का माध्यम हैं, ये संस्कृति के संवाहक भी हैं।

जनकल्याण के कार्य

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के अंतिम व्यक्ति तक के जीवन को सुखी एवं समृद्ध देखने के अभिलाषी हैं. इसके लिए वे निरंतर प्रयासरत हैं। उनके शासन में देश ने प्रायः सभी क्षेत्रों में उन्नति की है। कृषि, उद्योग, रोजगार, आवास, परिवहन, विद्युत, पेयजल, शिक्षा, चिकित्सा, विज्ञान, सुरक्षा व्यवस्था, धर्म, संस्कृति एवं पर्यावरण आदि क्षेत्रों में मोदी सरकार ने सराहनीय एवं प्रशंसनीय कार्य किए हैं। छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान की जा रही है। वृद्धजन, विधवा एवं दिव्यांगजन को पेंशन के रूप में आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है।

सात दशक की सबसे बड़ी जमीनी जंग

> भारत की विदेश नीति को भी इस प्रवृत्ति के तहत देखा जा सकता है। आज दक्षिण अमेरिका, अफ्रीका, मध्य-पूर्व और यहां तक कि पूर्वी एशिया के कुछ हिस्सों में भी यह प्रवृत्ति देखी जा सकती है। महाशक्तियों का भू-राजनीतिक संतुलन बदलता हुआ लग रहा है। यह चीन की ओर झुकता हुआ लग रहा है और अमेरिका के सामने मुश्किलें बढ़ी हैं। वाशिंगटन ने मास्को और बीजिंग के बीच दरार पैदा करने की भी कोशिश की है, ताकि वह चीन के साथ नए पश्चिमी तालमेल का फायदा उठा सके। अमेरिकी नीति-नियंताओं ने रूस से चीन को दूर करने की कोशिश में शी जिनपिंग शासन को अंतरराष्ट्रीय अदालत में लाने की कवायद की है, मगर इसका बहुत कम फायदा हुआ है। ऐसा लगता है कि रूस के साथ अपनी साझेदारी को खतरे में डालने के लिए चीन तैयार नहीं है। ताईवान के संदर्भ में चीन को लगता है कि अमेरिका शायद उसके साथ भी वही करेगा, जो उसने रूस के साथ किया है।

यूक्रेन में लगा झटका वास्तविक है। यह 1940 के दशक के बाद का सबसे बड़ा भूमि युद्ध हो गया है, जो 15 महीने से जारी है। पूरी योजना उलट गई है। अमेरिका और नाटो ने इस विश्वास के साथ रूस-यूक्रेन विवाद में हस्तक्षेप शुरू किया था कि यह छद्म युद्ध यूरोप में रूसी प्रभाव को कम करने का एकमात्र तरीका है। इसका मकसद रूस को आकार में छोटा करना और विश्व में बहुध्रुवीय व्यवस्था को समाप्त करना भी था। कागज पर यह शैतानी न सही, पर एक चतुर रणनीति थी। अनुमान था कि नाटो हथियारों से लैस यूक्रेन जल्दी ही रूस पर भारी पड़ेगा। कम से कम पश्चिमी नीति-निर्माताओं ने यह अनुमान तो लगाया ही था कि रूस वर्षों तक एक और अफगानिस्तान में फंसा रहेगा, जबकि अमेरिका एक महाशक्ति के रूप में पुनर्जीवित होकर काबिज हो जाएगा। जो सोचा गया था, उसके उलट हो गया। यह छद्म युद्ध हर मोर्चे पर एक ऐसे संघर्ष में बदल गया, जिसे एक सीमित महायुद्ध के रूप में वर्गीकृत करना ज्यादा सटीक होगा। अमेरिका एक बड़े लक्ष्य लेकर चला था, पर अब उसके लक्ष्य में कमी आई है। इस बार विश्व समुदाय पश्चिम के पीछे लाइन लगाकर खड़ा नहीं हुआ, बल्कि ईमानदारी से दूर रहा है। रूस को बदनाम करने और अमेरिकी प्रतिबंधों को गले लगाने की नाटो की योजना के प्रति गजब का इनकार दिखा है। दूसरी ओर, ग्लोबल साउथ या गरीब, विकासशील देशों को अपने हितों को आगे बढ़ाने और एक बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था के स्वागत का मौका मिल गया है। अब दुनिया के कमजोर देश भी प्रमुख देशों के साथ बेहतर सौदेबाजी कर सकते हैं। भारत की विदेश नीति को भी इस प्रवृत्ति के तहत देखा जा सकता है। आज दक्षिण अमेरिका, अफ्रीका, मध्य-पूर्व और यहां तक कि पूर्वी एशिया के कुछ हिस्सों में भी यह प्रवृत्ति देखी जा सकती है। महाशक्तियों का भू-राजनीतिक संतुलन बदलता हुआ लग रहा है। यह चीन की ओर झुकता हुआ लग रहा है और अमेरिका के सामने मुश्किलें बढ़ी हैं। वाशिंगटन ने मास्को और बीजिंग के बीच दरार पैदा करने की भी कोशिश की है, ताकि वह चीन के साथ नए पश्चिमी तालमेल का फायदा उठा सके। अमेरिकी नीति-नियंताओं ने रूस से चीन को दूर करने की कोशिश में शी जिनपिंग शासन को अंतरराष्ट्रीय अदालत में लाने की कवायद की है, मगर इसका बहुत कम फायदा हुआ है। ऐसा लगता है कि रूस के साथ अपनी साझेदारी को खतरे में डालने के लिए चीन तैयार नहीं है। ताईवान के संदर्भ में चीन को लगता है कि अमेरिका शायद उसके साथ भी वही करेगा, जो उसने रूस के साथ किया है। पश्चिमी हाथों में वास्तविक तुरुप का इक्का हमेशा से अर्थव्यवस्था ही रही है : अमेरिकी डॉलर का विरासती प्रभुत्व, अंतरराष्ट्रीय आपूर्ति शृंखलाओं पर उसका नियंत्रण और किसी पर सामूहिक प्रतिबंध लगाने की क्षमता। इसी वजह से अमेरिका को वास्तव में लगा कि वह न सिर्फ रूस को अस्थिर कर सकता है, बल्कि वैश्वीकरण का एक नया अध्याय भी लिख सकता है। फिर भी चौंकाने वाले नाटकीय प्रभाव सामने आए हैं। झटका रूस को लगने के बजाय यूरोप को ज्यादा लगा है। यूरोप में ऊर्जा व औद्योगिक संकट खड़ा हो गया और रूसी अर्थव्यवस्था पर वैसा असर नहीं हुआ, जैसा अमेरिका व नाटो ने चाहा था। आज यूरोपीय अर्थव्यवस्थाएं बढ़ती महंगाई से जूझ रही हैं। जर्मनी जैसे औद्योगिक दिग्गज देश मंदी की चपेट में आ गए हैं। वैश्विक प्रतिस्पद्र्धा में यूरोप पिछड़ रहा है। अर्थशास्त्री अब इस बात से इनकार नहीं कर सकते कि यूरोपीय समृद्धि और औद्योगिक शक्ति के लिए रूसी उत्पाद व ऊर्जा कितनी महत्वपूर्ण थी। आखिर रूस कैसे बच गया, वह भी सरलता से? वस्तुतः नाटो के देश जो चाहते थे, उसका पालन गैर-पश्चिमी दुनिया ने नहीं किया। कई अन्य विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के साथ चीन और भारत ने पश्चिमी बाजारों की जगह ले ली। इससे रूस को नई जीवन रेखा मिली और अन्य देशों को सस्ती ऊर्जा से लाभ हुआ। अभी भी राजस्व से भरपूर मास्को अपनी आर्थिक स्थिरता के लिए जरूरी औद्योगिक घटकों, मशीनरी व उपभोक्ता वस्तुएं खरीदने में सक्षम है। अतीत में रूस के साथ जर्मनी की जो भूमिका थी, उसमें अब चीन उतर आया है। चीन के साथ रूस का व्यापार 2023 में 200 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। इस युद्ध ने पश्चिम के पूरे भू-राजनीतिक दांव पर सवाल उठा दिए हैं। प्रारंभिक चरण में रूस को गहरा झटका लगा, लेकिन बाद में मास्को ने अलग रणनीति अपनाई। उसने नए क्षेत्रों पर कब्जा करने की पारंपरिक कवायद के बजाय यूक्रेन में स्थित सैन्य ढांचे को नष्ट करना और नीचा दिखाना शुरू कर दिया। रूस विशाल खुले मैदानों में बड़े टैंकों से लड़ाई के साथ ही, यूक्रेनी मोर्चों पर सीधे हमला करने लगा। यूक्रेन के रणनीतिक लिहाज से महत्वपूर्ण शहरों व कस्बों में भीषण संघर्ष छेड़ दिया। रूस तमाम प्रमुख शहरी लड़ाई में जीत गया है, इससे उसे पूर्वी यूक्रेन में बढ़ने में मदद मिलेगी। साथ ही, रूस ने कीव सहित पूरे यूक्रेन में सैन्य, रसद, कीमती बुनियादी ढांचे पर हमले में अपनी आक्रामक मारक क्षमता का खूब इस्तेमाल किया है। कुछ तथ्य उत्तरोत्तर स्पष्ट होते जा रहे हैं। यूक्रेनी सैन्य बल की बुनियाद काफी हद तक नष्ट हो गई है। नाटो अभी इस नुकसान की भरपाई नहीं कर सकता। न केवल यूक्रेन, बल्कि नाटो देशों में भी एक बड़े और लंबे युद्ध को चलाए रखने की औद्योगिक क्षमता गंभीर रूप से घटी है। नाटो देशों ने 70 अरब डॉलर से अधिक की सैन्य सहायता भेजी है, जिसमें से अधिकांश हिस्सा अमेरिका से आया है। वास्तविक बाधा अब पश्चिमी उत्पादन क्षमता है, क्योंकि नाटो के योजनाकारों ने इतने लंबे युद्ध की उम्मीद नहीं की थी। आप विचार करके देखिए, रूस एक दोपहर में जितने गोले-बारूद दाग देता है, उतना गोला-बारूद बनाने में अमेरिका को दो महीने लग जाएंगे। नाटो की हथियार प्रणालियां कम पड़ गई हैं, जिन्हें युद्ध की दिशा बदलने के लिए तैनात किया गया था। रूसी सेना कम से कम निम्नलिखित क्षमताओं में नाटो से आगे दिखती है - वायु रक्षा, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध, तोपखाने / काउंटर आर्टिलरी और हाइपरसोनिक मिसाइलें। चिंता बढ़ रही है, नाटो समर्थन से यूक्रेन यदि टकराव बढ़ाता है, तो जाहिर है, रूस भी तगड़े जवाबी हमले के लिए तैयार है।

नागरिक बोध

ओडिसा के बालासोर के समीप हुआ सदी का सबसे बड़ा रेल हादसा

ओडिसा के बालासोर रेल हादसा सदी का सबसे बड़ा और तीसरी बड़ी दुर्घटना है। 128 किमी की रफ्तार और इमरजेंसी ब्रेक नाकाम होने से रेल हादसे में मरने वाले की संख्या 288 अब तक बताई गई है। 30 सेकंड में परिस्थितियों का आभास हो उसके पहले कई जिंदगियां हादसे की भेंट चढ़ गई। दर्दनाक जख्मो पर संवेदना व्यक्त करने के लिए राजनैतिक दलों को आवागमन चालू है। भीषण हादसे में बचे लोगो ने अपने लापता परिजनों को ढूंढना शुरू किया। वो क्षण हदयविदारक था।कुदरत का करिश्मा कैसा है? साथ मे सफर करने वाले स्नेहीजन अगले 30 सेकंड में लापता हो जाते है। ऐसी घटना जिंदगीभर पीछा नही छोड़ती है। कभी न भरने वाले जख्म लोग किस्मत को कोसते नजर आए। लोगो को देखकर मन विचलित हो गया। लोगो की मदद के लिए हाथ उठे है।स्वयंसेवी संस्थाओं और सरकार की पूरी मदद मिल रही है। घायलों का इलाज मिल गया है। लेकिन उपरोक्त घटना में बाल बाल बचने वाले लोग भगवान का आभार व्यक्त कर रहे है।मोदी ने मौके पर जाकर मरीजों के हालात जाने। रेलवे मंत्री भी मौके पर पहुंचे।यह एक संजोग ही था जिसके चलते इतना बड़ा हादसा हो गया। तीन ट्रेनों की टक्कर में किसी न किसी की चूक का ही नतीजा था कि लोको पायलट भांप नही पाया। सिग्नल नही मिलने के कारण इस तरह की घटना हुई है। देश मे छुटपुट रेल दुर्घनाएं होती है। लेकिन इस तरह की घटना शायद ही पहले कभी हुई होगी? लाशों के ढके चेहरे को उठाकर शक्ल देख आगे चले जाने वाले अपने परिचितों पर क्या गुजरी होगी। अपने पिता पर क्या गुजरी होगी।जिसकी कल्पना मात्र से रोंगटे खड़े हो जाते है। इस तरह के हादसे मानव सर्जित अथवा टेक्निकल खराबी के कारण होते है। लेकिन इन कमियों पर विशेष ध्यान नही रहता है। बड़ा रेल बजट होने के बाद भी दुर्घटनाएं बढ़ती जा रही है। एक आंकड़े के मुताबिक 37 प्रतिशत रेल दुर्घटनाए बढ़ गई है। बीस वर्ष में सबसे भीषण दुर्घटना है। 35 सौ यात्रि सफर कर रहे थे।48 डिब्बे में 17 डिब्बे पटरी से उतर गए।जबकि लोको पायलट सुरक्षित बताए जा रहे है । भेदभाव भूल कर पार्टी पॉलिटिक्स को छोड़कर घायलों का इलाज की तरफ ध्यान देने का वक्त है। राजनैतिक दल रोटिया सेंकने एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप शुरू कर दिया है। इस समय सभी पार्टियों की मरीजों को जरूरत है। संवेदना से घाव भरते तो नही है लेकिन कुशलक्षेम पूछने पर मरीज पर जो वज्राघात पड़ा है। उसको सहन करने की शक्ति मिलती है। सरकार की तरफ से बचाव कार्य किया जा रहा है। सरकार किसी भी तरह की कमी नही आने देगी।लेकिन जो इस घटना में चला गया है उस कमी को कोई दूर नही कर सकता है। हादसे में मरने वालों को भगवान शांति प्रदान करे और घायल लोगो की जल्दी तंदुरुस्त होने की भगवान से कामना करते है।

देश दुनीया से

जरूर टूटेगा जाली नोटों का जाल

पिछले दिनों एक वेब सीरीज आई थी फर्जी। इसमें दर्शाया गया मुख्य चरित्र एक कुशल कलाकार-पेंटर है, जो पूरी तन्मयता के साथ ऐसे फर्जी या नकली नोट गढ़ता है, जिसे पकड़ पाना मशीनों के लिए भी आसान नहीं है। वास्तव में, हमारे देश-समाज या कुछ पड़ोसी देशों में ऐसे फर्जी लोग हैं, जो नकली नोट के फर्जीवाडे. में दिन-रात लगे हुए हैं। इसके नतीजे भारतीय समाज व अर्थव्यवस्था के लिए भयावह हैं। गौर कीजिए, भारतीय रिजर्व बैंक की ताजा वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, बैंकिंग प्रणाली द्वारा पहचाने गए 500 रुपये के नकली नोटों की संख्या पिछले वर्ष की तुलना में 14.6 प्रतिशत बढ़कर 91,110 नग (पीस) हो गई है। सभी प्रकार के नकली नोटों की संख्या 2.25 लाख नग है। आरबीआई ने इस दौरान 100 रुपये के 78,699 नकली नोट और 200 रुपये के 27,258 नकली नोटों की सूचना दी है। ऐसा क्यों हो रहा है? हम भूले नहीं हैं। 8 नवंबर, 2016 को नोटबंदी का एलान किया गया था। इसके बाद पूरे देश में 500 और 1,000 रुपये के नोट बंद हो गए थे। नोटबंदी के फैसले से काला धन पर रोक, देश को कैशलेस बनाने, नकली नोट पे चोट, चरमपंथ व आतंकवाद पर अंकुश लगने तक की उम्मीद थी। उसी समय छपे नए नोटों के बारे में रिजर्व बैंक ने दावा किया था कि इनमें सुरक्षा के जो इंतजाम या फीचर रखे गए हैं, उनकी नकल काफी मुश्किल है, मगर अब स्वयं रिजर्व बैंक के आंकड़े बता रहे हैं कि वह दावा धरा का धरा रह गया। रिजर्व बैंक की रिपोर्ट यह भी बताती है कि 20 रुपये मूल्य-वर्ग में पाए गए नकली नोटों में 8.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। दूसरी ओर, 10 रुपये, 100 रुपये और 2,000 रुपये के नकली नोटों में क्रमशः 11.6 प्रतिशत, 14.7 प्रतिशत और 27.9 प्रतिशत की गिरावट आई है। मई 2022 में प्रकाशित इस वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2021-22 में 500 रुपये के नकली नोटों की संख्या वित्त वर्ष 2020-21 की तुलना में दोगुनी से अधिक बढ़कर 79,669 हो गई थी। मतलब कि जाली नोट छापने और चलाने वालों ने अपना ध्यान 500 रुपये के नोटों पर लगा दिया है। साल 2022-23 के दौरान, बैंकिंग क्षेत्र में पाए गए कुल नकली नोट में 4.6 फीसदी भारतीय रिजर्व बैंक में पकड़े गए, जबकि 95.4 फीसदी की पहचान अन्य बैंकों में हुई है। इस दौरान सुरक्षा मुद्गरण पर किया गया कुल व्यय 4,682.80 करोड़ रुपये था। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की रिपोर्ट के अनुसार, देश भर में वित्त वर्ष 2016 से 2022 तक 245.33 करोड़ रुपये के मूल्य के जाली नोट जब्त किए गए हैं। ऐसा नहीं है कि सरकार व रिजर्व बैंक द्वारा नकली नोटों को रोकने के प्रयास नहीं किए जा रहे हैं। जैसे-जैसे सुरक्षा बढ़ाने के लिए नोटों में नए फीचर्स शामिल किए जाते हैं, वैसे-वैसे उनकी नकल करने की तकनीक भी विकसित होती जाती है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने पाया है कि इन उच्च गुणवत्ता वाले नकली नोटों को भारत भेजने के लिए नेपाल और पाकिस्तान के मार्ग का उपयोग किया जा रहा है। ये नोट कथित तौर पर पाकिस्तान में छापे जाते हैं और उनमें भारतीय मुद्रा की अधिकांश विशेषताएं अनुकूलित की जाती हैं, जिससे आम आदमी के लिए नकली-असली नोटों के बीच अंतर करना मुश्किल हो जाता है। बाजार में नकली नगदी आने से मौजूदा धन की मात्रा में वृद्धि हो जाती है, जो बाजार में मुद्रास्फीति को बढ़ाती है। इससे उत्पादों और सेवाओं की भारी मांग होने लगती है। इसके अतिरिक्त ऐसे नकली नोटों का उपयोग आतंकवादियों द्वारा भारत के खिलाफ किया जा रहा है। जाली नोट किसी भी अर्थव्यवस्था के लिए घातक हैं।

> रिजर्व बैंक की रिपोर्ट यह भी बताती है कि 20 रुपये मूल्य-वर्ग में पाए गए नकली नोटों में 8.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। दूसरी ओर, 10 रुपये, 100 रुपये और 2,000 रुपये के नकली नोटों में क्रमश: 11.6 प्रतिशत, 14.7 प्रतिशत और 27.9 प्रतिशत की गिरावट आई है। मई 2022 में प्रकाशित इस वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2021-22 में 500 रुपये के नकली नोटों की संख्या वित्त वर्ष 2020-21 की तुलना में दोगुनी से अधिक बढ़कर 79,669 हो गई थी। मतलब कि जाली नोट छापने और चलाने वालों ने अपना ध्यान 500 रुपये के नोटों पर लगा दिया है। साल 2022-23 के दौरान, बैंकिंग क्षेत्र में पाए गए कुल नकली नोट में 4.6 फीसदी भारतीय रिजर्व बैंक में पकड़े गए, जबकि 95.4 फीसदी की पहचान अन्य बैंकों में हुई है।

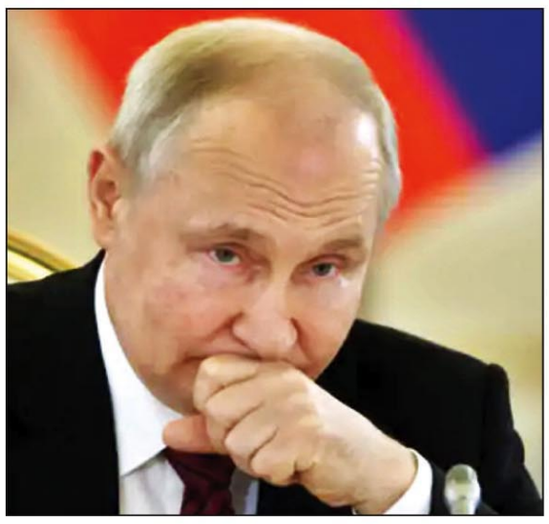

रूसी मिसाइल वैज्ञानिकों पर देशद्रोह का मुकदमा शुरू : चीन को सीक्रेट्स बेचने के आरोप; गिरफ्तारी के बाद साइंटिस्ट को 2 बार आया हार्ट अटैक

मॉस्को।

रूस ने हाइपरसोनिक मिसाइल की टेक्नॉलोजी पर काम करने वाले अपने 3 वैज्ञानिकों के खिलाफ देशद्रोह का मुकदमा शुरू कर दिया है। इन तीनों पर चीन को मिसाइल टेक्नोलोजी से जुड़ी गुप्त जानकारी देने के आरोप लगाए गए हैं। तीनों साइबेरियाई शहर नोवोसिबिर्स्क में एक संस्थान में काम करते थे। पहले वैज्ञानिक अनातोली को गुरुवार के दिन सुनवाई के लिए रूस के सेंट पीटर्सबर्ग शहर में लाया गया। उनकी कस्टडी को 10 नवंबर तक बढ़ाया गया है। ट्रायल की जानकारी सार्वजनिक नहीं की जाएगी। मीडिया को भी इससे दूर रखा गया है। वहीं, वैज्ञानिकों के वकीलों को भी कुछ भी कहने से इनकार किया गया है। तीनों को पिछले साल जून में गिरफ्तार किया गया था। तब से 76 साल के अनातोली को 2 बार हार्ट अटैक आ चुका है। उनकी तबीयत लगातार खराब रहती है।

नेक्स्ट जनरेशन मिसाइलों पर काम कर रहे थे वैज्ञानिक – रूस के राष्ट्रपति कार्यालय क्रेमलिन ने बयान जारी कर बताया है कि तीनों वैज्ञानिकों (अनातोली, अलेक्जेंडर और वैलेरी) के खिलाफ आरोप बहुत गंभीर हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक तीनों वैज्ञानिकों पर 2017 में चीन में हुई एक कॉन्फ्रेंस में मिसाइलों के सीक्रेट्स बेचने के आरोप लगे हैं। सेंट पीटर्सबर्ग कोर्ट ने इस ट्रायल को टॉप सीक्रेट घोषित किया है। मास्लोव रूस के टॉप साइंस इंस्टीट्यूट में प्रोफेसर और शोधकर्ता थे। तीनों वैज्ञानिक हाइपरसोनिक मिसाइल विशेषज्ञ हैं। ये रूस की नेक्स्ट जनरेशन की मिसाइलों पर काम कर रहे थे। ये मिसाइलें स्पीड ऑफ साउंड से 10 गुना तेजी से उड़ सकती हैं। तीनों वैज्ञानिकों ने अपने ऊपर लगे आरोपों से इनकार किया है। वैज्ञानिकों का ट्रायल शुरू होने से 2 महीने पहले रूस की संसद ने अप्रैल में देशद्रोह के लिए मिलने वाली सजा को बढ़ाकर 20 साल से आजीवन कारावास करने के लिए वोटिंग की थी।

यूक्रेन एक के बाद एक तबाह कर रहा रूसी मिसाइलें – रूस में वैज्ञानिकों का ट्रायल उस समय हो रहा है जब यूक्रेन एक के बाद एक रूसी मिसाइलें तबाह करने के दावे कर रहा है। इसी हफ्ते यूक्रेन ने बताया था कि उन्होंने रूस की 6 हाइपर सोनिक मिसाइलों को एक रात में ढेर किया है। इनमें रूस की किंजल मिसाइल भी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक किंजल स्पीड ऑफ साउंड से भी 5 गुना तेजी से ट्रैवल करती है। इसकी रेंज 1200 मील की है। दरअसल, अब तक रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन दावा करते आए हैं कि वो हाइपरसोनिक मिसाइल बनाने में वर्ल्ड लीडर हैं। ऐसे में लगातार मिसाइलों का फेल होना उनके दावे पर बड़ा सवाल खड़ा कर रहा है। रूस के दूसरे वैज्ञानिकों ने अपने साथियों पर चलाए जा रहे मुकदमे की आलोचना की है। इन्होंने अपने साथियों के समर्थन में 15 मई को एक खुला पत्र जारी किया था।

न्यूज ब्रीफ

मिस्र की सीमा पर गोलीबारी, तीन इस्राइली सैनिकों की मौत, मरने वालों में महिला भी शामिल

तेल अवीव। मिस्र के पुलिस अधिकारी की वर्दी पहने एक बंदूकधारी द्वारा की गई गोलीबारी में तीन इस्राइली सैनिकों की मौत हो गई। इस्राइली सेना के प्रवक्ता ने इस घटना की पुष्टि की है। इस्राइली सेना के अनुसार, मिस्र की सीमा पर एक सैन्य चौकी की रखवाली कर रहे एक पुलिसकर्मी ने शनिवार तड़के गोलियां चला दी। जिसमें दो सैनिकों की जान चली गई। इस घटना के बाद फिर गोलीबारी हुई। जिसमें मिस्र के पुलिस अधिकारी और तीसरा इस्राइली सैनिक मारा गया। सेना के प्रवक्ता ने कहा कि जब सैनिकों ने सीमा पार नशीली दवाओं की तस्करी के प्रयास को विफल कर दिया तब लड़ाई शुरू हुई। एक बयान में कहा गया है, सुरक्षा बलों के एक सदस्य ने ड्रग तस्करों का पीछा किया। पीछा करने के दौरान सुरक्षा एजेंट ने सीमा पार कर ली। जिसके बाद गोलीबारी हुई। यह घटना मिस्र और गाजा पट्टी सीमा के पास हुई, जो कि इस्राइल और मिस्र के बीच निज्जाना और अल-अवजा सीमा के करीब है। इसका उपयोग मिस्र से इस्राइल या गाजा पट्टी के लिए माल लाने के लिए किया जाता है। सेना द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, मिस्र के रक्षा मंत्री मोहम्मद जकी ने सीमा पर हुई गोलीबारी की घटना पर अपने इस्राइली समकक्ष से बात की और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए आपसी समन्वय पर चर्चा की। इस्राइली सेना के मुताबिक मारे गए सैनिकों में एक महिला भी थी। इस्राइल के रक्षा मंत्री योव गैलेंट ने दावा किया कि पूरे घटनाक्रम की जांच की जाएगी। जांच के दौरान यह भी ध्यान रखा जाएगा कि हत्या तस्करी गतिविधि से जुड़ी थी। मिस्र पहला अरब राष्ट्र था जिसने 1979 में इस्राइल के साथ कड़े सुरक्षा संबंध स्थापित किए और उसके साथ शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए।

ऐतिहासिक जीत के बाद एर्दोगन ने ली राष्ट्रपति पद की शपथ, आर्थिक संकट झेल रहे देश को उबारने की चुनौती

अंकारा। तुर्किये के लंबे समय से राष्ट्रपति रहे रेसेप तैयप एर्दोगन ने अपने तीसरे कार्यकाल के लिए

राष्ट्रपति पद की शपथ ली। वह शीघ्र नए मंत्रिमंडल की घोषणा करेंगे, जिससे यह संकेत मिलेगा कि देश में गैर रूढ़िवादी आर्थिक नीतियां जारी रहेंगी, या तुर्किये कहीं अधिक पारंपरिक नीतियों की ओर लौटेगा। 69 वर्षीय नेता एर्दोगन पर आर्थिक संकट के प्रबंधन की जिम्मेदारी होगी। तुर्किये इस समय महंगाई और मुद्रा में गिरावट से जूझ रहा है। उन्होंने शनिवार को नई सरकार के मंत्री का भी खुलासा किया। उन्होंने प्रसिद्ध पूर्व बैंकर और अर्थव्यवस्था के पिछले प्रमुख मेहमत सिमसेक को वित्त और राजकोष का मंत्री बनाया। संसद में एक समारोह में एर्दोगन ने कहा कि मैं राष्ट्रपति के रूप में देश के अस्तित्व और स्वतंत्रता की रक्षा के लिए महान तुर्किये राष्ट्र और इतिहास के समक्ष अपने सम्मान और अखंडता की शपथ लेता हूं। हम सभी 85 मिलियन लोगों को उनके राजनीतिक विचारों, मूल या संप्रदाय की परवाह किए बिना गले लगाएंगे। शनिवार को उद्घाटन के बाद देश की राजधानी स्थित राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक शानदार कार्यक्रम में कई विदेशी नेताओं ने शिरकत की। फरवरी में 50,000 से अधिक लोगों की जान लेने वाले भयानक भूकंप के बाद आर्थिक संकट और आलोचना के बावजूद तुर्किये की जनता ने अर्दोगन सत्ता पर बैठाया। उन्होंने 28 मई को एक मजबूत विपक्षी गठबंधन के खिलाफ रन-ऑफ चुनाव जीता। अर्दोगन को 52.2 प्रतिशत वोट मिले, जबकि केमल किलिकडारोग्लू को 47.8 प्रतिशत वोट मिले।

तेज गति और लापरवाही के कारण पलटी मिनी बस, दो यात्रियों की मौत; आठ घायल

काबुल। अफगानिस्तान में शनिवार को हुए सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गई। जबकि, आठ लोग घायल हो गए। घटना पूर्वी अफगानिस्तान के वरदक में हुआ है। अफगानिस्तान की मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस प्रवक्ता मोहम्मद यूसुफ असरार का कहना है कि वरदक के बेहसोड जिले में एक मिनी बस अचानक पलट गई थी। इस वजह से दो युवकों की मौत हो गई। जबकि, आठ लोग घायल हो गए। असरार ने आगे बताया कि लापरवाही से बस चलाने के कारण बस पलट गई थी। इस वजह से हादसा हो गया। घायलों में महिला और बच्चे भी शामिल हैं, जिन्हें इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया है। बता दें, अफगानिस्तान में पिछले कुछ समय से सड़क हादसे काफी बढ़ गए हैं। इनका कारण है तेज गति में लापरवाही से गाड़ी चलाना। खराब सड़क और परिवहन कानूनों की कमी सहित अन्य कारणों के कारण सड़क हादसे देश में बढ़ गए हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के आंकड़ों के अनुसार, साल 2020 में अफगानिस्तान में सड़क हादसों के कारण 6,033 मौतों की आशंका है।

सोमालिया में युगांडा के 54 सैनिकों की हत्या

अल-शबाब के आतंकियों का दावा- फिदायीन हमले में हमने 137 को मार गिराया

मोगादिशु।

सोमालिया में युगांडा के 54 सैनिकों की हत्या कर दी गई। युगांडा के राष्ट्रपति योवेरी मुसेवनी ने हत्या के लिए अल-शबाब आतंकी संगठन को जिम्मेदार ठहराया है। मुसेवनी ने कहा कि युगांडा की आर्मी पीपुल्स डिफेंस फोर्सेज ने साहस दिखाते हुए फिर से बेस पर कब्जा कर लिया है। अल-शबाब ने ये हमला 26 मई को सोमालिया के बुलामारेर में किया था। ये इलाका राजधानी मोगादिशु से करीब 130 किमी दूर है। वहीं अल-शबाब के मुताबिक, उसने बेस पर सुसाइड बॉम्ब के जरिए हमला किया था, जिसमें 137 सैनिकों की मौत हुई। इससे पहले पिछले हफ्ते राष्ट्रपति मुसेवनी ने हमले की जानकारी दी थी। हालांकि तब उन्होंने ये नहीं बताया था कि इसमें कितने लोगों की जान गई है। अल-शबाब कट्टर इस्लामी आतंकी संगठन है जो 2006 से सोमालिया में पश्चिम देशों की समर्थन वाली सरकार को हटाकर इस्लाम कानून स्थापित करना चाहता है।

अल-शबाब ने 2022 में किए थे 4 बड़े हमले

- **नवंबर में राष्ट्रपति भवन के पास अटैक:** पिछले साल नवंबर में भी अल-शबाब के आतंकियों ने सोमालिया के राष्ट्रपति भवन के पास विला रोज होटल में हमला किया था। इसमें 4 लोगों की मौत हुई थी। आतंकियों ने ये हमला बदला लेने के लिए किया था। दरअसल, एक दिन पहले ही सोमालिया की मिलिट्री ने अल-शबाब के ठिकानों पर एयर स्ट्राइक की थी और 100 आतंकियों को मार गिराया था। इनमें 12 कमांडर थे।
- **अक्टूबर में 2 कारों में धमाका:** इससे पहले 29 अक्टूबर को भी आतंकियों ने एजुकेशन मिनिस्ट्री के बाहर 2 कारों में धमाके किए थे, जिसमें 100 की मौत और 300 लोग घायल हो गए थे। 24 अक्टूबर को किसमायो शहर के होटल में आतंकी हमला हुआ था। हमले में 9 लोगों की मौत हो गई थी। 47 लोग घायल हुए थे।
- **अगस्त में हयात होटल में फायरिंग:** इसी तरह का आतंकी हमला अगस्त 2022 हुआ था। 21 अगस्त को सोमालिया की राजधानी मोगादिशु में आतंकियों ने हयात होटल में घुसकर फायरिंग कर दी थी। 20 लोगों की मौत हो गई थी। 20 अगस्त को भी आतंकियों ने हयात होटल में घुसकर फायरिंग की थी, जिसमें 8 लोगों की मौत और 9 घायल हुए थे। पहले हयात होटल के बाहर खड़ी 2 कारों में ब्लास्ट हुए। इसके बाद आतंकी होटल में घुसे और लोगों के बीच फायरिंग शुरू कर दी थी।
- **जुलाई में 2 शहरों में बम धमाके:** 28 जुलाई को अल-शबाब ने सोमालिया के दो शहरों में बम हमले किए थे। इसमें 19 लोग मारे गए थे और 23 घायल हुए थे। दोनों हमले लोअर शबेले क्षेत्र में हुए थे। पहली घटना मार्का शहर में हुई थी, जहां एक हमलावर ने खुद को बम से उड़ा लिया था। इसमें 13 लोगों की मौत और पांच घायल हो गए थे। दूसरी घटना अफगोय शहर में हुई थी। यहां 2 हमलों में 7 लोग मारे गए थे जबकि 18 घायल हुए थे।

2017 में हुआ था सबसे खतरनाक ब्लास्ट

सोमालिया में अल-शबाब ने अब तक का सबसे खतरनाक हमला किया था। आतंकियों ने एक होटल के पास ट्रक में धमाका किया था। इसमें 275 लोगों की मौत हुई थी। आसपास कई सरकारी ऑफिस और रेस्टोरेंट्स थे, जो तबाह हो गए थे।

क्या है अल-शबाब

अल-शबाब एक आतंकी संगठन है। इसका मकसद 2017 में बनी सोमालिया सरकार को जड़ से उखाड़ना है। अल-शबाब का जन्म 2006 में हुआ। ये सऊदी अरब के वहाबी इस्लाम को मानता है। तब मोगादिशू शहर यूनियन ऑफ इस्लामिक कोर्ट्स के कब्जे में था, जो कि शरिया अदालतों का एक संगठन था। 2006 में इथियोपिया की सेना ने इस संगठन को हरा दिया और अल-शबाब का जन्म हुआ। अल-शबाब यूनियन ऑफ इस्लामिक कोर्ट्स की ही एक कट्टरपंथी शाखा है।

तालिबान से ली ट्रेनिंग, बच्चों को बनाता है आत्मघाती

2006 में सोमालिया में सेना से हारने के बाद, संगठन ने अपने आतंकियों को ट्रेनिंग लेने के लिए अफगानिस्तान में तालिबान के पास भेजा था। इसके आतंकियों की संख्या करीब 15 हजार है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, संगठन 10 साल से भी छोटे बच्चों को आत्मघाती हमलों की ट्रेनिंग देता है। इसके लिए अल-शबाब के कब्जे वाले इलाकों में स्कूल भी चलाया जा रहा है।

छह महीने बाद धरती लौटे तीन चीनी अंतरिक्ष यात्री, कहा- अपनी मातृभूमि पर बेहतर लग रहा है

बीजींग।

चीनी अंतरिक्ष यात्री रविवार को सुरक्षित छह महीने बाद धरती पर लौट आए हैं। शेनझोउ-15 से धरती लौटे यात्री छह महीने से अंतरिक्ष पर थे, यहां वे चीनी स्पेस स्टेशन के निर्माण मिशन पर थे। चीनी अंतरिक्ष एजेंसी ने बताया कि फी जुनलॉन्ग, देंग क्विंगमिंग और झांग लू उत्तरी चीन के डोंगफेंग लैंडिंग साइट पर सुबह 6:33 बजे उतरे थे। एजेंसी ने बताया कि यात्री स्वस्थ्य थे और हमारा मानव मिशन कामयाब रहा। एजेंसी का कहना है कि 30 मई को अंतरिक्ष यात्रा पर गए यात्रियों के बाद तीनों यात्री वापस आए हैं। नए यात्री पांच महीने वहां रुकेंगे। बता दें, स्पेस स्टेशन तैयार होने के बाद, चीन ऐसा पहला देश होगा, जिसके पास खुद का स्पेस स्टेशन होगा। रूस का अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन कई देशों के साथ मिलकर तैयार किया गया है और 2030 तक वह सेवामुक्त भी हो जाएगा। चीन के स्पेस स्टेशन की खासियत है, उसके दो रोबोटिक बाहें, जो उपग्रहों सहित कई चीजों को एक साथ पकड़ सकते हैं। अंतरिक्ष यात्री फी ने बताया कि हमें सौंपे गए सभी कार्यों को हमने पूरा कर लिया है। अपने देश वापस लौटकर आएं हैं, हमें इसकी खुशी है। इससे पहले फी 2005 में भी शेनझोउ-6 से अंतरिक्ष की यात्रा पर गए थे। 25 साल की तैयारियों के बाद डेंग को अंतरिक्ष पर जाने का मौका मिला था। उन्होंने कहा कि मैं हमेशा सपनों को पूरा करने में विश्वास रखता हूं। मैं देश के काम आ सका, इसकी मुझे बहुत खुशी है। उन्होंने बताया कि जब मैं स्पेस स्टेशन पर मुझे काफी अच्छा लगा था। मैं कई बार खिड़की से अपने मातृभूमि को अंतरिक्ष से देखता था। झांग ने बताया कि हम अब अपने शरीर को धरती के हिसाब से ढाल लेंगे। उन्होंने बताया कि हम अब दोबारा ट्रेनिंग पर जाएंगे और भविष्य के स्पेस मिशन के लिए तैयार होंगे। चीन ने 30 मई को अपने तीन यात्रियों को अंतरिक्ष यात्रा पर भेजा था। जिंग हैपेंग, झू यांग्झू और गुई हाइचाओ को अंतरिक्ष स्टेशन की परिक्रमा करने के लिए चुना गया है। शेनझोउ-16 अंतरिक्ष यान से तीनों अंतरिक्ष के लिए रवाना होंगे। जिंग पहले चीनी यात्री हैं, जो चौथी बार अंतरिक्ष की यात्रा करेंगे। जिंग ने 2008 में शेनझोउ-7, 2012 में शेनझोउ-9 और 2016 में शेनझोउ-11 क्रू की कमान संभाली थी।

सीनेटर बोले- विश्व सुरक्षा के लिए भारत-अमेरिकी रिश्ते अहम, पीएम मोदी के दौरे से गहरी होगी दोस्ती

वाशिंगटन।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा से पहले अमेरिकी कांग्रेस सदस्य सीनेटर राजा कृष्णमूर्ति ने कहा है कि वह दोनों देशों की साझेदारी मजबूत करने के लिए तत्पर हैं। उन्होंने कहा कि भारत-अमेरिका में साझेदारी न केवल अमेरिका और भारत के लिए बल्कि पूरी दुनिया के लिए महत्वपूर्ण है। सीनेटर रो खन्ना ने भी कहा, दोनों देशों के रिश्ते विश्व सुरक्षा व समृद्धि के लिए महत्वपूर्ण हैं। 22 जून को मोदी की अमेरिका यात्रा के दौरान प्रतिनिधि सभा और सीनेट के संयुक्त सत्र को संबोधित करने के लिए पीएम मोदी को निमंत्रण मिलने के बाद यह प्रतिक्रिया आई है। कृष्णमूर्ति ने कहा, ये संबंध सिर्फ दोनों देशों के लिए नहीं बल्कि पूरे विश्व की सुरक्षा व समृद्धि के लिए अहम है। उन्होंने कहा, वह इस साझेदारी को मजबूत करने और गहरा करने के लिए तत्पर हैं। जोनाथन जैक्सन समेत अन्य सीनेटरों ने भी हाउस स्पीकर केविन मैक्कार्थी के मोदी को साझा सत्र में संबोधित करने देने के फैसले का स्वागत किया। स्पीकर मैक्कार्थी, सीनेट में बहुमत के नेता चक शूमर, सीनेट रिपब्लिकन लीडर मिच मैककोनेल व डेमोक्रेटिक लीडर ने कहा, मोदी का संबोधन, भारत के भविष्य का दृष्टिकोण साझा करने और दोनों देशों के सामने चुनौतियों के बारे में बात करने का अवसर होगा। इससे साझेदारी गहरी होगी। मोदी ने इससे पहले 8 जून, 2016 को अमेरिकी कांग्रेस के साझा सत्र को संबोधित किया था। वह दूसरी बार संबोधित करने वाले दुनिया के गिने-चुने नेताओं में होंगे। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका के नेल्सन मंडेला और इस्राइल के यित्जाक रॉबिन ने भी दो बार कांग्रेस की संयुक्त बैठकों को संबोधित किया। ब्रिटिश पीएम विंस्टन चर्चिल और इस्राइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने तीन-तीन बार कांग्रेस को संबोधित किया है।

एवरेस्ट के डेथ जोन में शेरपा ने पर्वतारोही को बचाया : 8000 मीटर ऊंचाई पर रस्सी से लटका था, 6 घंटे पीठ पर लादकर बेस कैंप पहुंचाया

काठमांडू।

नेपाल के एक शेरपा ने माउंट एवरेस्ट के डेथ जोन में फंसे मलेशिया के एक पर्वतारोही की जान बचाई है। 8 हजार फीट की ऊंचाई पर शेरपा ने पर्वतारोही की जान बचाई। उसे बेस कैंप ले जाने के लिए पीठ पर बांधी और 6 घंटे तक चलते रहे।नेपाल सरकार ने इस सीजन में 478 लोगों को एवरेस्ट चढ़ने के लिए मंजूरी दी है। एवरेस्ट फतह के दौरान इस साल 12 पर्वतारोही जान गंवा चुके हैं। 2021 में 409 लोगों को परमिट मिला था।

पर्वतारोही को बचाने के लिए अपना मिशन छोड़ दिया

18 मई को 36 साल के गेल्जा शेरपा चीनी पर्वतारोहियों को एवरेस्ट के शिखर की ओर ले जाने के मिशन पर थे। इस दौरान उनकी नजर एक मलेशियाई पर्वतारोही पर पड़ी। जो 8 हजार मीटर की ऊंचाई पर भयानक ठंड में रस्सी से लटका हुआ था। उसे बचाने के लिए शेरपा ने मिशन बीच मे छोड़ दिया। गेल्जा शेरपा ने कहा कि मैंने क्लाइंट्स को एवरेस्ट पर ले जाने का फैसला टाल दिया ताकि मैं वहां पर फंसे हुए पर्वतारोही की जान बचा कर उसे नीचे ला सकूं। इसके बाद मैंने एक साथी शेरपा नगीमा ताशी की मदद से पर्वतारोही को स्लिपींग मैट में लपेटकर बांध दिया। इसके बाद 6 घंटे तक पीठपर लादकर और बीच-बीच में बर्फ पर घसीटकर 7,162 मीटर की ऊंचाई पर स्थित कैंप-3 तक लाया। प्रवतारोही को वहां से हेलीकॉप्टर से एयरलिफ्ट करके बेस कैंप तक ले जाया गया।

एवरेस्ट पर 8 हजार मीटर से ज्यादा ऊंचाई यानी डेथ जोन...रेस्क्यू असंभव

माउंट एवरेस्ट पर 8 हजार मीटर से ज्यादा ऊंचाई पर स्थित हिस्से को डेथ जोन कहा जाता है, जहां पर बचाव कार्य बेहद मुश्किल होता है। वहां पर वातावरण में ऑक्सीजन कम होती है और वहां पर ऑक्सीजन सपोर्ट के बिना जिंदा रहना काफी मुश्किल होता है।

नेपाल के पर्यटन विभाग के अधिकारी बिज्ञान कोईराला का कहना है कि इतनी ऊंचाई पर किसी भी पर्वतारोही का रेस्क्यू असंभव है। यह बेहद दुर्लभ ऑपरेशन है। गेल्जा शेरपा का कहना है कि किसी की जान बचाना, मंदिर में पूजा करने से बड़ा काम है।

ताइवान में आमने-सामने यूएस और चीन

अमेरिकी वॉरशिप के सामने आया ड्रैगन का जहाज; पिछले हफ्ते फाइटर जेट्स से तनाव बढ़ा था

वॉशिंगटन।

ताइवान की समुद्री सीमा में तैनात अमेरिकी वॉरिशप और चीन का मिलिट्री शिप आमने-सामने आ गए। दोनों जहाज महज 150 मीटर की दूरी पर थे। इसके बाद चीन का जहाज वहां से निकल गया। पिछले हफ्ते चीन का एक फाइटर जेट इसी इलाके में अमेरिका के स्पाय जेट के सामने आ गया था। अमेरिका के डिफेंस मिनिस्टर लॉयड ऑस्टिन ने कहा- हम नहीं चाहते कि किसी तरह का टकराव हो। अगर ऐसा होता है तो अमेरिका जवाब देने का हक रखता है।

अमेरिका ने कहा- ये उकसावे वाली हरकत

हिंद महासागर पर नजर रखने वाली अमेरिकी नेवी की इंडो-पैसेफिक कमांड ने बयान में कहा- चीन के नेवी शिप का हमारे वॉरशिप के सामने आ जाना सिर्फ यह साबित करता है कि चीन टकराव चाहता है। अगर ऐसा है तो अमेरिका जवाब जरूर देगा। एक हफ्ते में दूसरी बार चीन की तरफ से उकसावे वाली हरकत की गई है। कमांड के बयान में आगे कहा गया- शनिवार शाम चीन का नेवी शिप जिस तरह से हमारे वॉरशिप के सामने आया, वो साफ तौर पर उकसावे वाली हरकत थी। ऐन वक्त पर बड़ा टकराव टल गया। इस क्षेत्र में अमेरिकी नेवी वॉरशिप के साथ कनाडाई वॉरशिप भी था। हमारे वॉरशिप ने चीन के नेवी शिप को देखकर स्पीड कम कर दी थी। अगर ऐसा न होता तो जहाज टकरा सकते थे।

पीछे नहीं हटेगा अमेरिका

अमेरिकी नेवी कमांड ने ये भी साफ कर दिया है वो चीन की इन हरकतों का जवाब देने के लिए तैयार है और किसी भी मामले में पीछे हटने का सवाल ही नहीं है। बयान में कहा गया- जमीन, आसमान या समंदर। जहां भी इंटरनेशनल बॉर्डर हैं, हम वहां पहले की तरह मिलिट्री एक्टिविटीज जारी रखेंगे। किसी भी मामले में पीछे हटने का तो सवाल ही पैदा नहीं होता। हैरानी की बात ये है कि समंदर में इतना बड़ा खतरा या कहें टकराव टलने के बावजूद चीन ने अब तक कोई रिएक्शन नहीं दिया है। इस मामले से दूरी बरतते हुए चीन के एक नेवी अफसर ने कहा- कुछ देश समंदर में तनाव पैदा कर रहे हैं। इससे इलाके के अमन खराब हो सकता है। कई खतरे पैदा हो सकते हैं। जब से चीन और ताइवान में तनाव बढ़ा है, तब से अमेरिकी वॉरशिप यहां लगातार गश्त कर रहे हैं। अमेरिका ने पिछले साल ही साफ कर दिया था कि ताइवान के खिलाफ अगर कोई मिलिट्री एक्शन हुआ तो जवाब जरूर दिया जाएगा। इसके बाद से चीन बौखलाया हुआ है। चीन ने शनिवार को एक बयान में कहा था- अगर हिंद महासागर में नाटो की तर्ज पर कोई मिलिट्री अलायंस बनता है तो उसके खतरनाक नतीजे होंगे। इससे आए दिन टकराव का खतरा पैदा होगा। अमेरिका और नाटो को इस तरह की किसी भी हरकत से बचना चाहिए।

एक हफ्ते में दूसरी बार टकराव

पिछले हफ्ते चीन के लड़ाकू विमान ने साउथ चाइना सी के ऊपर इंटरनेशनल एयरस्पेस में उड़ रहे अमेरिकी जासूसी विमान को रोक दिया। चीन के प्लेन ने 26 मई को अमेरिकी विमान के कॉकपिट के ठीक सामने उड़ान भरी। अमेरिका में मौजूद चीनी एम्बेसी के स्पोक्सपर्सन लियू पेंग्यू ने कहा- अमेरिका कई बार चीन की निगरानी के लिए अपने विमान और जहाज तैनात करता रहता है। ये चीन की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा है। अमेरिका को ये हरकतें रोकना होंगी। पेंग्यू ने कहा है कि चीन अपनी रक्षा के लिए जरूरी कदम उठाता रहेगा। चीन क्षेत्र में मौजूद दूसरे देशों के साथ मिलकर साउथ चाइना सी में अमन बहाली के लिए काम करेगा। दूसरी तरफ, पेंटागन ने कहा- इंटरनेशनल लॉ जहां कहीं भी उड़ान की इजाजत देगा, हम वहां जिम्मेदारी से उड़ान भरेंगे। इस मामले में कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

आंगनबाड़ी केंद्रों को मिलेगा प्रति वर्ष दो हजार रुपए का डाटा पैकेज

पटियाला। पंजाब के सामाजिक सुरक्षा, स्त्री एवं बाल विकास विभाग मंत्री डॉ. बलजीत कौर की ओर से आंगनबाड़ी केंद्रों के लिए प्रति साल दो हजार रुपए के मोबाइल डेटा पैकेज की सुविधा लागू की गई है। इसके अंतर्गत पटियाला जिले के 1829 आंगनबाड़ी केंद्रों को हर साल प्रति सेंटर दो रुपए के हिसाब के साथ डेटा पैकेज दिया जाएगा। जिला प्रोग्राम अफसर नरेश कुमार ने बताया कि भारत सरकार की तरफ से पोषण अभियान के रिकॉर्ड के लिए और इस अभियान के निरीक्षण के लिए पिछले समय पोषण ट्रैकर मोबाइल एप जारी की गई थी। इसे चलाने के लिए आंगनबाड़ी वर्करों को मोबाइल डेटा पैकेज अपेक्षित था। इसे देखते पंजाब सरकार ने हरेक आंगनबाड़ी केंद्र के लिए प्रति साल दो हजार रुपए के डेटा पैकेज को मंजूरी दी है। पोषण अभियान के अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्रों द्वारा बच्चों और गर्भवती महिलाओं को पौष्टिक खुराक मुहैया कराई जाती है, ताकि वे कुपोषण का शिकार न हों।

महिला पहलवानों से कृत्य करने वाले बृजभूषण को बचा रही भाजपा सरकार : अभय चौटाला

चौटाला परिवार पर प्रतिक्रिया देने वाले संपत सिंह को बताया बासी कढ़ी

हिसार (हिंस)। इनेलो के प्रधान महासचिव एवं विधायक अभय सिंह चौटाला ने कहा है कि महिला पहलवानों के साथ कृत्य करने वाले बृजभूषण सिंह को भाजपा सरकार बचाने में लगी हुई है। यदि हमारी पार्टी के नेता ने ऐसा किया होता तो उसे पहले दिन ही मैं पार्टी से निकाल देता और जांच बाद में करवाता। उन्होंने कहा कि वे पदयात्रा के दौरान जो घोषणाएं कर रहे हैं, उन्हें प्रमुखता से सिरे चढ़ाया जाएगा। वे रविवार को परिवर्तन पदयात्रा के 94वें दिन यहां के बल्यू बर्ड कांप्लैक्स में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। बाद में उन्होंने आदमपुर हलके के गांवों में परिवर्तन पदयात्रा के तहत जनता से बात की। उन्होंने कहा कि 7500 रूपए प्रतिमाह पेंशन व बेरोजगारों को 21 हजार रुपए भत्ता देने की घोषणा पर कहा कि वे कभी कच्ची बात नहीं करते, उन्हें पता है कि पैसा कहां से आएगा।

हमारी टीम द्वारा करीब आठ महीने तक पूरी स्टडी करने के बाद ही उन्हें यह घोषणा पूरी जिम्मेदारी के साथ की है। प्रदेश के लोग यह बात अच्छी तरह से जानते हैं कि अभय जो कहता है, वो करता है। इनेलो नेता ने कहा कि सरकार ने फिर किसी से राय-मशविरा लिए बिना दो हजार का नोट बंद करने का ऐलान कर दिया है। इस बार भी सरकार का यही दावा है कि भ्रष्टाचार पर प्रहार होगा, पर यह दावा भी दम तोड ?र रह जाएगा। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार मनमाने तरीके से काम कर रही है। जो सरकार जनभावनाओं की कद्र नहीं करती, उसका अंत होकर ही रहता है। उन्होंने कहा कि हरियाणा विकास की ओर नहीं बल्कि विनाश के रास्ते पर है। अभय चौटाला ने कहा कि गठबंधन नेताओं ने प्रदेश को लूट लिया है और आम आदमी पर कर्ज का बोझ लाद दिया है। इस मौके पर उमेद लोहान, सतबीर सिसाय, प्रदीप बाजिया, अशोक पूनिया, एडवोकेट भूपेंद्र, एडवोकेट विनोद कासवां सहित इनेलो के अन्य पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

आहलूवाला के सरपंच सहित कई भाजपा में हुए शामिल

यमुनानगर (हिंस)। जगाधरी विधानसभा क्षेत्र के गांव आहलूवाला के वर्तमान सरपंच सहित कई अनूसूचित जाति वर्ग के लोग भाजपा में शामिल हो गए। रविवार को स्कूल शिक्षा मंत्री कंवरपाल गुर्जर की उपस्थिति में आयोजित कार्यक्रम में भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। शिक्षा मंत्री कंवरपाल ने सभी को भाजपा का पटका व फूलों का हार पहनाकर स्वागत किया। शिक्षा मंत्री ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी अनूसूचित जाति वर्ग के लोगों को सबसे ज्यादा मान सम्मान देती है। भाजपा सरकार ने अनूसूचित जाति वर्ग के जन कल्याण के लिए बहुत सी योजनाओं को लागू किया हुआ है। जिनसे जुड़कर अनूसूचित जाति वर्ग के लोगों को अत्याधिक लाभ पहुंच रहा है। भाजपा में शामिल हुए गांव आहलूवाला के सरपंच अमरजीत ने शिक्षा मंत्री के समक्ष गांव में कई विकास कार्य करवाने की मांग रखी। जिस पर शिक्षा मंत्री ने कहा कि गांव में प्राथमिकता के आधार पर जल्द से जल्द विकास कार्य करवाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी विकास की राजनीति करती है। भाजपा सरकार ने छछरौली, प्रतापनगर व कोट में नया अस्पताल बनवाया है। छछरौली, प्रतापनगर, खदरी में युवाओं के सुनहरी भविष्य के लिए सरकारी नई आईटीआई का निर्माण भाजपा सरकार ने किया है।

क्रांतिकारियों के गुप्त ठिकाने को देखने से रोकते हैं वहां रहने वाले

फिरोजपुर। स्कूलों व कालेजों में गर्मियों की छुट्टियां पड़ चुकी हैं, दूर-दराज शहरों से पर्यटक फिरोजपुर शहर तूड़ी बाजार स्थित क्रांतिकारियों का गुप्त ठिकाना देखने पहुंच रहे हैं। ठिकाने में रहने वाले लोग उन्हें ठिकाना देखने से रोक रहे हैं। इस प्रकार की शिकायतें सुनने को मिल रही हैं। इस बात की पुष्टि करने जब शुक्रवार को गुप्त ठिकाना देखने पहुंचे तो वहां रहने वाले राजू नामक व्यक्ति ने रोक दिया और इमारत संबंधी गलत जानकारी देने लगा। जब उसे बताया कि हम पत्रकार हैं, तो कहने लगा कि प्रशासन इसे यादगार बनाए और उन्हें कहीं दो मरले का मकान खरीदकर दे। इमारत के ऊपरी हिस्से में उसका परिवार रहता है। कई वर्षों से यहां रह रहा है। उधर, दस अगस्त 1928 को ठिकाने की इमारत किराये पर लेने वाले क्रांतिकारी डा. गया प्रसाद के बेटे क्रांति कुमार वासी कानपुर (यूपी) ने कहा कि ठिकाना देखने से रोकना गलत है। कोई भी व्यक्ति शहीदों की यादगार देखने जा सकता है। क्रांति कुमार ने कहा कि उनका इंटरव्यू करने एक संस्था के लोग कानपुर पहुंचे थे, जब उन्होंने उनसे कहा कि वे फिरोजपुर तूड़ी बाजार स्थित गुप्त ठिकाने का वीडियो बनाकर आए हैं। उन्हें तब हैरानी हुई जब उन्होंने उनसे कहा कि वहां उनसे इस बाबत लेन-देन हुआ है। यह बात क्रांति कुमार को ठीक नहीं लगी, क्रांति कुमार ने कहा कि फिरोजपुर का प्रशासन शहीदों की यादगार देखने पहुंच रहे लोगों के साथ ऐसा कैसे होने दे सकता है। इसी तरह, ठिकाने को यादगार बनाने के लिए संघर्ष कर रही नौजवान भारत सभा के महासचिव मंगा आजाद ने कहा कि ठिकाना देखने आने वाले को रोका नहीं जा सकता है। चाहे किसी का परिवार ऊपर क्यों न रहता हो ? आजाद ने कहा कि कैबिनेट मंत्री अनमोल गगन मान से ठिकाने को यादगार बनाने संबंधी मिल चुके हैं, ये जल्द ही यादगार बनाया जाएगा। आजाद ने कहा कि वह अपने साथियों को लेकर गुप्त ठिकाने पर पहुंच रहे हैं, देखेंगे कौन ठिकाने को देखने के लिए लोगों को रोकता है। खोजी लेखक राकेश कुमार वासी सुनाम का कहना है कि गुप्त ठिकाना शहीदों की यादगार है। इसे देखने से कोई नहीं रोक सकता है। जिला प्रशासन को चाहिए एक माह स्कूलों व कालेजों में बच्चों को छुट्टियां पड़ी हैं, वहां ऐसा इंतजाम किया जाए कि शहीदों की इस इमारत को कोई देखने से रोक न सके।

मुख्यमंत्री गहलोत ने पाली में आत्मीयता से सुनी लोगों की परिवेदनाएं

पाली (हिंस)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि आमजन की समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए सरकार कटिबद्ध है। हर आहत को राहत पहुंचाना ही सरकार का ध्येय है। इसके लिए ढेरों जनकल्याणकारी योजनाएं लागू की गई हैं तथा उसका लाभ भी लोगों को मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने यह बात पाली जिले की दो दिवसीय यात्रा के अंतिम दिन रविवार को सर्किट हाउस में जनसुनवाई करते हुए कही। बडी संख्या में पहुंचे लोगों से मुख्यमंत्री ने मुलाकात कर आत्मीयता से उनकी परिवेदनाएं सुनी और अधिकारियों को त्वरित निस्तारण के लिए निर्देशित किया। मुख्यमंत्री गहलोत ने सर्किट हाउस में बारी-बारी से आमजन से मुलाकात की। लोगों ने पाली जिले को दी गई सौगातों के लिए मुख्यमंत्री का आभार जताया। साथ ही, विभिन्न समस्याओं और मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपे। मुख्यमंत्री ने एक-एक व्यक्ति की बात को ध्यान से सुना। जिला कलक्टर नमित मेहता, पुलिस अधीक्षक डॉ गगनदीप सिंगला सहित संबंधित अधिकारियों से फीडबैक लेते हुए

आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान संभागीय आयुक्त के सी मीणा, पुलिस महानिरीक्षक जयनारायण शेर सहित सभी जिला स्तरीय अधिकारीगण, जनप्रतिनिधि एवं आमजन मौजूद रहे। जनसुनवाई के दौरान सिरोही विधायक एवं मुख्यमंत्री सलाहकार संयम लोढा, मारवाड़ जंक्शन विधायक खुशवीर सिंह जोजावर, अतिरिक्त जिला कलक्टर प्रशासन चंद्रभानसिंह भाटी, एडीएम सिलिंग जब्बरसिंह, यूआईटी सचिव वीरेंद्र चौधरी, मारवाड़ जंक्शन एसडीएम पंकज जैन, पूर्व सांसद बद्रीराम जाखड़, गांधी दर्शन समिति जिला संयोजक केवलचंद गुलेच्छा, पूर्व संसदीय सचिव दिलीप चौधरी, समाजसेवी महावीरसिंह सुकरलाई, आर्थिक पिछड़ा वर्ग आयोग सदस्य शिशुपाल सिंह निम्बाड़ा, प्रदीप हिंगड़, क्रीडा परिषद उपाध्यक्ष यशपाल सिंह कुम्पावत मौजूद रहे। पटेल समाज के करीब 500 से अधिक लोग परंपरागत पोशाक में सर्किट हाउस पहुंचे। उन्होंने पाली को संभाग बनाने सहित ढेरों सौगातें देने पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का अभिनंदन किया। समाज के लोगों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री गहलोत ने कहा कि उनकी पाली जिले से बहुत पुरानी आत्मीयता है। पाली को जोधपुर का छोटा भाई मनाते हुए उसके विकास में कभी कोई कमी नहीं रखी। उन्होंने समाज के लोगों से राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ लेने तथा अन्य लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करने का आह्वान किया।

महिला पहलवानों के समर्थन में उतरी महिला कांग्रेस

हिसार (हिंस)। भाजपा सांसद एवं रेसलिंग संघ के अध्यक्ष रहे बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ अब महिला कांग्रेस भी उतर आई है। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के निर्देशानुसार रविवार को महिला कांग्रेस ग्रामीण जिला अध्यक्ष संतोष जून एवं शहरी अध्यक्ष स्नेहलता निंबल ने पत्रकार वार्ता करके पहलवानों के लिए न्याय मांगा। ग्रामीण महिला अध्यक्ष संतोष जून एवं शहरी महिला अध्यक्ष स्नेहलता निंबल ने कहा कि हमारी पहलवान बेटियां जो मेडल जीत कर लाई थी वो आज जंतर मंतर पर न्याय मांगने के लिए बैठी है। भाजपा सरकार बृजभूषण शरण को गिरफ्तार करने की बजाय उसे बचा रही है जो निंदनीय है। उन्होंने मांग की कि बृजभूषण को तुरंत गिरफ्तार किया जाए ताकि महिला पहलवानों को न्याय मिल सके। उन्होंने कहा कि हमारी बेटियां दर-दर की ठोकरें खाने के लिए मजबूर हो चुकी है। यह सरकार दोषी को सजा ना देकर उसके दोष को सही करने के लिए कानून में परिवर्तन करने की सोच रही है। यह सोच सरकार की छोटी मानसिकता को दर्शाता है। शहरी महिला अध्यक्ष स्नेह लता निंबल कहा कि गत दिवस दिल्ली पुलिस ने महिला खिलाड़ियों के साथ अभद्र व्यवहार किया और देश में इससे शर्मनाक घटना आज तक नहीं हुई है। जिन खिलाड़ियों को पदम भूषण दिया गया है और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के अवार्ड जीतकर भारत की झोली में डाले हैं, उन खिलाड़ियों को इस तरह सरेआम सड़कों पर घसीटा गया। बृजभूषण जैसे व्यक्ति को जेल में जाना चाहिए लेकिन केंद्र सरकार खिलाड़ी बेटियों को जेल भेजने की तैयारी कर रही है। दिल्ली में धरना देने वाले अधिकतर खिलाड़ी हरियाणा की है। इस मामले में हरियाणा की सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी सरकारी तरफ से पूरी तरह से चुप्पी साध रखी है, केंद्र सरकार द्वारा बृजभूषण सिंह को बचाने में हरियाणा सरकार भी पूरा सहयोग कर रही है। इस अवसर पर पूर्व पार्षद वीरमति सरोहा, महिला महासचिव शारदा यादव, शांति देवी आदि मौजूद रहे।

बीकानेर : आसमान में दिखी खगोलीय घटना

बीकानेर (हिंस)। बीकानेर में रविवार को एक खगोलीय घटना देखी गई। लोगों ने इसे मोबाइल कैमरे में भी कैद किया। सुबह 11.40 बजे से करीब एक घंटे तक सूर्य के चारों ओर एक वलय रहा। विज्ञान के हिसाब से सूर्य वलय बनाना एक सामान्य खगोलीय घटना है। महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय के प्रोफेसर अनिल कुमार छंगाणी के मुताबिक यह एक खगोलिय घटना है। रिंग सूर्य और चंद्रमा का खूबसूरत गोलाकार प्रभामंडल कई बार बनता है। 22 डिग्री एंगल पर सूर्य और चंद्रमा एक-दूसरे से मिलते हैं। यह दृश्य सूर्य या चंद्रमा की रोशनी पर नहीं, बल्कि एटमॉस्फेरिक आइस क्रिस्टल और लाइट के रिफ्लेक्शन से बनता है। 22 डिग्री का ये वलय (रिंग) है जो प्रकाश के फैलाव के कारण दिखाई देता है। सूर्य के प्रभामंडल को 22-अंश-अंगूठी प्रभामंडल भी कहा जाता है। वलय वातावरण में मौजूद हेक्सागोनल क्रिस्टल के कारण होता है। जब वातावरण में मौजूद पानी की बूंदों पर प्रकाश पड़ता है तो उसके विकिरण के कारण यह घटना घटती है। कई बार इस गोले में इंद्रधनुष की तरह कई रंग भी नजर आते हैं। जब प्रकाशमय या एनर्जी से लबरेज किसी चीज के चारों ओर गोलाकार आकृति बन जाए तो उसे हालो कहते हैं। इस कारण इसे सोलर हालो कहा जाता है यूरोपीय देशों में ऐसा होना सामान्य है। भारत में इससे पहले वाराणसी, कोलकाता, सतारा महाराष्ट्र व सिवान जिले आदि में पूर्व में ऐसी घटनाएं हो चुकी है।

जम्मू-कश्मीर में अधिकांश स्थानों पर तापमान में वृद्धि

जम्मू (हिंस)। जम्मू-कश्मीर में रविवार को अधिकांश स्थानों पर तापमान में वृद्धि दर्ज की गई। मौसम विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि श्रीनगर में पिछली रात के 9.8 डिग्री सेल्सियस के मुकाबले न्यूनतम तापमान 10.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। काजीगुंड में न्यूनतम तापमान 8.4, पहलगाम में 4.0, कुपवाड़ा शहर में पारा 8.2 डिग्री सेल्सियस, कोकरनाग में न्यूनतम तापमान 8.5, गुलमर्ग में 3.6 डिग्री सेल्सियस कम दर्ज किया गया। जम्मू में पिछली रात के 18.6 डिग्री सेल्सियस के मुकाबले न्यूनतम तापमान 21.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बनिहाल में न्यूनतम तापमान 11.3 डिग्री सेल्सियस, बटोटे में 14.0 डिग्री सेल्सियस, कटरा में 18.7 डिग्री सेल्सियस और भद्रवाह में 9.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

कार ने बाइक को मारी टक्कर, दो की मौत

सिरोही (हिंस)। आबूरोड सदर थाना क्षेत्र स्थित किंवरली के पास शनिवार रात सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई, जबकि एक महिला गंभीर रूप से जख्मी हो गई। हादसा बाइक और कार की टक्कर से हुआ। सदर थाने के एसआई कुईयाराम ने बताया कि किंवरली के पास बाइक सवार भाई-बहन पिंडवाड़ा से अपने घर लौट रहे थे, तभी पीछे से आ रही कार ने टक्कर मार दी। हादसे के बाद कार इतनी तेज गति में थी कि तीन से चार बार रोड पर पलटी खा गई। हादसे के बाद मौके पर आस-पास के लोग एकत्रित हो गए और एंबुलेंस को बुलाकर बाइक सवार जख्मी भाई-बहन को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। भाई की रास्ते में ही मौत हो गई, वहीं गंभीर रूप से जख्मी बहन का उपचार जारी है। इधर, कार चालक युवक की भी दुर्घटना में मौत हो गई। सदर थाने के हैड कांस्टेबल जितेंद्र वैष्णव ने बताया कि मृतक अल्पेश प्रजापत अपनी बहन अंजू को लेकर घर जा रहा था। किंवरली के पास कार ने पीछे से बाइक को टक्कर मार दी, जिसमें गंभीर रूप से जख्मी हुए अल्पेश की मौत हो गई।

सिद्धू-मजीठिया की जफ्फी का विवाद

भगवंत मान ने बिना नाम लिए कसा तंज..., कहा-एक थाली के चट्टे-बट्टे

चंडीगढ़। कांग्रेस नेता नवजोत सिंह सिद्धू और बिक्रम सिंह मजीठिया की जफ्फी को लेकर शुरू हुए विवाद में मुख्यमंत्री भगवंत मान ने बड़ा जुबानी हमला बोला है। इस बारे में उन्होंने एक ट्वीट किया, हालांकि उन्होंने किसी का नाम नहीं लिखा। मान ने ट्वीट किया-जनरल डायर को रोटियां खिलाने वाले, धार्मिक स्थानों पर टैंक चढ़ाने वाले, गुरु साहिब की बेअदबी करवाने वाले, देश को धर्म के नाम पर लड़वाने वाले, किसान विरोधी कानून बनाने वाले, तस्करों को गाड़ियों में बिठाने वाले, बात बात पर ताली ठुकवाने वाले, शहीदों की यादगारों में पैसे कमाने वाले... हो गए सारे इकट्ठे। इसे कहते हैं-एक थाली के चट्टे बट्टे। कांग्रेस के सीनियर नेता नवजोत सिंह सिद्धू और शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के नेता बिक्रम सिंह मजीठिया की जफ्फी पर इन दिनों पंजाब की राजनीति गरमाई

हुई है। शनिवार को भी एक जनसभा में भगवंत मान ने कहा था कि देख लो जफ्फी डालने वालों का अब असली रूप सामने आ गया है। उन्होंने कहा कि अब पुराना जमाना नहीं है। आजकल के युवा बहुत जागरूक हैं, पढ़े लिखे है। हर हाथ में मोबाइल फोन हैं। वह मोबाइल से पुराने वीडियो निकाल लेते हैं। पता चल चल जाता है कि पहले क्या बोलते थे और अब क्या कर रहे हैं। उन्होंने कहा जो दिल में है, वहीं जुबान पर होना चाहिए। इससे पहले कांग्रेस के दिग्गज नेता व लुधियाना के सांसद रवनीत सिंह बिट्टू ने भी जफ्फी पर तंज कसा था। उन्होंने कहा कि ये दोनों ऐसे मिले जैसे 47 के बंटवारे में बिछड़े हुए हैं। पता नहीं इन दोनों में क्या डील हुई है, जो पहले 75-25 करते थे, अब क्या इनमें क्या समझौता हो गया। उन्होंने कहा कि सिद्धू की जफ्फी रिटायरमेंट का संकेत दे रही है।

किसी भी मंदिर में किसी तरह का कोई दबाव नहीं : रावत

जोधपुर(हिंस)। देवस्थान विभाग मंत्री शकुंतला रावत जोधपुर पहुंचीं। उन्होंने सरकारी नियंत्रण से मंदिरों को मुक्त करने के मुद्दे पर भी बात की। मंदिरों से सरकारी नियंत्रण खत्म करने को लेकर चल रही मांग को लेकर कहा कि किसी भी मंदिर में किसी तरह का कोई दबाव नहीं है। देवस्थान विभाग के मंदिरों में सरकार नियंत्रण नहीं रखती बल्कि मंदिरों के विकास और रखरखाव का ध्यान रखती है। मंदिरों का जीर्णोद्धार भी सरकार करवाती है। जिसका उद्देश्य हमारे मंदिरों को सुरक्षित रखना है।

बिजली निगम के खिलाफ किसानों का आंदोलन शुरू

किसान कर रहे खेतों के ऊपर से बिजली लाइन ले जाने का विरोध

हिसार (हिंस)। जिले के गांव कालीरावण में किसानों ने बिजली निगम के खिलाफ रविवार से आंदोलन शुरू कर दिया है। इसके तहत किसानों ने गांव से गुजरने वाली नहर पर पक्का मोर्चा लगाकर नारेबाजी की। यहां पर तीन गांवों भोडा होशनाक, कालीरावण व खासा महाजन के किसानों ने पक्का मोर्चा लगाकर नारेबाजी की। धरनारत किसान छोटूराम गढ़वाल, मांगेराम, राजेश व अन्य ने कहा कि आदमपुर में अग्रोहा परमाणु संयंत्र अधिकारियों के लिए रिहायशी सेक्टर बनाए जा रहे हैं। इसके लिए जा रही 33 केवी लाइन के लिए टॉवर खेतों में लगाए जाने की योजना है लेकिन किसान अपने खेतों से लाइन नहीं ले जाने देंगे। अगर ऐसा होने दिया तो बिजली विभाग जमीन पर कब्जा कर लेगा। किसानों ने कहा कि विभाग के फैसले के विरोध में किशनगढ़ कालीरावण की 52 हेड नहर पर किसान पक्का मोर्चा लगाकर बैठ गए हैं।

महाराजा अग्रसेन ने देश को एक सूत्र में पिरोने का काम किया : बजरंग गर्ग

हिसार (हिंस)। अग्रोहा धाम वैश्य समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष बजरंग गर्ग ने कहा है कि महाराजा अग्रसेन ने एक रहेगा भारत देश का नारा देकर सभी को एक सूत्र में पिरोने का काम किया है। उन्होंने कहा कि अग्रोहा धाम में जो भी व्यक्ति दर्शन के लिए आता है माता लक्ष्मी जी उसकी हर मनोकामना पूरी करती है। वे रविवार को पूर्णिमा के अवसर पर अग्रोहा धाम में माता लक्ष्मी जी का छप्पन भोग, भंडारा, भव्य भजन कीर्तन के अवसर पर वैश्य समाज के प्रतिनिधियों की बैठक को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर सभी ने पूजा अर्चना की। बजरंग गर्ग ने कहा कि अग्रोहा धाम के साथ देश के नागरिकों की आस्था जुड़ी हुई है। अग्रोहा धाम में जो भी व्यक्ति दर्शन के लिए आता है माता लक्ष्मी जी उसकी हर मनोकामना पूरी करती है और उसके घर व

जीवन में सुख शांति बनी रहती है। माता लक्ष्मी जी की असीम कृपा से धन की प्राप्ति होती है। उन्होंने कहा कि अग्रोहा धाम के नेतृत्व में वैश्य समाज पूरे देश में सामाजिक व धार्मिक कार्यों में लगा हुआ है। देश व प्रदेश के विकास व तरक्की में वैश्य समाज का बड़ा भारी योगदान है, जिसे भुलाया नहीं जा सकता है। बजरंग गर्ग ने कहा कि महाराजा अग्रसेन जी देश में पहले ऐसे राजा हुए जिन्होंने गरीबों को ऊंचा उठाने का काम किया और हर जरूरतमंद व गरीब व्यक्ति को हर घर से एक ईंट एक मुद्रा देने की परंपरा अपने राज्य में लागू की। इतना ही नहीं जीव हत्या पर पूरी तरह से रोक लगाने का काम भी उन्होंने किया। महाराजा अग्रसेन जी ने अपनी प्रजा के लिए पूरे धन व अन्न के सारे भंडार तक खाली कर दिए ताकि उनकी नगरी में कोई भूखा ना रहे। बजरंग गर्ग ने अन्य राज्यों से आए हुए अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर स्वरूप चंद सिंगला व कांता गोयल पंजाब, हर पतराय टांटिया राजस्थान, महेश अग्रवाल मथुरा, महेंद्र गोयल यूपी, संदीप अग्रवाल दिल्ली, प्रकाश चंद्र अग्रवाल सूरत, प्रदीप अग्रवाल छत्तीसगढ़, राम नारायण गुप्ता चंडीगढ़, चुड़िया राम गोयल टोहाना, अनंत अग्रवाल बरवाला, राम कुमार गुप्ता उत्तराखंड, श्याम लाल बंसल हिमाचल आदि समाज के प्रतिनिधि भारी संख्या में मौजूद थे।

रूस से भारत खरीद रहा सबसे ज्यादा कच्चा तेल, तमाम उपायों के बाद ओपेक देशों से नहीं बढ़ रही सप्लाई

नई दिल्ली।
भारत की ओर से रूसी कच्चे तेल का आयात महीने दर महीने बढ़ता जा रहा है। मई में इसने एक नया रिकॉर्ड कायम किया है। रूस से डिस्काउंट मिलने के कारण भारतीय तेल कंपनियां लगातार रूसी कच्चा तेल की खरीद बढ़ा रही हैं।

इंडस्ट्री डाटा के मुताबिक, पिछले महीने भारत ने रूस से उतना कच्चा तेल खरीदा था, जितना कि सऊदी अरब, इराक, यूएई और यूएस से मिलकर खरीदा है।

भारत ने रूस से मई में कितना कच्चा तेल आयात किया

एनर्जी कार्गो ट्रैकर वोर्टेक्सा की ओर से दिए गए डेटा के मुताबिक, भारत ने मई में रूस से 19.6 लाख बैरल प्रतिदिन कच्चे तेल का आयात किया है, जो कि अप्रैल में रूस से होने वाले कच्चे तेल के आयात से 15 प्रतिशत अधिक है। यह मई में भारत की ओर से किए गए कच्चे तेल के आयात का 42 प्रतिशत था। पिछले कुछ सालों में भारत के कच्चे तेल आयात में ये किसी एक देश की ओर से प्राप्त की गई सबसे बड़ी हिस्सेदारी है।

ओपेक से कितना किया भारत ने आयात

तेल उत्पादक देशों के समूह ओपेक से भारत कच्चे तेल आयाक का 39 प्रतिशत ही आयात किया है। यह भारत का ओपेक से कच्चे तेल आयात का सबसे न्यूनतम स्तर है। एक समय भारत की ओर से आयात किया जाने वाला 90 प्रतिशत कच्चा तेल ओपेक देशों से आयात किया जाता था। ओपेक देशों की ओर से भारत को मई 18 लाख बैरल प्रतिदिन कच्चे तेल का निर्यात किया गया है, जो कि अप्रैल में 21 लाख बैरल प्रतिदिन था

लगातार आठ महीनों से रूस बना न.1 सप्लायर

यह लगातार आठवां महीना है जब रूस भारत के कच्चे तेल आयात में न.1 सप्लायर बना हुआ है। मई में भारतीय कच्चे तेल के आयात में रूस की हिस्सेदारी 42 प्रतिशत की रही है।

न्यूज ब्रीफ

बाल्को में अपनी बची हुई हिस्सेदारी बेचने की तैयारी में सरकार, मध्यस्थता विवाद में सुलह की कर रही कोशिश

नई दिल्ली । सरकार बाल्को कंपनी में अपनी बची हुई 49 प्रतिशत हिस्सेदारी में से कुछ हिस्सा बेचने की तैयारी कर रही है। इसके लिए सरकार कंपनी के शेयर स्टॉक मार्केट में लिस्टिंग करने की योजना बना रही है। हालांकि मध्यस्थता विवाद सरकार की राह में रोड़ा बना हुआ है, इसके लिए सरकार बाल्को के प्रमोटर वेदांता समूह के साथ बातचीत कर रही है। डिपार्टमेंट ऑफ इन्वेस्टमेंट एंड पब्लिक एसेट मैनेजमेंट के सचिव तुहिन कांत ने यह जानकारी दी है। तुहिन कांत ने बताया कि वेदांता लिमिटेड के साथ अभी शुरुआती बातचीत हुई है। बता दें कि बाल्को के प्रमोटर वेदांता समूह ने साल 2009 में सरकार के खिलाफ मध्यस्थता कानून के तहत वाद दायर किया था। अब सरकार वेदांता लिमिटेड के साथ बातचीत कर इस मध्यस्थता विवाद को खत्म कर सुलह की कोशिश कर रही है। तुहिन कांत ने बताया कि अगर कंपनी की पब्लिक लिस्टिंग करनी है तो इसके लिए मध्यस्थता विवाद को वापस लेना पड़ेगा। केंद्र सरकार ने साल 2001 में सरकारी कंपनी भारत एल्युमिनियम कंपनी लिमिटेड (बाल्को) में 51 फीसदी हिस्सेदारी स्टर्लाइट इंडस्ट्रीज लिमिटेड को बेच दी थी। स्टर्लाइट इंडस्ट्रीज लिमिटेड वेदांता समूह की कंपनी है। यह सौदा 551 करोड़ रुपए में हुआ था। सौदे के तहत एक शेयरहोल्ड समझौता किया गया था, जिसके तहत स्टर्लाइट साल 2004 तक बाकी 49 प्रतिशत हिस्सेदारी के भी अधिग्रहण का अधिकार दे दिया गया। इसके तहत वेदांता समूह ने साल 2004 में बाल्को की इस हिस्सेदारी को खरीदने के लिए 1099 करोड़ रुपए की डील ऑफर की। हालांकि सरकार ने हिस्सेदारी बेचने से इनकार कर दिया। कैग ने भी अपनी रिपोर्ट में इस सौदे की कीमत ज्यादा आंकी थी। सरकार के सौदे से इनकार के चलते ही वेदांता समूह ने सरकार के खिलाफ मध्यस्थता विवाद के तहत वाद दायर किया था। अब सरकार स्टॉक मार्केट के जरिए बाल्को में अपनी बची हुई 49 प्रतिशत हिस्सेदारी में से कुछ हिस्सा बेचना चाहती है ताकि कंपनी की कीमत का सही मूल्यांकन हो सके।

भारतीय शेयर बाजार पर एफपीआई ने की पैसों की बारिश, मई में 44000 करोड़ के करीब का किया निवेश

नई दिल्ली। फॉरेन पोर्टफोलियो निवेशकों की ओर से भारत बाजार में मई में रिकॉर्ड 43,838 करोड़ रुपये का निवेश किया गया है। यह पिछले नौ महीने में विदेशी निवेशकों की ओर से किए गए निवेश का सबसे बड़ा आंकड़ा है। डिपॉजिटरी की ओर से जारी किए डाटा के मुताबिक, एफपीआई की ओर से जून में भी सकारात्मक रुझान बना हुआ है और इस महीने के दो कारोबारी सत्रों में 6,490 करोड़ रुपये का निवेश किया गया है। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के प्रमुख निवेश रणनीतिकार वीके विजयकुमार की ओर से समाचार एजेंसी को बताया गया कि जीडीपी के आंकड़े अनुमान से बेहतर और हाई फ्रीक्वेंसी इंडीकेटर दिखाते हैं कि अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है।

ओडिशा ट्रेन हादसे के पीड़ितों को एलआईसी देगी छूट, मानदंडों को बनाया आसान

मुंबई । ओडिशा के बालासोर में शुक्रवार एक भीषण ट्रेन हादसा हो गया। चेन्नई-हावड़ा, कोरोमंडल एक्सप्रेस और मालगाड़ी ट्रेनों की जोरदार टक्कर में अबतक कुल 288 लोगों की मौत हो गई और 700 लोग घायल हुए है। घायलों और गंभीर रूप से घायलों का इलाज अस्पताल में चल रहा है। इस बीच एलआईसी ने ओडिशा ट्रेन हादसे के पीड़ितों के लिए राहत की घोषणा की है। राष्ट्रीय बीमा कंपनी एलआईसी ने शनिवार को बालासोर ट्रेन त्रासदी के पीड़ितों के लिए दावा निपटान प्रक्रिया के लिए कई ढील देने की घोषणा की। दो यात्री ट्रेनों और एक खड़ी मालगाड़ी के बीच हुई दुर्घटना में अब तक कम से कम 288 लोगों की मौत हो गई है और 1,100 से अधिक लोग घायल हो गए हैं। एलआईसी के अध्यक्ष सिद्धार्थ मोहंती ने बयान में कहा कि हम शुक्रवार को ओडिशा के बालासोर में हुई दुखद ट्रेन दुर्घटना से बहुत दुखी हैं। एलआईसी प्रभावित लोगों का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है और वित्तीय राहत प्रदान करने के लिए दावा निपटान में तेजी लाएगी।

मजबूत अर्थव्यवस्था में भी करोड़ों बेरोजगार, आर्टीफीशियल इंटेलिजेंस से बढ़ेगी परेशानी

नई दिल्ली।
वित्त वर्ष 2022-23 में कुल जीएसटी कर संग्रह 18.10 लाख करोड़ रुपये रहा। यानी हर महीने का औसत जीएसटी कर संग्रह 1.51 लाख करोड़ से अधिक बना रहा। कई महीनों में 1.5 लाख करोड़ की मनोवैज्ञानिक सीमा से ऊपर रहा तो किसी भी महीने में यह कर संग्रह एक लाख करोड़ रूपये से कम नहीं दर्ज किया गया। इन्हीं आंकड़ों का असर रहा कि 2023 की पहली तिमाही में देश की अर्थव्यवस्था 6.1 प्रतिशत की दर से आगे बढ़ी। चूंकि, जीएसटी कर संग्रह वस्तुओं-सेवाओं की बिक्री और खरीद पर आधारित है, यह मानने के लिए ठोस आधार हैं कि इस दौरान देश की अर्थव्यवस्था अच्छी गति से आगे बढ़ी। इसका महत्व इस अर्थ में और ज्यादा बढ़ जाता है कि इसी दौर में विश्व की सभी प्रमुख अर्थव्यवस्थाएं संघर्ष कर रही हैं। यूरोप और अमेरिका ऊंची मुद्रास्फीति से परेशान हैं और उनका महंगाई कंट्रोल करने का कोई तरीका काम नहीं करता दिखाई पड़ा है। इसी दौर में यदि भारत ने न केवल महंगाई पर लगाम बनाए रखी है तो विकास दर भी अच्छे स्तर पर बनाए रखने में सफलता पाई है।

बढ़ रही बेरोजगारी – लेकिन 2023 की जिस पहली तिमाही में देश की अर्थव्यवस्था ने 6.1 प्रतिशत की दर से वृद्धि दर्ज किया, उसी तिमाही के पहले महीने यानी जनवरी में देश में बेरोजगारी दर 7.14 प्रतिशत थी। देश में मार्च में बेरोजगारी दर 7.8 प्रतिशत तो बीते अप्रैल माह में बढ़कर 8.11 प्रतिशत हो गई। बीते एक वर्ष में देश में औसत बेरोजगारी दर 7.6 प्रतिशत या उसके ऊपर रही। ये आंकड़े यह बताने के लिए पर्याप्त हैं कि विकास के आंकड़े सबको रोजगार देने में असफल साबित हो रहे हैं। इसका कारण क्या है

पूरी तस्वीर नहीं दिखाते ये आंकड़े – प्रसिद्ध अर्थशास्त्री प्रो. अरुण कुमार ने अमर उजाला से कहा कि जिन आंकड़ों के आधार पर देश की अर्थव्यव्यवस्था को बेहतर बताने की कोशिश की जा रही है, ये पूरी सत्यता नहीं बयां करते। ये आंकड़े संगठित क्षेत्र की उन बड़ी कंपनियों के होते हैं जिनकी सूचना सरकार के पास उपलब्ध हो पाती है। इनमें देश की कुल कार्यशील क्षमता के केवल 6 प्रतिशत लोग ही काम करते हैं। भारत के असंगठित क्षेत्र में देश के लगभग 94 प्रतिशत कामगार काम करते हैं, लेकिन इनका कोई आधिकारिक आंकड़ा सरकार के पास उपलब्ध नहीं होता।

कामगारों की भागीदारी कम हो रही – चीन जैसी अर्थव्यवस्था में लेबर फोर्स पार्टिसिपेशन का अनुपात लगभग 65 प्रतिशत है, जबकि चीन की तुलना में कम मशीनीकृति भारत में यह अनुपात केवल 43 प्रतिशत के करीब है। ऐसे में माना जा सकता है कि भारत में लगभग 20 प्रतिशत के करीब लोग ऐसे हैं जो काम कर सकते हैं, लेकिन उनके पास कोई काम नहीं है। एक अनुमान के अनुसार यह आंकड़ा 19 करोड़ के करीब हो सकता है। अर्थव्यवस्था की यह तस्वीर भयावह है जिसका सच इन आंकड़ों में सामने नहीं आ पाता। प्रो. अरुण कुमार ने कहा कि ये 19 करोड़ लोग वे हैं जिन्हें काम न मिलने के कारण अब उन्होंने काम की तलाश करना ही छोड़ दिया है। इनका भार भी उसी कार्यबल पर है जो स्वयं छिपी हुई बेरोजगारी के शिकार हैं। इससे परिवार की आर्थिक स्थिति और ज्यादा खराब होती है और उनके जीवन स्तर पर नकारात्मक असर पड़ता है। इसका असर खराब स्वास्थ्य और बिखरते सामाजिक संबंधों के रूप में अनेक रूपों में दिखाई पड़ता है।

संगठित-असंगठित क्षेत्र में अंतर – इन दिनों भारत में ई कॉमर्स कंपनियों का बड़ा जाल दिखाई पड़ रहा है। लोग घर बैठे मोबाइल पर मोबाइल, कपड़े, मशीनों के साथ-साथ खाने-पीने का सामान तक ऑर्डर कर रहे हैं। जब तक ई कॉमर्स कंपनियां बाजार में नहीं थीं, लोगों को यही सामान खरीदने के लिए बाजार जाना पड़ता था। इससे छोटे-छोटे दुकानदारों को बिजनेस मिलता था। लेकिन अब यह पूरा बाजार शिफ्ट होकर ई कॉमर्स कंपनियों के पास चला गया है।

समय रहते कदम उठाने की आवश्यकता – इससे ई कॉमर्स कंपनियां लगातार मजबूत हो रही हैं तो छोटे-छोटे दुकानदारों की कमाई खत्म हो रही है। बड़ी कंपनियां एक स्टोर से सामान पैक कर लोगों के घरों तक पहुंचा रही हैं जिससे उनका खर्च भी बहुत कम आ रहा है और वे ज्यादा लाभ भी कमा रही हैं, जबकि खुदरा व्यापारी को दुकान का किराया, बिजली-पानी का खर्च सहित अनेक खर्च चुकाने पड़ते हैं। आने वाले समय में जैसे-जैसे आर्टिफिशियल तकनीकी का प्रभाव बढ़ेगा, लोगों की नौकरियां जाएंगी और यह समस्या बहुत ज्यादा बढ़ जाएगी। सरकार को उस परिस्थिति का बेहतर आकलन करते हुए समय रहते कदम उठाने की आवश्यकता है।

गूगल ने शुरू किया प्रीसाइज लोकेशन सपोर्ट का नया फीचर

सैन फ्रांसिस्को। गूगल ने अपने एआई चैटबॉट बार्ड में प्रीसाइज लोकेशन सपोर्ट जोड़ा है। गूगल ने कहा, यदि आप इसे अपने डिवाइस के प्रीसाइज लोकेशन का उपयोग करने देना चुनते हैं तो बार्ड अधिक प्रासंगिक प्रतिक्रिया देना शुरू कर सकता है। आप लोकेशन सेटिंग में अपनी प्रेफरेंस मैनेज कर सकते हैं, जो एक नई विंडो में खुलता है। कंपनी के अनुसार, प्रीसाइज लोकेशन बार्ड को आपके आस-पास के रेस्तरां और आपके क्षेत्र के बारे में कई अन्य चीजों के बारे में अधिक प्रासंगिक प्रतिक्रियाएं प्रदान करने में मदद करता है।

सरकार ने खांसी, बुखार, बदनदर्द की 14 दवाओं पर लगाया प्रतिबंध

नई दिल्ली ।
सरकार ने निमेसुलाइड और घुलनशील पेरासिटामोल गोलियों एवं क्लोफेनिरामाइन मैलेट तथा कोडीन सीरप सहित 14 एफडीसी दवाओं पर प्रतिबंध लगा दिया है। इसने कहा कि इन दवाओं का कोई चिकित्सीय औचित्य नहीं है और ये लोगों के लिए खतरनाक हो सकती हैं। फिक्स्ड डोज कॉम्बिनेशन (एफडीसी) वाली इन दवाओं पर प्रतिबंध लगाने के बारे में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक अधिसूचना जारी की। प्रतिबंधित दवाओं में सामान्य संक्रमण, खांसी और बुखार के इलाज के लिए उपयोग की जाने वाली मिश्रित दवाएं शामिल हैं। इनमें निमेसुलाइड व पेरासिटामोल की घुलनशील गोलियां, क्लोफेनिरामाइन मैलेट + कोडीन सीरप, फोलकोडाइन + प्रोमेथाज़िन, एमोक्सिसिलिन + ब्रोमहेक्सिन और ब्रोमहेक्सिन + डेक्सट्रोमेथोर्फन + अमोनियम क्लोराइड + मेन्थॉल, पैरासिटामोल + ब्रोमहेक्सिन+ फिनाइलफ्राइन + क्लोरफेनिरामाइन + गुइफेनेसिन और सालबुटामोल + ब्रोमहेक्सिन के नाम हैं। विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों के बाद यह कदम उठाया गया है।

विशेषज्ञ समिति ने कहा कि इस एफडीसी (फिक्स्ड डोज कॉम्बिनेशन) का कोई चिकित्सीय औचित्य नहीं है और एफडीसी से मानव के लिए जोखिम शामिल हो सकता है। इसलिए बड़े जनहित में औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 की धारा 26 ए के तहत इस एफडीसी के विनिर्माण, बिक्री या वितरण पर रोक लगाना आवश्यक है। एफडीसी दवाएं वे होती हैं जिनमें एक निश्चित अनुपात में दो या दो से अधिक सक्रिय औषधीय सामग्री का मिश्रण होता है। वर्ष 2016 में सरकार ने 344 दवा संयोजनों के निर्माण, बिक्री और वितरण पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की थी। यह घोषणा सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर गठित एक विशेषज्ञ समिति के यह कहने के बाद की गई थी कि संबंधित दवाएं बिना वैज्ञानिक डेटा के रोगियों को बेची जा रही हैं। इस आदेश को विनिर्माताओं ने अदालत में चुनौती दी थी। वर्तमान में प्रतिबंधित की गईं 14 एफडीसी संबंधित 344 दवाओं के संयोजन का हिस्सा हैं।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने दवाओं पर रोक लगाने एक अधिसूचना जारी की

मार्केटिंग टेक फर्म जूमइन्फो 3 प्रतिशत कर्मचारियों की करेगी छंटनी

सैन फ्रांसिस्को।
अमेरिका स्थित मार्केटिंग टेक्नोलॉजी कंपनी जूमइन्फो ने कहा है कि वह वैश्विक स्तर पर अपने कर्मचारियों की करीब 3 प्रतिशत छंटनी करने की योजना बना रही है। कंपनी नौकरियों में कटौती करने वाली कई अन्य प्रौद्योगिकी कंपनियों में शामिल हो गई।

यूएस सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन (एसईसी) के साथ एक फाइलिंग में जूमइन्फो ने कहा कि संगठनात्मक संरचना को कम करने, निर्णय लेने में तेजी लाने और दीर्घकालिक विकास के लिए महत्वपूर्ण अवसरों में निवेश को सक्षम करने की योजना के बारे में कर्मचारियों को सूचना दी गई है।

उन्होंने कहा, कंपनी का अनुमान है कि वह इस योजना में लगभग 6 मिलियन डॉलर खर्च करेगी, जिसका असर मुख्य रूप से दूसरी तिमाही में होगा।

सीकिंग अल्फा के अनुसार, अपनी सबसे हालिया वार्षिक रिपोर्ट फाइलिंग में, कंपनी ने कहा कि 31 दिसंबर, 2022 तक उसके पास 3,540 कर्मचारी थे।

इसके अलावा, कंपनी ने कहा कि वह सभी

प्रभावित कर्मचारियों को औसतन 10 सप्ताह का विच्छेद वेतन, इक्विटी अवार्ड वेस्टिंग और एक स्वास्थ्य देखभाल और शिक्षा निधि प्रदान करेगी।

जूमइन्फो ने कहा, जैसा कि कंपनी ने अपने सबसे हालिया फाइनेंशियल रिजल्ट कॉन्फ्रेंस कॉल में संकेत दिया है, हम सेल्स, इंजीनियरिंग और कस्टमर सक्सेस के भीतर काम करना जारी रखने और कंपनी की जनरेटिव एआई क्षमताओं का लाभ उठाने के लिए निवेश करने की योजना बना रहे हैं।

इस बीच, जॉब सर्च इंजन जिप रिक्रूटर ने अपने वैश्विक कर्मचारियों की संख्या में लगभग 270 कर्मचारियों की कमी करने की घोषणा की है, जो कंपनी के कर्मचारियों की कुल संख्या का लगभग 20 प्रतिशत है।

एलन मस्क की शेरवानी पहने एआई जनरेटेड तस्वीर वायरल: इंडियन ट्रेडिशनल ड्रेस पर फिदा हुए मस्क, कहा- आई लव इट

नई दिल्ली।
टेस्ला, स्पेसएक्स और ट्विटर के मालिक एलन मस्क अक्सर किसी न किसी वजह से खबरों में बने रहते हैं। इस बार वह किसी रॉकेट लॉन्चिंग या इलेक्ट्रिक व्हीकल के कारण नहीं, बल्कि इंडियन ट्रेडिशनल ड्रेस शेरवानी में अपनी तस्वीर वायरल होने के कारण खबरों में हैं। एक ट्विटर यूजर ने एलन मस्क की मिडजर्नी के जरिए एआई जनरेटेड एक तस्वीर शेयर की। उस तस्वीर में वह शेरवानी पहने हुए दिखाई दे रहे हैं। मस्क को यह लुक पसंद आया है। उन्होंने ट्वीट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा,आई लव इट!

इसके अलावा मस्क की कई एआई जनरेटेड तस्वीरें वायरल हो रही हैं, जिसमें वह भारतीय दूल्हे के रूप में घोड़े की सवारी करते हुए दिखाई दे रहे हैं। इसके साथ ही वह शादी के मेहमानों के साथ पोज देते हुए दिखाई दे रहे हैं।

एलन मस्क की बचपन की एआई जनरेटेड तस्वीर

इसके अलावा नॉट जेरोम पॉवेल नाम के ट्विटर यूजर ने एलन मस्क की बचपन की एआई जनरेटेड तस्वीर की। इसके साथ लिखा,एलन मस्क कथित तौर पर कुछ एंटी एजिंग फॉर्मूले पर काम कर रहे थे लेकिन यह हाथ से निकल गया।

दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति हैं मस्क

एलन मस्क हाल ही में फ्रांस के बर्नार्ड अरनॉल्ट को पीछे छोड़कर दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति की पोजिशन फिर से हासिल कर ली है। ब्लूमबर्ग बिलेनियर्स इंडेक्स के अनुसार, अभी मस्क की कुल नेटवर्थ 199 बिलियन डॉलर (करीब 16.39 लाख करोड़ रुपए) है।

हाल ही में मस्क ने बनाई आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस कंपनी

हाल ही में एलन मस्क ने एक्सएआई नाम से आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस कंपनी बनाई है। टेक्सास शहर के नेवादा में कंपनी का हेडक्वॉर्टर बनाया गया है और मस्क इसके एकमात्र लिस्टेड डायरेक्टर हैं। मस्क के फैमिली ऑफिस के डायरेक्टर जेरेड बिर्चेल को कंपनी का सेक्रेटरी बनाया गया है। इसके बाद मस्क ने एआई चैटबॉट लॉन्च करने का ऐलान किया है। इसके जरिए वह ओपनएआई के चैटजीपीटी और गूगल के बार्ड को टक्कर देंगे।

इनकम टैक्स रिटर्न भरने पर आसानी से मिलता है लोन

सालाना इनकम ढाई लाख से कम है तब भी फाइल करें आईटीआर

नई दिल्ली।
फाइनेंशियल ईयर (वित्त वर्ष) 2022-23 के लिए 31 जुलाई 2023 तक इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करना है। कई लोगों का मानना है कि अगर उनकी सालाना इनकम ढाई लाख से कम है और वो टैक्स के दायरे में नहीं आते हैं तो उन्हें आईटीआर भरने की जरूरत नहीं है, लेकिन ऐसा नहीं है।

अगर आप इनकम टैक्स के दायरे में नहीं भी आते हैं तब भी आपको रिटर्न फाइल करना चाहिए, क्योंकि अगर आप आईटीआर फाइल करते हैं तो इससे आपको कई फायदे होते हैं। आईटीआर फाइल करने से लोन मिलने में आसानी होती है। हम आपको आईटीआर फाइल करने के 5 फायदों के बारे में बता रहे हैं।

लोन मिलने में आसानी

आईटीआर आपकी इनकम का प्रूफ होता है। इसे सभी बैंक और एनबीएफसी इनकम प्रूफ के तौर पर स्वीकार करते हैं। अगर आप बैंक लोन के लिए आवेदन करते हैं तो बैंक कई बार आईटीआर मांगते हैं। अगर आप नियमित तौर पर आईटीआर

फाइल करते हैं तो आपको बैंक से आसानी से लोन मिल जाता है। इसके अलावा आप किसी भी फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशन से लोन के अलावा दूसरी सेवाएं भी आसानी से हासिल कर सकते हैं।

वीजा के लिए जरूरी

अगर आप किसी दूसरे देश में जा रहे हैं तो वीजा के लिए जब आप आवेदन करते हैं तो आपसे इनकम टैक्स रिटर्न मांगा जा सकता है। कई देशों की वीजा अथॉरिटीज वीजा के लिए 3 से 5 साल का आईटीआर मांगते हैं। आईटीआर के जरिए वे चेक करते हैं कि जो आदमी उनके देश में आना चाहता है कि उसका फाइनेंशियल स्टेटस क्या है।

टैक्स रिफंड क्लेम करने के लिए

अगर आपकी आमदनी से टैक्स काटकर सरकार के पास जमा करा दिया गया है तो आप आईटीआर फाइल किए बिना उसे वापस नहीं पा सकते, भले ही आपकी आमदनी इनकम टैक्स में बेसिक एग्जंप्शन लिमिट के अंदर ही हो। आपको अगर टैक्स रिफंड क्लेम करना है तो इसके लिए आईटीआर दाखिल करना जरूरी है। आप जब आईटीआर दाखिल करते हैं तो इनकम टैक्स डिपार्टमेंट उसका असेस्मेंट करता है। आपका अगर रिफंड बनता है तो वह सीधे बैंक अकाउंट में क्रेडिट कर दिया जाता है।

एड्रेस प्रूफ के रूप में भी आती है काम

आईटीआर रसीद आपके पंजीकृत पते पर भेजी जाती है, जो एड्रेस प्रूफ के रूप में काम कर सकती है। इसके अलावा यह आपके लिए इनकम प्रूफ का भी काम करती है।

घाटे को कैरी फॉरवर्ड करना रहता है आसान

अगर आप शेयर या म्यूचुअल फंड में निवेश करते हैं और आपको घाटा होता है तो घाटे को अगले साल कैरी फारवर्ड कराने के लिए निर्धारित समय सीमा में इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करना जरूरी है, क्योंकि अगले साल आपको अगर कैपिटल गेन होता है तो यह घाटा इस फायदे से एडजस्ट होगा और आपको लाभ पर टैक्स छूट का फायदा मिल सकता है।

भारत में भी चल पड़ा इंटीमेसी को-ऑर्डिनेटर का ट्रेंड

-बोल्ड सीन्स से अभिनेत्रियों की खत्म होगी हिचकिचाहट

मुंबई (ईएमएस)। बॉलीवुड की एक्ट्रेसेस ने खुलासा किया है कि इंटीमेट सीन या किसिंग सीन्स करने के दौरान उन्हें कई तरह के मेंटल ट्रॉमा से गुजरना पड़ा था। कई एक्ट्रेसेज तो इसी वजह से इस तरह के सीन्स करने से हिचकती हैं। हालांकि पिछले कुछ समय से पश्चिम की तरह भारत में भी इंटीमेसी को-ऑर्डिनेटर का ट्रेंड जोर पकड़ रहा है। दो कैरेक्टर्स के बीच गार्ड की तरह काम करते ये इंटीमेट को-ऑर्डिनेटर्स उनकी असहजता और हिचक को खत्म करते हैं।हालांकि अब भी बॉलीवुड इंडस्ट्री के कई लोगों के लिए इंटीमेट को-ऑर्डिनेटर शब्द नया है। इंटीमेट को-ऑर्डिनेटर टर्म दीपिका पादुकोण की फिल्म गहराइयां के दौरान काफी चर्चा में आया था। फिल्म में दीपिका के बोल्ड अवतार के पीछे इन्हीं कुछ टेक्निकल लोगों का हाथ था। धीरे-धीरे हर सेट पर इन्हें हायर करने का प्रचलन शुरू हुआ है। बता दें कि एक ओर जहां सेट पर केवल मेल डॉमिनेट क्रू होने की वजह से उन्हें इस तरह के बोल्ड सीन्स में असहजता होती थी, तो दूसरी तरफ कई बार को-ऐक्टर्स इसका फायदा उठाकर अपनी लाइन क्रॉस कर जाते थे। इसीलिए एक्ट्रेस इस तरह के सीन्स के तैयार नहीं हो पाती थी।

फिल्म में कार्तिक के साथ नजर आएंगे भुवन

-निर्देशक कबीर खान की अगली फिल्म में होंगे साथ-साथ

मुंबई (ईएमएस)। एक्टर भुवन अरोड़ा और कार्तिक आर्यन स्टार निर्देशक कबीर खान की अगली फिल्म में साथ-साथ नजर आएंगे। भुवन अरोड़ा हिट स्ट्रीमिंग शो फर्जी में अपने काम से दर्शकों का जीत चुके हैं। अपकमिंग फिल्म में एक्टर कार्तिक आर्यन के साथ भुवन को-स्टार के रूप में एक अलग अवतार में नजर आएंगे। इस नए प्रोजेक्ट के लिए अपने उत्साह को व्यक्त करते हुए, भुवन ने बताया कि मैं कबीर सर के साथ काम करने के लिए बहुत उत्साहित और खुश हूं। मैंने हमेशा उनकी फिल्मों और उनके द्वारा बताई जाने वाली कहानियों के चयन की प्रशंसा की है। उन्होंने आगे कहा: यह बहुत ही चुनौतीपूर्ण फिल्म है जिसके लिए बहुत सारी तैयारी की आवश्यकता होती है। यह फिल्म एक सच्ची कहानी पर आधारित है, जिसमें जीवन से भी बड़ा कैनवास है। मुझे एक नई भूमिका में भी देखा जाएगा जिसे मैंने पहले कभी नहीं निभाया है। बड़े बजट की इस फिल्म का निर्माण साजिद नाडियाडवाला कर रहे हैं, जिन्होंने कार्तिक की आने वाली फिल्म सत्यप्रेम की कथा का भी निर्माण किया है, जो कार्तिक को भूल भुलैया 2 की उनकी सह-कलाकार कियारा आडवाणी के साथ फिर से जोड़ती है। मालूम हो कि कबीर खान बजरंगी भाईजान, एक था टाइगर और 83 जैसी फिल्मों का निर्देशन करने के लिए जाने जाते हैं।

आज के बच्चे तेजी से सीखने वाले हैं : निम्रत कौर

-अपने व्यवहार को लेकर सावधान रहे माता-पिता

मुंबई (ईएमएस)। एक्ट्रेस निम्रत कौर का मानना है कि माता-पिता को बेहद सावधान रहने की जरूरत है कि वे अपने बच्चों के आसपास कैसे व्यवहार करते हैं क्योंकि आज के बच्चे तेजी से सीखने वाले हैं और माता-पिता का व्यवहार उनके प्रारंभिक वर्षों में बच्चों पर एक अच्छी छाप छोड़ता है। स्कूल ऑफ लाइज एक बोर्डिंग स्कूल में टीनएजर के सफर को को दर्शाता है।माता-पिता और उनके बच्चे के बीच की गतिशीलता कैसे बदल रही है, इस बारे में बात करते हुए निम्रत ने बताया, आजकल के युवा बच्चों के पास खुद का दिमाग है, वे अपनी पसंद खुद बनाना चाहते हैं और हर समय हर चीज से आगे रहते हैं। माता-पिता को बहुत सावधान रहना होगा कि वे अपने बच्चों के साथ कैसा व्यवहार करते हैं। मुझे लगता है कि हमारे वक्त में चीजें बड़ी आसान थीं, उस वक्त इंटरनेट नहीं होता था, हमारे पास स्मार्टफोन नहीं होता था। हमारे दिमाग के अलावा कोई और ऐसी चीजें नहीं थी, जिनपर हमारी पहुंच हो। एक्ट्रेस ने कहा, आज के बच्चे दो-तीन दशक पहले की तुलना में बहुत अलग हैं। आज के बच्चे कुछ मायनों में खुद ही बड़े हैं। वह टेक और कल्चर दोनों से जुड़े हुए हैं। यहां तक कि अपने माता-पिता के साथ भी उनके संबंध लगातार विकसित हो रहे हैं। स्कूल ऑफ लाइज में आमिर बशीर, गीतिका विद्या ओहल्यान, सोनाली कुलकर्णी और जितेंद्र जोशी भी हैं। सच्ची घटनाओं से प्रेरित और बीबीसी स्टूडियोज द्वारा निर्मित, यह ईशानी बनर्जी और अविनाश अरुण धावरे द्वारा बनाई गई है।

मेल एक्टर्स के बराबर पैसे लेने वाली पहली एक्ट्रेस है कंगना

बालीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत का कहना है कि वह फिल्म इंडस्ट्री की पहली फीमेल एक्टर हैं जिन्हें मेल एक्टर्स के बराबर फीस मिलती है। कंगना ने कहा कि जहां एक तरफ वे बराबरी के लिए लड़ती हैं वहीं कुछ बड़ी एक्ट्रेसेस फ्री में फिल्म में काम करने के लिए तैयार हो जाती हैं। ऐसा वे इसलिए करती हैं कि जिससे उनका रोल किसी और न मिल जाए। कंगना ने कहा कि मेरे आने से पहले फीमेल एक्ट्रेसेस इस पुरुषवादी सोच के दायरे में रहकर काम करती थीं। सबको बराबर पैसे मिले, इसके लिए सबसे पहले मैंने आवाज उठाई थी। मैंने देखा कि कुछ ए लिस्टर्स अभिनेत्री फ्री में काम करने को भी तैयार हैं। उन्हें इनसिक्योरिटी रहती थी कि कहीं उनका रोल किसी डिजर्विंग आदमी के पास न चला जाए।

इसके बाद मीडिया में फेक आर्टिकल्स छपते हैं उन्होंने इस फिल्म के लिए सबसे ज्यादा रुपए चार्ज किए। बता दें कि एक्ट्रेस कंगना रनौत अपने काम से ज्यादा अपने बेबाक बयानों को लेकर सुर्खियों में रहती हैं। इतना ही नहीं वह बॉलीवुड इंडस्ट्री को लेकर भी कई बार चौकाने वाले खुलासे कर चुकी हैं।

नील नितिन की ओल्ड एज वाली तस्वीर वायरल हुई, लोग हैरान रह गए

मुंबई (ईएमएस)। वैसे किसी को भी इस पर आसानी से यकीन नहीं होगा कि ये सचमुच में कोई फिल्मी हीरो हैं। क्योंकि अभी तक जितने भी हीरो बुजुर्ग हुए हैं, उन्हें किसी न किसी ने पहचान ही लिया, चाहे वे कितने ही कमजोर क्यों न हो। हालांकि, इन्हें पहचानना बहुत मुश्किल हो रहा है, जबकि ये इंडस्ट्री के एक यंग हीरो हैं। दरअसल, ये बूढ़े आदमी के अवतार में कोई और नहीं बल्कि अभिनेता नील नितिन मुकेश हैं। उनकी जैसे ही ओल्ड एज वाली तस्वीर वायरल हुई, लोग हैरान रह गए। लेकिन तस्वीर देखने के बाद असली राज खुल गया! फिल्म में बूढ़ा व्यक्ति वास्तव में कोई और नहीं बल्कि खुद अभिनेता नील हैं!

हालांकि अभिनेता की ये फोटो किस फिल्म की हैं और इस कैप्शन से वहां क्या कहना चाह रहे हैं ये अभी पता नहीं चल पाया है यानी असल में ये कोई चिंता का विषय नहीं है, यह मेकअप हेरफेर के बारे में है जिसने हैंडसम हंक नील को ओल्ड मैन बना दिया। मेकअप इतना सही था कि 41 वर्षीय अभिनेता पहली बार में पहचानने योग्य नहीं है। उन्हें देख ऐसा लग रहा है कि अभिनेता 80 साल के हैं। कई फैंस को लगता है कि अभिनेता आने वाले दिनों में पर्दे पर सरप्राइज के साथ नजर आएंगे। प्रभास की साहो में काम कर चुके नील को बूढ़े अवतार में देख एक नेटिजन ने जवाब में लिखा, नील मुकेश हूबहू अमिताभ बच्चन की तरह दिखते हैं। एक अन्य नेटीजन ने लिखा, यह अविश्वसनीय है! मैं भविष्य में आने वाली चीजों का इंतजार नहीं कर सकता! एक फैन ने कहा, मुझे लगता है कि यह आपके अगले प्रोजेक्ट बाईपास रोड 2 की तस्वीर है। एक सस्पेंस थ्रिलर मर्डर मिस्ट्री। यह तस्वीर अद्भुत कहानी कहती है और हम इसका इंतजार कर रहे है। बता दें कि नील ने हिंदी के साथ-साथ तमिल और तेलुगू फिल्म में भी काम किया है। उनका तमिल फिल्म में निगेटिव रोल खूब पसंद किया गया था जिसके लिए वे नंदी अवॉर्ड के लिए भी नॉमिनेट हुए थे। नील के दादा मुकेश चंद्र माथुर एक जाने माने प्लेबैक सिंगर थे, उन्होंने कई गाने गाए थे जिनमें से क्या खूब लगती हो, फूल तुम्हे भेजा है खत में, धीरे धीरे बोल कोई सुन न ले, मैं न भूलूंगा जैसे यादगार सॉन्स हैं।

सेल्फी मांगने वाले फैन को नजर अंदाज किया करीना ने

एयरपोर्ट पर अपने एक फैन को अभिनेत्री करीना कपूर खान ने नजर-अंदाज किया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। सोशल मीडिया पर करीना को आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। इंस्टाग्राम पर साझा किए गए एक वीडियो में करीना सफेद स्वेट पहने और धूप के चश्मे के साथ हवाई अड्डे से बाहर निकलते दिख रही हैं। वीडियो क्लिप में एक महिला फैंन को उनके पीछे सेल्फी के लिए जाते हुए देखा जा सकता है। हालांकि, करीना फैन की रिक्वेस्ट को नजरअंदाज करते हुए आगे बढ़ती दिख रही हैं। जिस पर कई सोशल मीडिया यूजर्स ने लिखा कि फैंन के साथ अच्छा नहीं हुआ और उनके बारे में टिप्पणी की। एक यूजर ने कहा कि सबसे रूड हस्ती। एक और अन्य यूजर्स ने लिखा, बहन तेरा कुछ जाएगा नहीं उसमें, एक सेल्फी दे दिया होता तो फैन्स को। जबिक एक अन्य यूजर्स ने लिखा हाउ रूड। इसके अलावा एक अन्य यूजर्स ने टिप्पणी की कि नापसंद।

रोमांटिक अंदाज में घूमते देख गया निकयांका

बीते दिन निकयांका यानि निक जोनस और प्रियंका चोपडा को रोम में घुमते हुए देखा गया, जहां दोनों एक दूजे संग क्वालिटी टाइम स्पैंड करते नजर आए। अब दोनों की ये तस्वीरें इंटरनेट पर खूब देखी जा रही हैं। सामने आई तस्वीरों में देखा जा सकता है कि प्रियंका चोपड़ा ग्रीम कलर के क्रॉप टॉप के साथ मैचिंग लॉन्ग स्कर्ट में काफी हॉट लग रही हैं। इस लुक को एक्ट्रेस ने ब्लैक जैकेट और ब्लैक-व्हाइट स्नीकर्स से टीम-अप किया है। न्यूड मेकअप और खुले बालों पर चश्मा लगाए पीसी का अंदाज देखते ही बन रहा है। वहीं उनके पतिदेव इस दौरान रेड शर्ट और खाकी पैंट में परफेक्ट दिख रहे हैं। कभी दोनों एक दूसरे की बाहों में पोज दे रहे हैं तो कभी साथ चलते हुए जबरदस्त बॉन्डिंग बना रहे हैं। फैंस कपल की इन तस्वीरों को खूब लाइक कर रहे हैं। वर्कफ्रंट पर, प्रियंका चोपड़ा हाल ही में हॉलीवुड वेब सीरीज सिटाडेल में नजर आई थी। इस सीरीज को लोगों ने काफी पसंद भी किया। इसके बाद अब पीसी जल्द ही बॉलीवुड फिल्म जी ले जरा में नजर आएंगी। इसमें वह एक्ट्रेस कैटरीना कैफ और आलिया भट्ट के साथ दिखेंगी।

ऐश्वर्या के साथ काम करने का सपना पूरा नहीं हुआ सुनील का

-एक्टर शेट्टी को आज भी है अफसोस

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड एक्टर सुनील शेट्टी ने अपने दौर की लगभग हर खूबसूरत एक्ट्रेस के साथ काम किया है, लेकिन उन्हें आज भी इस बात का बहुत अफसोस है कि उनकी ऐश्वर्या राय के साथ दो फिल्में कभी सिनेमाघरों तक नहीं पहुंच पाईं. ऐश्वर्या राय के साथ काम करना हर एक्टर का सपना होता है। ऐसा ही सपना सुनील शेट्टी ने भी संजोया था, लेकिन ये कभी पूरा नहीं हो पाया। कुछ समय पहले सुनील शेट्टी ने एक इंटरव्यू के दौरान खुद खुलासा किया था कि उन्होंने ऐश्वर्या राय के साथ दो फिल्मों में काम किया था, लेकिन दुर्भाग्यवश वे फिल्में कभी रिलीज नहीं हो पाईं सुनील शेट्टी ने अपने करियर की शुरूआत फिल्म बलवान से की थी, जिसमें दिवंगत एक्ट्रेस दिव्या भारती उनकी हीरोइन बनीं। ये फिल्म साल 1992 में रिलीज हुई थी, जो बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुई थी। हालांकि, इस फिल्म के बाद सुनील शेट्टी की कई मूवीज ऐसी रहीं, जो थिएटर्स तक नहीं पहुंच पाई इसमें ऐश्वर्या राय के साथ उनकी दो फिल्में भी शामिल हैं, जिनके टाइटल हम पंक्षी एक डाल के और राधेश्याम सीताराम हैं.

एक बातचीत के दौरान सुनील शेट्टी ने ऐश्वर्या राय के साथ अपनी इन फिल्मों की रिलीज हो पाने पर अफसोस जाहिर किया और कहा कि, मैंने दुनिया की खूबसूरत लड़की के साथ दो फिल्में की, लेकिन वो रिलीज नहीं हो पाई तो ये मेरा दुर्भाग्य था. सुनील शेट्टी बहुत जल्द फिल्म हेरा फेरी 3 में नजर आएंगे।बड़े पर्दे पर एक बार फिर परेश रावल और अक्षय कुमार के साथ सुनील शेट्टी की तिकड़ी दिखेगी। इस पॉपुलर फ्रेंचाइजी की पिछली दो फिल्में बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुई थी। अब देखना है कि तीसरी फिल्म हेरा फेरी 3 क्या कमाल दिखा पाती है। बता दें कि बॉलीवुड एक्टर सुनील शेट्टी पिछले कई सालों से फिल्म इंडस्ट्री में एक्टिव हैं और वह अपने फैंस को लगातार एंटरटेन कर रहे हैं।

विक्रम भट्ट की हारर फिल्म सिनेमाघरों में दस्तक देने तैयार

विक्रम भट्ट प्रोडक्शन की एक हारर फिल्म सिनेमाघरों में दस्तक देने तैयार हैं। खबर है कि डायरेक्टर-प्रोड्यूसर विक्रम भट्ट की बेटी कृष्णा भट्ट अपकमिंग हॉरर फिल्म 1920-हॉर्स ऑफ द हार्ट से डेब्यू करने वाली हैं। फिल्म का हाल ही में जारी किया गया टीजर भयानक तत्वों से सजे परिदृश्य की ओर इशारा करता है। यह फिल्म 1920 फ्रेंचाइजी की चौथी फिल्म है, और इसमें अविका गोर हैं, जो बालिका वधु और ससुराल सिमर का जैसे टेलीविजन शो में अपने काम के लिए जानी जाती हैं।

फ्रैंचाइजी 1920 लंदन की पिछली फिल्म में शरमन जोशी, मीरा चोपड़ा और विशाल करवाल ने मुख्य भूमिकाएं निभाई थीं। यह 2016 में रिलीज हुई थी। इसने एक स्पिन-ऑफ 1921 को भी प्रेरित किया जिसमें जरीन खान और करण कुंद्रा ने अभिनय किया था। 1920 - हॉर्स ऑफ द हार्ट महेश भट्ट और आनंद पंडित द्वारा प्रस्तुत किया गया है, और राज किशोर खवारे के सहयोग से विक्रम भट्ट प्रोडक्शन है। यह फिल्म 23 जून को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है।

सूडोकु नवताल- 6452

सरल

5	9			3			8	7
8	7		1		5			
		2			9			4
	6				2		3	5
3	8		4	1	7		2	9
2	4		6				1	
7			3			8		
			5		8		7	3
9	3			2			6	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6451 का हल

7	4	8	3	9	2	1	5	6
2	6	9	5	7	1	8	4	3
3	1	5	4	8	6	7	2	9
5	7	4	8	6	9	3	1	2
8	9	1	2	3	4	6	7	5
6	3	2	1	5	7	4	9	8
4	8	7	6	2	5	9	3	1
9	2	6	7	1	3	5	8	4
1	5	3	9	4	8	2	6	7

शब्दजाल - 7199

बं ल र ह द ब निं ग ट्रे न आ
ज दि ल म आ मो ह दो तें शा म
अं इ श दि ल दा ल उ र ला ब
मे क व ल प ल क स्ता रि श न
स रे श ज वा ब स द ग वी व
ही रं अ च व लि र्त ल ती प च
व रो ल प गा आं धी तू फा न ले
श बा ज स ने क छ र ग श थ
छ त्ती स घं टे न ज स शा जू ध
द र ल म ह र औ के स प र्मा
थो बु लं दी र हो ग या दु र त्मा

शब्दजाल में 'डैनी' अभिनीत 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे व तिरछे हैं.

मेरे अपने,छत्तीस घंटे, धर्मात्मा, द बर्निंग ट्रेन,बंदिश,दो उस्ताद,हीरो,आंधी तूफान, जवाब,बुलंदी

शब्दजाल - 7198 का हल

आ व मे रि दु ला से ह रा ट र्जी
क ग क दू इं जी ने शि या प नी
सू पी अ न प ढ़ बा द ह त्थ ल
र ग ए रा जा बा बू ल ह र प्रे
ज र रा म न ह ला कि यो के मे
रो इ वि मो ग प म शी ह स रे
न टी ल रा व मा जो रा व न स
क रि र र य र प म ज म न
रा म औ र श्या म ज जी शा जू म
र ग ल नो ला व प स री टि प
बां स सा ज ल ड़ का ल ड़ की ल

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6152

3		4		7		2
	33		34		30	
5		7	1	2		4
4	30		25		34	
1		3		5	6	
	36		34		31	3
	6	5	4		2	1

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6151 का हल

3	5	4	6	7	1	2
2	33	1	36	6	27	5
7	6	5	4	3	2	1
4	30	2	27	1	31	6
1	2	3	4	5	6	7
6	36	6	32	4	34	3
5	6	7	1	2	3	4

Jagrutidaur.com, Bangalore

एशियाई कप में भारतीय फुटबाल टीम की ओर से खेलेंगे देहरादून के शाश्वत, थाइलैंड में 16 जून से शुरू होगा मुकाबला

देहरादून ।
देहरादून निवासी युवा फुटबालर शाश्वत पंवार का चयन एशियाई कप के लिए भारतीय अंडर-17 टीम में हुआ है। शाश्वत बतौर फारवर्ड टीम में खेलते हुए नजर आएंगे। एशियाई कप के लिए शाश्वत बीते दो महीनों से स्पेन व जर्मनी में टीम के साथ अभ्यास कर रहे हैं।

देहरादून के शाश्वत का एशियाई कप के लिए हुआ चयन

थाइलैंड में आगामी 16 जून से एशियाई कप का आयोजन शुरू हो रहा है। भारतीय टीम की जर्सी में दून के युवा फुटबालर शाश्वत पंवार बतौर फारवर्ड खेलते नजर आएंगे। उत्तराखंड से शाश्वत एकमात्र खिलाड़ी हैं, जिनका चयन एशियाई कप के लिए भारतीय टीम में हुआ है।

पांच साल की उम्र से फुटबाल खेल रहे शाश्वत

शाश्वत पंवार के पिता धीरेंद्र पंवार ने बताया कि शाश्वत ने पांच साल की उम्र से ही फुटबाल खेलना शुरू कर दिया था। बचपन से ही वह फुटबाल के प्रति लगाव रखते थे, उनकी लगन को देखते हुए उनके पिता ने उन्हें प्रोफेशनल ट्रेनिंग शुरू कराई। बताया कि शाश्वत ने फुटबाल की बारीकियां बाइचुंग भूटिया एकेडमी से सीखी हैं। इसके बाद उनका चयन भारतीय कैंप के लिए हुआ। जिसमें उन्होंने जर्मनी व स्पेन में बीते दो महीनों तक अभ्यास व अभ्यास मैच खेले। यहां से उनका चयन भारतीय अंडर-17 टीम में हुआ जो आगामी एशियाई कप में देश का प्रतिनिधित्व करेगी।

राष्ट्रीय एथलेटिक्स और बाक्सिंग प्रतियोगता के लिए पिथौरागढ़ के 10 खिलाड़ी चयनित

मध्य प्रदेश में छह जून से शुरू होने वाली राष्ट्रीय विद्यालयी एथलेटिक्स और बाक्सिंग प्रतियोगिता के लिए सीमांत जिल पिथौरागढ़ से 10 खिलाड़ियों का चयन हुआ है। दिल्ली में आयोजित होने वाली ताइक्वांडो प्रतियोगिता के लिए दो खिलाड़ी चयनित हुए हैं। जिला और राज्य स्तरीय विद्यालयी प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करने वाले सूरज चंद, पवन जेठी, विनीता, कमल सिंह, आरती का एथलेटिक्स प्रतियोगता के लिए और कशिश नेगी, काजल फर्स्वाण, पंकज भट्ट, दीपा, लोकेंद्र सिंह का बाक्सिंग प्रतियोगिता के लिए चयन हुआ है।

भोपाल में छह से नौ जून तक होगी एथलेटिक्स और बाक्सिंग प्रतियोगिताएं

ये दोनों प्रतियोगिताएं छह जून से नौ जून तक मध्य प्रदेश के भोपाल शहर में खेली जाएंगी। इसके अलावा छह जून से 12 जून तक दिल्ली में आयोजित होने वाली ताइक्वांडो प्रतियोगिता के लिए दिव्यांशु धामी और योगेश सिंह का चयन हुआ है। जिला खेल समन्वयक विक्रम दिगारी ने बताया टीमें रविवार को रवाना होंगी। मुख्य शिक्षाधिकारी अशोक कुमार जुकरिया, माध्यमिक शिक्षाधिकारी हवलदार प्रसाद ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी हैं।

न्यूज ब्रीफ

लियोनल मेसी ने पीएसजी के लिए खेला आखिरी मैचः अर्जेंटीनाई स्टार ने नया कांट्रेक्ट नहीं किया साइन, दो साल तक क्लब के लिए खेले

पेरिस। अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉलर लियोनल मेसी शनिवार को लीग वन-1 में क्लेरमोंट फुट के खिलाफ

पीएसजी (पेरिस सेंट जर्मेन) के लिए अपना आखिरी मैच खेला। इस मैच में पीएसजी को 2-3 से हार का सामना करना पड़ा। यह मैच पीएसजी का भी फ्रेंच लीग वन का आखिरी मैच था। पीएसजी ने लीग में 38 मैचों में 85 पॉइंट के साथ टॉप पर रहकर खिताब अपने नाम किया। पीएससी ने फ्रांस लीग-1 के इस सीजन में 38 मैचों में से 27 मैच जीते। जबकि 7 मैचों में हार का सामना करना पड़ा। वहीं 4 मैच ड्रॉ रहे। पीएसजी की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि लियो मेसी का पीएसजी के साथ यह आखिरी मैच था। पीएसजी के अध्यक्ष नासिर अल खेलफी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि क्लब के साथ उनके 2 साल काफी यादगार रहा। उनके रहने से क्लब के युवा खिलाड़ियों को काफी कुछ सीखने को मिला। पीएसजी में उनके योगदान को कम नहीं आंका जा सकता है। क्लब की ओर से उनके और उनके परिवार को भविष्य के लिए शुभकामना। दरअसल, लियोनल मेसी का पेरिस सेंट जर्मेन के साथ करार 30 जून में खत्म हो रहा है। पीएसजी ने मेसी के सामने नया कॉन्ट्रैक्ट पेश किया था, लेकिन मेसी ने उन पर हस्ताक्षर नहीं किए। मेसी ने पीएससी के लिए इस सीजन में 21 गोल किए हैं और 20 असिस्ट किए हैं। पिछले काफी समय से उनके और पीएसजी के बीच अनबन की खबरें भी सामने आ रही थी। कुछ दिन पहले ही मेसी के सऊदी अरब के यात्रा करने पर क्लब ने उन पर दो हफ्ते का बैन लगा दिया था। बाद में मेसी ने क्लब से माफी मांगी थी।

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप से टेस्ट में 18 महीने बाद रहाणे की वापसीः बोले- आईपीएल स्पेशल, उसी जज्बे से टेस्ट भी खेलूंगा...बीती बातें नहीं सोचनी

नई दिल्ली। टीम इंडिया के टॉप ऑर्डर बैटर अजिंक्य रहाणे 18-19 महीने बाद टेस्ट में वापसी

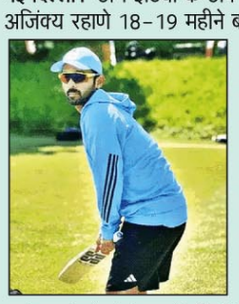

कर रहे हैं। वो 7 जून से वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल खेलने जा रही टीम इंडिया में शामिल हैं। रहाणे ने कहा कि वो अतीत के बारे में नहीं सोच रहे हैं। आईपीएल स्पेशल था और उसी जज्बे से वो टेस्ट में भी खेलेंगे। रहाणे ने आखिरी बार जनवरी 2022 में दक्षिण अफ्रीका के दौरे पर भारत के लिए एक टेस्ट खेला था और बाद में खराब फॉर्म के चलते उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया था। इंग्लैंड के ओवल मैदान पर 7 जून को टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल खेलेगी। इंडियन प्रीमियर लीग 2023 में रहाणे की परफॉर्मेंस काफी बेहतरीन रहा। उन्होंने कई मैचों में काफी शानदार पारियां खेलीं। आईपीएल और घरेलू क्रिकेट में अच्छे प्रदर्शन के इनाम के तौर पर ही रहाणे की टेस्ट टीम में वापसी हुई। रहाणे ने शनिवार को कहा, मैंने 18-19 महीनों के बाद वापसी की है। अच्छा या बुरा जो कुछ भी हुआ, मैं अपने अतीत के बारे में नहीं सोचना चाहता हूं। मैं नए सिरे से शुरुआत करना चाहता हूं और मैंने जैसी बल्लेबाजी आईपीएल में की, उसे जारी रखना चाहता हूं।

इंग्लैंड-आयरलैंड मैच में अनोखा रिकॉर्डः स्टोक्स टेस्ट इतिहास के इकलौते कप्तान, जिसने बिना बैटिंग-बॉलिंग और विकेटकीपिंग के मैच जीता

लंदन। बैजबॉल थ्योरी के साथ खेल रही इंग्लिश क्रिकेट टीम ने लॉर्ड्स टेस्ट में आसान जीत हासिल की है। बेन

स्टोक्स की कप्तानी वाली इंग्लिश टीम ने इकलौते टेस्ट में आयरलैंड को 10 विकेट से हराया। एक समय ऐसा लग रहा था कि ब्रैंडन मैकुलम की कोचिंग वाली मेजबान टीम पारी से जीतेगी, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। बेन स्टोक्स भले ही अपने टीम को पारी की जीत नहीं दिला सके, लेकिन वे इस मुकाबले में एक अनोखा रिकॉर्ड बना गए। वे टेस्ट क्रिकेट के इतिहास के इकलौते ऐसे कप्तान बने, जिसने बिना बैटिंग, बिना बॉलिंग और बिना विकेटकीपिंग किए मैच जीत लिया हो। इंग्लैंड की टीम को जीत के लिए 11 रन का टारगेट मिला था, जिसे जैक क्रॉले ने दूसरी पारी की चार बॉल में ही हासिल कर लिया। क्रॉले ने मार्क अडायर की बॉल पर 3 चौके जमाए और जीत अपने नाम कर ली। इससे पहले, आयरलैंड की टीम दूसरी पारी में 362 रन पर ऑलआउट हो गई। टीम की ओर से मार्क अडायर ने 88 और एंडी मैकब्राइन ने 86 रन बनाए।

मैनचेस्टर सिटी ने जीता एफए कप

दुनिया के सबसे पुराने टूर्नामेंट में यूनाइटेड को 2-1 से हराया; फाइनल देखने पहुंचे कोहली-अनुष्का, गिल और सूर्यकुमार

लंदन।
मैनचेस्टर सिटी ने दुनिया के सबसे पुराने टूर्नामेंट एफए कप का खिताब जीत लिया है। 151 साल पुराने इस टूर्नामेंट के फाइनल में सिटी की टीम ने अपने आर्च राइवल मैनचेस्टर यूनाइटेड को 2-1 के करीबी अंतर से हराया। इस प्रतियोगिता में सिटी की टीम 7वीं बार चैंपियन बनी है। इससे पहले, सिटी ने 2019 में खिताब जीता था।

लंदन के वेम्ब्ली स्टेडियम में शनिवार को लाखों फैंस इस रोमांचक फाइनल के साक्षी बने। इसे देखने भारतीय क्रिकेटर क्रिकेटर विराट कोहली, उनकी पत्नी और बालीवुड एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा, ओपनर शुभमन गिल और विस्फोटक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव भी पहुंचें। विराट-अनुष्का को मैनचेस्टर सिटी और प्यूमा ब्रांड ने मैच देखने के लिए इनवाइट किया था।

गुंडोगन ने दागा एफए कप का सबसे तेज गोल

मैनचेस्टर सिटी के मिडफील्डर इलकाए गुंडोगन ने एफए कप के इतिहास का सबसे तेज गोल दागा। मैच के शुरू होते ही गोलकीपर की ओर बॉल गई और फिर गोलकीपर ने आगे की ओर शॉट लगाया और गुंडोगान ने बॉक्स के बाहर से ही शानदार वॉली मारते हुए गोल दाग दिया। इस तरह मैच की शुरुआत में ही मैनचेस्टर सिटी ने यूनाइटेड पर लीड बना ली। मैच का दूसरा गोल भी गुंडोगन ने ही किया। मैच के दूसरे हाफ में 51वें मिनट में गुंडोगन ने बॉक्स के बाहर से ही शॉट मारा जो की सीधा मैनचेस्टर यूनाइटेड के नेट में गई। गोलकीपर डेविड डे हेया शॉट को रोकने में नाकाम रहे।

पेनल्टी से आया मैनचेस्टर यूनाइटेड का इकलौता गोल

मैनचेस्टर यूनाइटेड का इकलौता गोल 33वें मिनट में पेनल्टी से किया। 32वें मिनट में मैनचेस्टर सिटी के प्लेयर ने अपने ही बॉक्स में हैंड फाउल किया। इसके चलते यूनाइटेड को पेनल्टी मिली। इसे ब्रूनो फर्नांडेज ने लिया और बिना गलती करते हुए स्कोर किया।

दुनिया का सबसे पुराना टूर्नामेंट है एफए कप, क्रिकेट मैदान केनिंगटन ओवल में खेला गया था पहला फाइनल

फुटबॉल एसोसिएशन चैलेंज कप (एफए कप) का पहला एडिशन 1871-1872 सीजन में हुआ। इसमें 12 टीमों ने हिस्सा लिया था। पहला कप मैच 11 नवंबर 1871 में खेला गया था। पहला फाइनल केनिंगटन ओवल में खेला गया था, जिसमें वांडरर्स ने रॉयल इंजीनियर्स को 1-0 से हराया था। केनिंगटन ओवल में अब सिर्फ क्रिकेट मैच आयोजित होते है। 1877 में 40 टीमों ने इस टूर्नामेंट में भाग लिया और इसके बाद 1880 तक इसमें 100 से भी ज्यादा टीमों ने भाग लिया।

1923 में पहली बार वेम्ब्ली में फाइनल आयोजित हुआ

एफए कप एक समय दुनिया का सबसे बड़ा स्पोर्ट्स इवेंट था। 1913 में क्रिस्टल पैलेस में खेले गए फाइनल में 1 लाख 21 हजार दर्शक मैच देखने पहुंचे थे। 1923 में पहली बार फुटबॉल के लॉर्ड्स यानी वेम्बली में फाइनल खेला गया था। यहां मैच देखने के लिए करीब 2 लाख दर्शक आए थे।

आर्सेनल ने सबसे जयादा 14 बार खिताब जीते

एफए कप सबसे ज्यादा बार जीतने का रिकॉर्ड आर्सेनल के नाम है। उसने 14 बार खिताब अपने नाम किया है। जबकि, दूसरे स्थान पर मैनचेस्टर यूनाइडेट है, उसने 12 बार एफए कप जीता है। चेल्सी और टॉटनहम हॉट्सपर 8-8 बार चैम्पियन बने हैं।

सांसद बने भज्जी का विरोधियों को जवाब

पूर्व क्रिकेटर बोले- 1 रुपए का काम कर 10 का दिखाने वाला जमाना, मुझे पब्लिसिटी का शौक नहीं

जालंधर।
पूर्व क्रिकेटर एवं पंजाब से आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद हरभजन सिंह भज्जी ने राज्यसभा में उनकी हाजिरी को लेकर सवाल उठाने वालों को आड़े हाथों लिया है। उन्होंने कहा कि राज्यसभा में उनकी 60प्रतिशत से ज्यादा हाजिरी है। उन्होंने पंजाब के कई मुद्दे सदन में उठाए हैं। हाजिरी पर सवाल उठाने वाले उनके काम देखें। भज्जी ने दावा कि शायद वह पहले राज्यसभा सदस्य होंगे जिन्होंने अपना लगभग सारा लैड फंड के जरिये विकास कार्यों में लगा दिया है। उनकी बस एक ही कमी है और वो ये कि वह अपनी पब्लिसिटी नहीं करते। वाहेगुरु ने उन्हें औकात से कहीं ज्यादा दिया है इसलिए पब्लिसिटी की जरूरत नहीं है। वह सिर्फ काम करने में विश्वास रखते हैं। आजकल तो 1 रुपए का काम कर 10 का दिखाने वाला जमाना आ गया है। लोगों की सेवा का सौभाग्य मिला है भज्जी ने कहा कि उनकी एक आदत है कि जब वह कोई काम कर देते हैं तो उसका क्रेडिट नहीं लेते। वह बताते नहीं हैं कि उन्होंने यह किया और यह करने जा रहे हैं। भज्जी ने कहा कि भगवान ने उन्हें सांसद बनाकर लोगों की सेवा का मौका बख्शा है। वह अपने लोगों को हाजिर नजर आकर उनके काम कर सकें यही परमात्मा से चाहते हैं। उन्हें जहां-जहां से भी पत्र या फिर लोग आकर बताते हैं कि विकासात्मक कार्यों के लिए पैसे चाहिए तो वह उन्हें अपनी टीम से वैरिफाई करवाने के बाद फंड जारी करने के लिए पत्र लिखते हैं। उन्होंने कहा कि लोगों का पैसे उन्हीं पर खर्च कर रहे हैं। भज्जी ने कहा कि उनका विश्वभर में वजूद क्रिकेट से है। आईपीएल का सीजन इस बार अच्छा रहा। जहां पर भी कहीं चाहे आईपीएल हो या फिर क्रिकेट का कोई और टूर्नामेंट उन्हें वहां जाना पड़ता है।

सभी आईसीसी टूर्नामेंट जीतने वाला पहला देश बनेगा वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप चैंपियनः भारत-ऑस्ट्रेलिया ने चैंपियंस ट्रॉफी से लेकर अंडर-19, टी-20 और वनडे वर्ल्ड कप भी जीते

नई दिल्ली।
भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 7 जून से शुरू हो रहे वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल को जीतने वाली टीम इतिहास रच देगी। टीम वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप जीतने के साथ ही आईसीसी के सभी मेंस टूर्नामेंट जीतने वाली पहली टीम बन जाएगी। दोनों ही टीमों ने आईसीसी के अंडर-19, टी-20 और वनडे वर्ल्ड कप समेत चैंपियंस ट्रॉफी भी जीती है। दोनों ही देशों के पास आईसीसी की सबसे ज्यादा 11-11 ट्रॉफी भी हैं। ऐसे में वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल जीतने वाली टीम सभी आईसीसी टूर्नामेंट की चैंपियन बनने के साथ वर्ल्ड क्रिकेट में अपना दबदबा भी साबित कर देगी। आगे स्टोरी में हम ग्राफिक्स के जरिए जानेंगे कि इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल कौन-कौन से टूर्नामेंट आयोजित करवाती है। इन टूर्नामेंट्स की शुरुआत कब से हुई, किस टीम ने सबसे ज्यादा बार ट्रॉफी जीती और टूर्नामेंट की पिछली चैंपियन से लेकर अगले टूर्नामेंट का वेन्यू तक इस खबर में हम जानेंगे।

5 आईसीसी टूर्नामेंट के अलावा 1996 में पहला और एकमात्र अंडर-15 क्रिकेट टूर्नामेंट भी हुआ था। 10 टीमों के इस टूर्नामेंट को इंग्लैंड में 6 से 20 अगस्त के बीच आयोजित कराया गया। भारत ने लंदन के लॉर्ड्स स्टेडियम में खेले गए फाइनल में पाकिस्तान को 4 विकेट से हराकर खिताब जीता था। भारत के अलावा लिमिटेड ओवर्स के सभी आईसीसी टूर्नामेंट जीतने वाला ऑस्ट्रेलिया इस टूर्नामेंट में 3 मैच हारकर लीग स्टेज से ही बाहर हो गया था। हालांकि इस टूर्नामेंट को 1996 के बाद ही बंद कर दिया गया।

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में पहुंचने वाली टीम इंडिया और ऑस्ट्रेलिया के अलावा पाकिस्तान और वेस्टइंडीज ही ऐसी 2 टीमें हैं, जिन्होंने टेस्ट चैंपियनशिप छोड़कर आईसीसी के चारों टूर्नामेंट जीत रखे हैं। वहीं श्रीलंका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और साउथ अफ्रीका आईसीसी के कम से कम 2 टूर्नामेंट की चैंपियन हैं। इंग्लैंड ने 4, श्रीलंका ने 3, वहीं साउथ अफ्रीका और न्यूजीलैंड के पास 2-2 आईसीसी ट्रॉफी हैं। बांग्लादेश और जिम्बाब्वे टेस्ट खेलने वाले 12 देशों में 9वें और 10वें नंबर पर हैं। आगे ग्राफिक्स में हम टॉप-10 टेस्ट प्लेइंग नेशंस के आईसीसी टूर्नामेंट में बेस्ट परफॉर्मेंस पर नजर डालेंगे। साथ ही देखेंगे कि उन्होंने तीनों फॉर्मेट में अपना-अपना पहला मैच कब खेला।

स्वियातेक अंतिम 16 में पहुंचीं, 51 मिनट में बिना गेम गंवाए जीता मैच, रुड भी चौथे दौर में

पेरिस ।
दुनिया की नंबर एक महिला टेनिस खिलाड़ी और गत विजेता पोलैंड की इगा स्वियातेक ने 80वीं रैंकिंग की चीन की वेंग को महज 51 मिनट में 6-0, 6-0 से हराकर फ्रेंच ओपन टेनिस के अंतिम-16 खिलाड़ियों में जगह बना ली। महिला वर्ग के अन्य मुकाबलों में गत उपविजेता अमेरिका की कोको गॉफ एक सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए रूस की मीरा आंद्रिवा को 6-7, 6-1, 6-1 से हराकर चौथे दौर में पहुंच गईं। पुरुष वर्ग में डेनमार्क के छठी वरीय डेन होल्गर रुने ने अर्जेंटीना के क्वालिफायर जेनेरो अल्बर्टो को 6-4, 6-1, 6-3 से हराकर चौथे दौर में प्रवेश कर लिया। पिछले साल यहां क्वार्टर फाइनल तक पहुंचे 20 साल के रुने ने चौथे मैच प्वाइंट पर जीत हासिल की। नॉर्वे के कैस्पर रुड ने तीसरे दौर में चीन के झांग झिझेन को 4-6, 6-4, 6-1, 6-4 से हराया।

लगातार दसवीं जीत

पोलैंड की इगा 2020 में भी फ्रेंच ओपन में चैंपियन रहीं थी, उनकी रोलां गैरो में यह लगातार दसवीं जीत रही। शीर्ष वरीय स्वियातेक को नंबर एक की अपनी कुर्सी को

कायम रखने के लिए कम से कम क्वार्टर फाइनल में पहुंचना जरूरी है। चौथे दौर में स्वियातेक का सामना 2019 की अमेरिकी ओपन चैंपियन बियांका आंदिस्यू और लेसिया सुरेंको के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा। इगा ने पहली बार कोई ग्रैंडस्लैम मुकाबला बिना एक भी गेम गंवाए जीता। रोलां गैरो में ऐसा चौथी बार हुआ है कि जब महिला वर्ग में कोई खिलाड़ी बिना एक भी गेम गंवाए जीती है। पिछली बार ऐसा 2017 में हुआ था जब कैरोलीन वोज्नियाकी ने फ्रांकायस अबांदा को एकतरफा अंदाज में हराया था। इससे पहले वेंग कियांग (पहला दौर, 2016) और मारिया शारपोवा (तीसरा दौर, 2014) ऐसा कर चुकी हैं। इससे पहले स्वियातेक ने पहले दो मैच 6-4, 6-0 से जीते थे। चीन की पांचवें नंबर की खिलाड़ी के खिलाफ उन्हें कोई परेशानी नहीं हुई। उन्होंने 21 विनर्स लगाए जबकि पहली बार किसी ग्रैंडस्लैम का तीसरे दौर का मैच खेल रहीं वेंग तीन ही लगा सकी। वेंग अब तक शीर्ष दस में शामिल खिलाड़ियों के खिलाफ तीन बार मैदान में उतरी हैं और हर बार उन्हें हार मिली है।

यंग ब्रिगेड की टक्कर

तीसरे दौर के अन्य मुकाबले में अमेरिका की 19 साल की कोको को रूस की 16 साल की खिलाड़ी आंद्रिवा के खिलाफ शुरुआत में संघर्ष करना पड़ा। छठी वरीयता की कोको ने एक सेट से पिछड़ने के बाद दो घंटे और तीन मिनट में जीत हासिल की। कोको 8वीं बार किसी ग्रैंडस्लैम के दूसरे हफ्ते में पहुंची हैं। पेरिस में तो उन्होंने ऐसा लगातार तीसरी बार किया है। आंद्रिवा ने पहली बार शीर्ष दस में शामिल किसी खिलाड़ी से पहला सेट जीता है। इस साल उनका 22-3 का है। अप्रैल में वह महिला टेनिस रैंकिंग में 312वें स्थान पर थी जिससे वह 143 वें पर आ गई थी और अब वह शीर्ष 100 में शामिल हो सकती हैं।

शादी के बंधन में बंधे ऋतुराज गायकवाड

महाराष्ट्र की क्रिकेटर उत्कर्षा पवार के साथ लिए 7 फेरे, इस साल शादी करने वाले 5वें भारतीय क्रिकेटर

नई दिल्ली।
चेन्नई को चैंपियन बनाने वाले विस्फोटक ओपनर ऋतुराज गायकवाड ने शादी कर ली है। गायकवाड ने शनिवार रात महाराष्ट्र की क्रिकेटर उत्कर्षा पवार के साथ 7 फेरे लिए। महाबालेश्वर में ऋतुराज और उत्कर्षा की शादी की रस्में हुईं। ऋतुराज इस साल शादी करने वाले 5वें भारतीय क्रिकेटर हैं। इससे पहले, शार्दूल ठाकुर, हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल और केएल राहुल ने भी शादी की थी।

स्टेट लेवल विमेंन क्रिकेटर हैं उत्कर्षा

उत्कर्षा महाराष्ट्र की क्रिकेटर हैं। वह अपने राज्य के लिए खेल चुकी हैं। वे दाएं हाथ की ऑलराउंडर हैं, यानी कि उत्कर्षा बैटिंग और बॉलिंग दोनों करती हैं। उन्होंने अपना आखिरी मैच नवंबर 2021 में सीनियर विमेंस वनडे ट्रॉफी में पंजाब के खिलाफ खेला था। फिलहाल वे पुणे के इंस्टिट्यूट ऑफ न्यूट्रीशन एंड फिटनेस साइंसेस में पढ़ाई कर रही हैं। उत्कर्षा का जन्म 13 अक्तूबर 1998 को हुआ था।

ऋतुराज ने शादी के लिए वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल छोड़ा

ऋतुराज ने शादी के लिए टीम इंडिया से छुट्टी ली है। वे वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल भारतीय टीम का हिस्सा थे। उन्हें स्टैंड बाय के रूप में चुना गया था, लेकिन उन्होंने अपना नाम वापस ले लिया। ऋतुराज की जगह यशस्वी जायसवाल को मौका दिया गया।

आईपीएल फाइनल में धोनी के साथ भी नजर आए थे

ऋतुराज और उत्कर्षा आईपीएल फाइनल के बाद साथ नजर आए थे। उत्कर्षा ने चेन्नई सुपरकिंग्स के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के पैर भी छुए थे।

आईपीएल में गायकवाड की जोरदार बल्लेबाजी

आईपीएल 2023 में ऋतुराज गायकवाड़ शानदार लय में थे। उन्होंने 16 मैच की 15 पारियों में 42.14 के औसत और 147.50 के स्ट्राइक रेट से 590 रन बनाए थे। इस दौरान उनके बल्ले से 46 चौके और 30 छक्के भी निकले।

डब्ल्यूटीसी फाइनल में भारतीय गेंदबाजों का सामना करने आसान नहीं : लाबुशेन

लंदन । ऑस्ट्रेलिया के प्रमुख टेस्ट बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन ने स्वीकार किया कि सात जून से ओवल में शुरू होने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में भारतीय गेंदबाजों का सामना करना आसान नहीं होगा, लेकिन उन्होंने कहा कि काउंटी क्रिकेट में खेलने के कारण उन्हें इस महत्वपूर्ण मैच और उसके बाद एशेज की तैयारियों में काफी मदद मिली। लाबुशेन ने कहा कि भारत ने भले ही ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपनी घरेलू जमीन पर स्पिनरों के दम पर बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी जीती थी लेकिन उनके तेज गेंदबाज डब्ल्यूटीसी फाइनल में ड्यूक गेंदों के साथ खतरनाक साबित हो सकते हैं। भारत ने अपने तेज गेंदबाजी विभाग में मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज, उमेश यादव और जयदेव उनादकट को शामिल किया है, जबकि ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर भी अंतिम एकादश में जगह बनाने के दावेदार हैं। लाबुशेन ने कहा, 'दो महीने पहले हम भारत के खिलाफ खेल चुके थे, और वे क्या कर सकते हैं, इस लेकर हमारी राय स्पष्ट है। लेकिन ड्यूक गेंद हाथ में होने से वे (भारतीय तेज गेंदबाज) अपने कौशल का और बेहतर प्रदर्शन करने में सक्षम होते हैं। लाबुशेन हालांकि काउंटी क्रिकेट में खेलने के बाद अच्छा प्रदर्शन करने के प्रति आश्वस्त हैं। उन्होंने काउंटी मैचों में आठ पारियों में दो शतक की मदद से 504 रन बनाए।

आलिया भट्ट को सफल नहीं मानती कंगना

कंगना रनोट कभी भी पॉपुलर अभिनेताओं पर निशाना साधने का करने का कोई मौका नहीं छोड़ी है। अपने इन्हीं पोस्ट एक्ट्रेस ने अपना ट्विटर हैंडल भी सस्पेंड करवा लिया था। लेकिन कंगना हैं कि मानती नहीं...आज हम आपको उस दौर के बारे में बताएंगे जब उन्होंने आलिया भट्ट को सार्वजनिक रूप से लताड़ लगाई थी और कहा था कि वो स्पाइन लेस हैं। ये घटना साल 2019 की है, जब कंगना की फिल्म *मणिकर्णिका : द क्वीन* ऑफ झांसी रिलीज हुई थी। फिल्म की रिलीज के दौरान कंगना ने आमिर खान और आलिया भट्ट जैसे बॉलीवुड एक्टर्स पर निशाना साध था और कहा था कि ये लोग जानबूझकर उन्हें सपोर्ट नहीं कर रहे हैं। बाद में आलिया ने कंगना से माफी मांगते हुए कहा था कि मुझे नहीं लगता कि वो मुझे नापसंद करती है। मैंने कुछ भी जानबूझकर नहीं किया है। अगर कंगना को कुछ बुरा लगा हो तो मैं पर्सनल लेवेल पर उनसे हाथ जोड़कर माफी मांग लूंगी। आलिया भट्ट की सार्वजनिक माफी के बारे में जानने के बाद, कंगना रनोट ने फिर से आलिया की खिंचाई की। उन्होंने आलिया को स्पाइन लेस कहा और कहा था कि वो करण जौहर की कठपुतली हैं। कंगना रनोट ने एक बार पिंकविला से कहा था कि मैं आलिया (भट्ट) के पास पहुंची और उनसे पूछा कि उन्हें क्या लगता है कि मणिकर्णिका मेरी पर्सनल कॉन्ट्रोवर्स है? यह एक ऐसी फिल्म है जिसके बारे में पूरा देश बात कर रहा है और सोच रहा है कि बॉलीवुड इस तरह के एक प्रासंगिक काम पर चुप क्यों है ... मैंने उससे पूछा कि वह देखने से क्यों डरती है मेरी फिल्म। फिल्म की एक स्क्रीनिंग में, कंगना रनोट को यह कहते हुए भी देखा गया था कि वह बॉलीवुड का पर्दाफाश करेंगी और उन लोगों को नहीं बख्शेंगी जो उनके खिलाफ धमकाने और गैंग बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

पुदीना चटनी बनाने का नया तरीका

गर्मियां आते ही खाने में पुदीने का इस्तेमाल काफी बढ़ जाता है। कई सारे ड्रिंक्स में इस्तेमाल होने वाला पुदीना सबसे ज्यादा चटनी के रूप में पसंद किया जाता है। पुदीने के सेवन से सेहत को कई तरह के लाभ मिलते हैं। पेट संबंधी विकारों में फायदेमंद पुदीना खाने से कई समस्याओं से निजात मिलती है। ज्यादातर लोग कच्चे आम के साथ पुदीने की चटनी खाना पसंद करते हैं। लेकिन अगर आप एक ही तरह की पुदीने की चटनी खा-खाकर ऊब चुके हैं, तो आज हम आपको बताएंगे पुदीने की चटनी बनाने के नए तरीकों के बारे में-

दही और पुदीना की चटनी

अगर आप कच्चे आम के साथ पुदीने की चटनी खाकर बोर हो चुके हैं, तो इस बार दही के साथ पुदीने के चटनी ट्राई कर सकते हैं। यह न सिर्फ खाने में स्वादिष्ट होती है, बल्कि इसे बनाना भी काफी आसान होता है। आप इस विधि से दही और पुदीना चटनी की बना सकते हैं।

सामग्री

3-4 चम्मच दही
4-5 हरी मिर्च
एक इंच अदरक
3-4 लहसुन की कली
एक चम्मच जीरा पाउडर
एक चम्मच चाट मसाला
स्वादानुसार नमक
एक चम्मच अमचूर पाउडर
एक कप धनिया की पत्ती
1.5 कप पुदीना की पत्ती
पानी

बनाने की विधि

दही पुदीना चटनी बनाने के लिए सबसे पहले एक बर्तन में 3-4 चम्मच दही डालें।

अब इसमें जीरा पाउडर, चाट मसाला, अमचूर पाउडर और नमक डालकर अच्छे से मिक्स कर लें।

इसके बाद मिक्सी में पुदीने की पत्ती, धनिया पत्ती, लहसुन, अदरक और हरी मिर्च में थोड़ा पानी मिलाकर पीस लें।

जब एक स्मूद पेस्ट तैयार हो जाए, तो इसमें दही डालकर इसे चम्मच की मदद से अच्छे मिला लें।

तैयार है दही और पुदीना की चटनी। आप इसे पराठे, पकौड़े आदि के साथ सर्व कर सकते हैं।

प्याज और पुदीना की चटनी

खाने का स्वाद बढ़ाने वाली प्याज का इस्तेमाल आप पुदीने की चटनी के साथ भी कर सकते हैं। गर्मियों के मौसम में प्याज का सेवन सेहत के लिए फायदेमंद भी होता है। ऐसे में आप इस विधि को फॉलो कर प्याज और पुदीना की चटनी बना सकते हैं।

सामग्री

एक बारीक कटा छोटा प्याज
3-4 बारीक कटी लहसुन की कली
स्वादानुसार नमक
पुदीना के पत्तियां
5-6 हरी मिर्च

बनाने की विधि

प्याज और पुदीना की चटनी तैयार करने के लिए सबसे पहले पुदीना और धनिया की पत्तियों को अच्छे से धोकर साफ कर लें।

अब मिक्सर में पुदीना, बारीक कटा हुआ प्याज, लहसुन, हरी मिर्च और नमक डालकर बारीक पीस लें।

बस तैयार है प्याज और पुदीना की स्वादिष्ट चटनी। इसे पूरी,पराठे या समोसे आदि के साथ सर्व कर सकते हैं।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**